@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

मंगलवार, 2 सितंम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 293 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही

•800 लोगों की मौत •2500 घायल •गांव के गांव बर्बाद

आधी रात को 6 तीव्रता का भूकंप आया, सोते हुए लोगों को बचने का मौका नहीं मिला

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान में आधी रात को 11:47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 6 तीव्रता का

भूकंप आया। इसमें अब तक 800 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2500 से ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। यह राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है।

• भूकंप के बाद लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हुई

NYT की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि भूकंप से देश के कुछ पूर्वी प्रांतों में गंभीर जान-माल का नुकसान हुआ है। हालांकि, उन्होंने ज्यादा डिटेल शेयर नहीं किया है। यह पहाड़ी इलाका है। इन इलाकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल है, जिससे बचाव और राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है। यहां, भूकंप के बाद लैंडस्लाइड हुई, जिससे कई सड़कें बंद हो गईं। इन इलाकों में सरकार लोगों को बाहर निकालने के लिए हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रही है।

भारत ने बढ़ाए मदद के हाथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, 'अफगानिस्तान में भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हर संभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है।' वहीं भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान की मदद करने का वादा किया और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस कठिन समय में अफगानिस्तान को भारत की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

पुतिन संग बैठक में बोले पीएम मोदी-

'कठिन परिस्थितियों में भी भारत-रूस कंधे से कंधा खड़े रहे हैं...'

एजेंसी

तियानजिन/ नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों का घनिष्ठ सहयोग विश्व में शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

चीन के तियानजिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कहा, ÷मुझे हमेशा लगता है कि आपसे मिलना एक यादगार बैठक होती है। हमें कई विषयों पर जानकारी साझा करने का अवसर मिला है। हम लगातार संपर्क में रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच नियमित रूप से कई उच्च-स्तरीय बैठकें हुई हैं। इस वर्ष दिसंबर में होने वाले हमारे 23वें शिखर सम्मेलन के लिए 140 करोड़ भारतीय आपका उत्सुकतापूर्वक इंतजार कर रहे हैं। यह हमारी विशेष साझेदारी की गहराई और व्यापकता को दर्शाता है।' दोनों देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों पर प्रकाश

डालते हुए उन्होंने कहा कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी भारत और रूस हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चले हैं। हमारा करीबी सहयोग न केवल दोनों देशों के लोगों के लिए, बल्कि विश्व में शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हम यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर लगातार चर्चा करते रहे हैं। हाल ही में हम शांति के लिए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। हम आशा करते हैं कि सभी पक्ष रचनात्मक रूप से आगे बढ़ेंगे। संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने और स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता खोजना होगा। यह पूरी मानवता की पुकार है।'

अमित शाह ने जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी के कुछ बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इसके बाद राजभवन में बाढ़ राहत उपायों पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। गृह मंत्री अमित शाह ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा के साथ बिक्रम चौक के पास तवी पुल और जम्मू हवाई अड्डे के पास मंगूचक का दौरा किया। उन्होंने पिछले सप्ताह जम्मू क्षेत्र में रिकॉर्ड बारिश के बाद आई अचानक बाढ़ से हुए नुकसान का प्रत्यक्ष जायजा लिया। शाह बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण कर सकते हैं, जिसमें कटरा भी शामिल है, जहां 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले पुराने मार्ग पर भूस्खलन के कारण 34 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी और 20 घायल हो गए थे। इसके अलावा किश्तवाड़ के चिसोती गांव

राजभवन में की समीक्षा बैठक

का भी हवाई सर्वेक्षण कर सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बाढ़ राहत उपायों पर समीक्षा बैठक की। केंद्रीय गृह मंत्री भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद की स्थिति का आकलन करने के लिए रविवार शाम जम्मू पहुंचे। जम्मू हवाई अड्डे पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सहित अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया।

स्वर्गीय चरती लाल गोयल जी का जीवन संयम, त्याग और सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण: सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वर्गीय चरती लाल गोयल जी की स्मृति को नमन करते हुए कहा कि साल 1993 में जब वे अध्यक्ष थे, तब वह विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष की छात्रा थीं। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि छात्र राजनीति के दौरान ही उन्हें विजय गोयल और विजेंद्र गुप्ता का मार्गदर्शन मिला, जिनकी कार्यशैली से सीखते हुए उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय चरती लाल गोयल जी के व्यवहार, चरित्र और कार्यशैली से हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक जीवन में सभी को ऐसा कार्य करना चाहिए कि हमारे जाने के बाद भी लोग सम्मान और आदर के साथ याद करें। विपक्ष भी हमारे बारे में केवल सकारात्मक बात ही करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की राजनीति में कई बार बहस मुद्दों और विषयों पर केंद्रित रहने के बजाय व्यक्तिगत स्तर पर चली जाती है। पहले ऐसा माहौल था, जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों अपने विचार स्पष्ट रूप से रखते थे और बाद में आपसी संबंध बनाए रखते थे। अब अक्सर सदन चलने ही नहीं दिया जाता

और संवाद की कमी हो जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने 27 वर्षों तक विपक्ष में रहते हुए हमेशा जनता की आवाज़ को उठाया और यही परंपरा आज भी जीवित रहनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी-अपनी बात जनता तक पहुंचानी चाहिए और किसी भी प्रकार के असंसदीय व्यवहार से बचना चाहिए। स्वर्गीय चरती लाल गोयल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके जीवन से हमें संयम, त्याग और सेवा की प्रेरणा मिलती है।

झारखंड में जेजेएमपी के नौ उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिला समाहरणालय सभागार में सोमवार को झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) से संबंध रखने वाले नौ (09) नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने भारी मात्रा में हथियार और जिंदा कारतूस भी पुलिस प्रशासन को सौंपे। जेजेएमपी से जुड़े जिन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, उनमें पांच लाख के इनामी चार उग्रवादी, संगठन का सुप्रीमो रविंद्र यादव, सब जोनल कमांडर अखिलेश यादव, बलदेव गंझु, मुकेश राम तथा तीन लाख का ईनामी पवन उर्फ राम प्रसाद महतो, एरिया कमांडर राजू राम, विजय यादव, श्रवण सिंह और मुकेश गंझु शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने चार एक-47, तीन एसएलआर राइफल, 303 बोर का दो राइफल, एक अन्य राइफल और एक सेमी राइफल, एक एके-56 राइफल और 1782 जिंदा कारतूस भी पुलिस को सौंपे।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनी फरियादें

• नन्हीं मायरा को एडमिशन कराने का दिया भरोसा

• मीडिया से बातचीत में मायरा की मां ने कहा कि सीएम ने काफी अच्छे तरीके से हमारे परिवार की बात सुनी और एडमिशन का आश्वासन भी दिया।

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आम लोगों की फरियाद सुनी। प्रदेशभर से आए 50 से अधिक लोगों से सीएम ने न केवल संवाद किया, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान कराने के लिए अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री हर फरियादी के पास खुद पहुंचे, उनकी समस्याएं सुनीं और प्रार्थना पत्र अपने हाथों से लिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी हर समस्या का समाधान किया जाएगा। जनता की समस्याओं का निस्तारण करना और खुशहाल उत्तर प्रदेश बनाना सरकार

की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता दर्शन के दौरान कानपुर की मासूम मायरा अपनी मां के साथ मुख्यमंत्री योगी से मिलने पहुंची। मां ने बच्ची के स्कूल में प्रवेश की फरियाद रखी। जनता दर्शन में आते ही सीएम ने मायरा की मां से पूछा कि कहां से आए हैं, कहां एडमिशन कराना है। जिसका उन्होंने उत्तर दिया। इसके बाद मायरा से मुखातिब मुख्यमंत्री ने पूछा कि स्कूल जाओगी, किस क्लास में पढ़ोगी, अभी तक तो स्कूल गई नहीं है, क्या बनोगी मायरा ने तपाक से जवाब दिया, 'डॉक्टर।' उन्होंने अधिकारियों को बच्ची के एडमिशन का निर्देश दिया। मीडिया से बातचीत में मायरा की मां ने कहा कि सीएम ने काफी अच्छे तरीके से हमारे परिवार की बात सुनी और एडमिशन का आश्वासन भी दिया। यह पहली बार नहीं है, जब कोई बच्ची अपने एडमिशन को लेकर मुख्यमंत्री से मिली। इसके पहले मुरादाबाद की वाची ने माता-पिता के साथ जून में मुख्यमंत्री से 'जनता दर्शन' में मुलाकात की और एडमिशन की गुहार लगाई। बेटी के प्रवेश को लेकर महीनों से परेशान वाची के माता-पिता जब मुख्यमंत्री के पास पहुंचे तो तीन घंटे के अंदर ही आरटीई के तहत वाची का मुरादाबाद के प्रतिष्ठित विद्यालय में प्रवेश हो गया। यही नहीं, जुलाई में गोरखपुर के पुर्दिलपुर निवासी पंखुड़ी त्रिपाठी ने भी परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए फीस माफी को लेकर मुख्यमंत्री से गुहार लगाई थी। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया था कि उनकी पढ़ाई नहीं रुकेगी। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद विद्यालय ने उनकी फीस माफ कर दी।

संभल मस्जिद विवाद में यथास्थिति बढ़ी

• सुप्रीम कोर्ट ने दो हफ्ते के लिए बढ़ाई समयसीमा

एजेंसी

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के संभल मस्जिद विवाद में यथास्थिति बनाए रखने के अपने आदेश को दो हफ्ते के लिए बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक राधे की पीठ ने कहा कि इस मामले में जामी मस्जिद संभल की प्रबंधन समिति की ओर से दो अपीलें दायर की गई थीं, जिनका प्रतिनिधित्व इसके सचिव (पहली याचिका) और उपाध्यक्ष (दूसरी याचिका) कर रहे थे। इसके बाद शीर्ष अदालत ने अपनी रजिस्ट्री को मामले की जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मुकदमे में हिंदू पक्षकारों की ओर से पेश हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने यथास्थिति बढ़ाने का विरोध किया। हालांकि, मस्जिद प्रबंधन का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक अवधि बढ़ाने की मांग की।

'बिहार एसआईआर पर भ्रम भरोसे का मुद्दा'

• राजनीतिक दल खुद को सक्रिय करें: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत के चुनाव आयोग के इस कथन पर संज्ञान लिया कि बिहार ड्राफ्ट रोल में मतदाता पंजीकरण के लिए दावे और आपत्तियों पर 1 सितंबर की समय सीमा के बाद भी विचार किया जाएगा। कोर्ट ने आयोग के कथन पर संज्ञान लेते हुए 1 सितंबर की समय सीमा बढ़ाने का कोई आदेश पारित नहीं किया। कोर्ट ने बिहार विधिक सेवा प्राधिकरण को सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को निर्देश जारी करने का आदेश दिया कि वे मतदाताओं या राजनीतिक दलों को दावे, आपत्तियां, सुधार ऑनलाइन जमा करने में सहायता के लिए अर्ध-विधिक स्वयंसेवकों की नियुक्ति करें या उन्हें अधिसूचित करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसके बाद प्रत्येक स्वयंसेवक को जिला एवं सत्र न्यायाधीश (डीएसएलए के अध्यक्ष) को एक गोपनीय रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। स्वयंसेवकों से प्राप्त जानकारी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों के स्तर पर एकत्र की जा सकती है।

इससे पहले निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत तैयार मतदाता सूची के मसौदे में दावे, आपत्तियां और सुधार 1 सितंबर के बाद भी दायर किए जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची के अंतिम रूप देने के बाद ही इन पर विचार किया जाएगा। जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग (ईसी) के इस कथन पर गौर किया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि तक दावे और आपत्तियां दायर की जा सकती हैं।

अमेरिका के साथ 14 सितंबर तक होगा सैन्य युद्धाभ्यास, भारतीय टुकड़ी रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए भारतीय सेना की एक टुकड़ी फोर्ट वेनराइट (अलास्का) के लिए रवाना हो गई है। भारत-अमेरिका युद्धाभ्यास का 21वां संस्करण 14 सितंबर तक होगा, जिसमें दोनों सेनाओं के विषय विशेषज्ञ यूएएस और काउंटर-यूएएस ऑपरेशन, सूचना युद्ध, संचार और रसद जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर कार्य समूह का संचालन करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार अमेरिका जाने वाली भारतीय टुकड़ी में मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन अमेरिका की 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की आर्कटिक वॉल्व्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम की पहली बटालियन 5वीं इन्फेंट्री रेजिमेंट 'बॉबकैट्स' के सैनिकों के साथ प्रशिक्षण लेगी। दो सप्ताह तक सैनिक हेलीबोर्न ऑपरेशन, निगरानी संसाधनों और मानव रहित हवाई प्रणालियों का उपयोग, रॉक क्राफ्ट, पर्वतीय युद्ध, हताहतों को निकालना, युद्ध चिकित्सा सहायता और तोपखाने, विमानन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों के एकीकृत उपयोग सहित कई प्रकार के सामरिक अभ्यासों का अभ्यास करेंगे।इसके अलावा यह अभ्यास संयुक्त रूप से नियोजित और क्रियान्वित सामरिक युद्धाभ्यासों के साथ संपन्न होगा, जिसमें लाइव-फायर अभ्यास से लेकर उच्च-ऊंचाई वाले युद्ध परिदृश्य शामिल होंगे, जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों की क्षमताओं में सुधार और बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों के लिए तैयारी को मजबूत करना होगा।

सिरसा ने जलवायु परिवर्तन पर राज्य के एक्शन प्लान की समीक्षा की

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 1 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कल उच्चस्तरीय बैठक में संशोधित स्टेट एक्शन प्लान ऑन क्लाइमेट चेंज को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित मीटिंग की अध्यक्षता की। पर्यावरण विभाग और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें 2050 तक के जलवायु पूर्वानुमान और विभिन्न क्षेत्रों में अपनाए जाने वाले अनुकूलन और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उपायों से अवगत कराया। मंत्री ने कहा कि दिल्ली की जनहित-केंद्रित सरकार हर नीति की बहुस्तरीय समीक्षा करके ही उसे लागू करेगी, जिससे वायु गुणवत्ता बेहतर हो और जलवायु की रक्षा हो सके। हम केवल

बाते नहीं, बल्कि धरातल पर असर दिखाने वाले कदम उठायेंगे, उन्होंने जोड़ा। बैठक की शुरुआत दिल्ली की जलवायु संवेदनशीलता पर प्रस्तुति से हुई, जिसमें बढ़ती हीट-स्ट्रेस, शहरी बाढ़, जल-संकट और ऊर्जा-मांग के तेज़ इज़ाफ़े से जन-स्वास्थ्य व आधारभूत ढाँचे पर पड़ने वाले खतरों को चर्चा में शामिल किया गया। मंत्री ने कहा कि इन जुड़ी हुई चुनौतियों के कारण अनुकूलन और उत्सर्जन-कटौती—दोनों को तेज़ी से आगे बढ़ाना ज़रूरी है। ऊर्जा व बिजली चर्चा में एलईडी बल्ब-विस्तार, स्मार्ट मीटरिंग, बिजली आपूर्ति दक्षता और ग्रीन मॉबिलिटी के लिए चार्जिंग ढाँचे की प्रगति पेश की गई। नवीकरणीय ऊर्जा बढ़ाने और हीट वेव झेलने के लिए ग्रिड मज़बूती के उपाय भी सामने रखे गए। शहरी नियोजन में ठोस-कचरा प्रबंधन, पुरानी डंपसाइट की बायो-माइनिंग, ष्×ष्ठ व ई-कचरा निपटान, साथ ही नालियों के सुधार और यमुना फ्लड प्लेन की सुरक्षा पर चर्चा हुई।

शेष पृष्ठ 3 पर

राजस्थान में जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर उम्रकैद तक की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान, घर वापसी अपराध नहीं

जयपुर (एजेंसी)। विधानसभा सत्र से पहले रविवार को भजनलाल सरकार की कैबिनेट बैठक में राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक को संशोधनों के साथ मंजूरी दी गई। नए ड्राफ्ट में जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर उम्रकैद तक की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं, मूल पैतृक धर्म में लौटने को धर्म परिवर्तन की परिभाषा से बाहर रखा गया है। बिल को सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा। कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि अवैध धर्मांतरण में शामिल संस्थाओं का पंजीकरण रद्द होगा, सरकारी ग्रांट बंद होगी और जिस संपत्ति पर धर्मांतरण हुआ है, उसकी जब्ती या ध्वस्तीकरण तक किया जा सकेगा। सबूत का भार उस व्यक्ति पर होगा, जिसने धर्म परिवर्तन करवाया है।

एलओसी पर दिखे घुसपैठिये, जवानों के साथ भीषण गोलीबारी जारी

जम्मू (एजेंसी)। राजौरी से सटे पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी हो रही है। सेना ने सोमवार सुबह पुंछ के बालाकोट सेक्टर में एलओसी पर संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया और उसे चुनौती दी, जिसके बाद से गोलीबारी जारी है। मिली जानकारी के मुताबिक सेना के जवानों ने बाड़ के आगे डब्बी इलाके में जीरो लाइन के पास संदिग्ध घुसपैठियों को देखा और गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि संदिग्ध समूह ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सूत्रों ने बताया कि सेना के जवानों का अभियान जारी है और घुसपैठ की किसी भी कोशिश को रोकने के लिए अतिरिक्त बल भेजा गया है।

युवक की कार रुकवाई गले पर मारी ब्लेड, नकदी व मोबाइल लूट कर भागे

-डॉक्टरों ने घायल को रांची किया रेफर, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

मेदिनीनगर (एजेंसी)। पलामू जिले के हैदरनगर के पंसा गांव निवासी विनय कुमार चंद्रवंशी पर लुटेरों ने ब्लेड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसका मोबाइल और नकदी लूट कर फरार हो गए। हालत गंभीर होने पर सोमवार को डॉक्टरों ने घायल को रांची रेफर किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घायल विनय चंद्रवंशी ने बताया कि रविवार रात वह अपने कार से एक रिश्तेदार को मेदिनीनगर स्थित सेवा सदन अस्पताल में भर्ती कराने गया था। अस्पताल में भर्ती करवाकर वह वापस घर लौट रहा था, तभी रेहला थाना क्षेत्र के बी मोड़ के पास तीन अज्ञात लुटेरों ने कार रुकवाई। लुटेरों ने जबरन कार को अपने बताए स्थान पर ले जाने के लिए दबाव बनाया। विनय ने विरोध किया तो उसके हाथ पर ब्लेड से हमला कर दिया। डर और चोट के कारण उसने लुटेरों की बात मान ली। इसके बाद लुटरे उसे कोरियाडीह ले गए। वहां उतरते ही लुटेरों ने उसके गले पर ब्लेड से वार किया और मोबाइल व नकदी छीनकर फरार हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार सुबह ग्रामीणों ने देखा कि एक युवक कार के अंदर खून से लथपथ पड़ा है। ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और थाने जाने की सलाह दी। घायल विनय किसी तरह किशनपुर ओपी पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने हालत गंभीर होते देख उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया। घटना के बाद से पुलिस अलर्ट है। किशनपुर ओपी पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है और अपराधियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

केरल सीएम ने बाढ़ में फंसे 18 पर्यटकों को बचाने हिमाचल सीएम से किया अनुरोध

कोच्ची(एजेंसी)। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने रविवार को हिमाचल प्रदेश के अपने समकक्ष सुखविंदर सिंह सुक्खू से अनुरोध किया कि वह पहाड़ी राज्य में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन में फंसे दक्षिणी राज्य के 18 पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि कोच्चि की एक एजेंसी ने एक टूर का हिस्सा यह समूह हिमाचल प्रदेश के कल्पा में फंसा हुआ है। विजयन ने हिमाचल प्रदेश सरकार से पर्यटकों को बचाने और उनकी सुरक्षित केरल वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। आधिकारिक बयान के मुताबिक केरल के अधिकारी इस प्रयास में समन्वय के लिए हिमाचल प्रदेश के अपने समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सीएम ने फंसे हुए लोगों की सुरक्षा और उनकी सुगम वापसी का भी अनुरोध किया। बयान में कहा गया है कि सीएम विजयन ने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ केरल की एकजुटता व्यक्त की। अधिकारियों के मुताबिक यह समूह 25 अगस्त को केरल से मनाली के लिए रवाना हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटक केरल के कई हिस्सों से हैं।

मराठा आरक्षण आंदोलन में युवक की हार्टअटैक से मौत, शोक जताने सैकड़ों लोग पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में आंदोलन कर रहे व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई, जिसके बाद लातूर जिले में रविवार को सैकड़ों लोग यहां उसके गांव में शोक व्यक्त करने पहुंचे। मृतक प्रदर्शनकारी के शव को मुंबई से उसके गांव लाया गया। टाकलगांव का रहने वाले विजयकुमार चंद्रकांत घोगरे आजाद मैदान में कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में जारी आरक्षण आंदोलन में हिस्सा लेने 40 लोगों के एक समूह के साथ मुंबई गए थे। जानकारी के मुताबिक दक्षिण मुंबई के पायधोनी इलाके में शनिवार को घूमते समय घोगरे को सीने में दर्द हुआ, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक चिकित्सकों ने घोगरे को मृत घोषित कर दिया।

जब एआई से घपला पकड़ सकता है, तो हलफनामों का क्यों नहीं दे रहा जवाब?

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग को बताया जुगाड़ आयोग

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। बिहार चुनाव से पहले विपक्ष ने सरकार और चुनाव आयोग को वोटों की हेराफेरी के मामले में कटघरे में खड़ा कर दिया है। कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक की सहयोगी पार्टियां सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगा रही है लेकिन अभी तक किसी भी आरोप को सिद्ध नहीं कर पाई हैं। अब अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूछा है कि जब एआई से घपला पकड़ सकता है, तो सपा के 17,986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। ये हलफनामे कथित तौर पर मतदाता सूची में हेराफेरी और 'वोट चोरी' से संबंधित हैं, जिस पर आयोग की चुप्पी राजनीतिक गलियारों में बहस का विषय बन गई है।

अखिलेश यादव ने सोमवार को चुनाव आयोग को 'जुगाड़ आयोग' करार देते हुए सवाल उठाया कि वह सपा के 17 हजार से ज्यादा शपथ पत्रों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए एक्स पर पोस्ट में कहा कि जब 'जुगाड़ आयोग' एआई से सवा करोड़ रुपए का घपला पकड़ सकता है तो फिर हमारे द्वारा दिए गए करीब 18,000 में से केवल 14 हलफनामों का जवाब देने के बाद बचे 17986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है?

इस पोस्ट में अखिलेश ने एक समाचार चैनल का वीडियो साझा किया है जिसमें यह दावा किया गया है कि एआई के ज़रिए पंचायत चुनाव के मद्देनजर सवा करोड़ मतदाता कम किए गए हैं। इसमें यह भी दावा किया गया है कि एआई के जरिए अलग-अलग गांवों में डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान हुई है जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा पिछले माह एक प्रेसवार्ता में 'वोट चोरी' और अन्य अनियमितताओं के विपक्ष के आरोपों को गलत बताया था। सपा प्रमुख यादव ने एक अन्य संदेश में कहा था कि सपा ने 'वोट चोरी' के संबंध में 18 हजार शपथ पत्र आयोग को दिए थे, लेकिन कार्रवाई शून्य है। बाद में यादव ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा था बीजेपी, चुनाव आयोग, जिलाधिकारी की तिकड़ी अभी तक हमारे द्वारा दिए गए 18 हजार हलफनामों में से

सिर्फ 14 का ही जवाब दे पाई है। यादव ने एक्स पर सोमवार को एक अन्य पोस्ट में कहा ÷बीजेपी ने जब से विश्वविद्यालयों का 'संगी-साथीकरण' किया है तब से विश्वविद्यालय प्रशासन की भेदकारी व पक्षपाती राजनीति का छात्रों की पढ़ाई और उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आपदा से हुए नुकसान के आकलन के लिए गृह मंत्रालय ने दल का किया गठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर गृह मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश, बाढ़, अचानक बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन से हुए नुकसान के आकलन के लिए अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय दलों का गठन किया है। ये केन्द्रीय दल मौके पर जाकर स्थिति और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों का आकलन करेंगे। गृह मंत्रालय के अनुसार, केन्द्रीय दल अगले सप्ताह की शुरुआत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बाढ़ या भूस्खलन प्रभावित जिलों का दौरा करेंगे। दरअसल, मौजूदा मानसून सीजन के दौरान भारी से अत्यधिक भारी बारिश, अचानक बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में पहले ही एक दल और एक बहु-क्षेत्रीय दल दौरा कर चुका है। इन केन्द्रीय दलों का नेतृत्व गृह मंत्रालय/राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी करेंगे और इनमें व्यय, कृषि और किसान कल्याण, जल शक्ति, ऊर्जा, सड़क परिवहन और राजमार्ग, ग्रामीण विकास मंत्रालयों/विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। गृह मंत्रालय इन राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में है और आवश्यक लॉजिस्टिक सहायता प्रदान कर रहा है, जिसमें एनडीआरएफ, सेना और वायु सेना के हेलीकॉप्टरों की तैनाती शामिल है, जो खोज और बचाव कार्यों तथा आवश्यक सेवाओं की बहाली में सहायता कर रहे हैं।

सेक्सुअल एजुकेशन को लेकर 12वीं के छात्र ने दायर की याचिका

-सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया। यह नोटिस कक्षा 12 के एक छात्र द्वारा दायर याचिका पर दिया गया। याचिका में स्कूल के पाठ्यक्रम और एनसीईआरटी व एससीईआरटी द्वारा तैयार की जाने वाली पुस्तकों में कंप्रिहेंसिव सेक्सुअल एजुकेशन यानी ट्रांसजेंडर-समावेशी समग्र यौन शिक्षा को शामिल करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बी आर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी बनाम भारत संघ और सोसाइटी फॉर एन्लाइटनमेंट एंड वॉलंटरी एक्शन बनाम भारत संघ मामलों में दिए गए बाध्यकारी निर्देशों का अनुपालन न होने का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है कि एनसीईआरटी और ज्यादातर एससीईआरटी ने अब तक लिंग पहचान, लिंग विविधता और सेक्स एवं जेंडर के बीच अंतर पर कोई संरचित या परीक्षा-आधारित सामग्री शामिल नहीं की है।

याचिका में कहा गया है कि महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक में किए गए पाठ्यपुस्तक समीक्षाओं में व्यवस्थित रूप से ऐसे

विषयों को नजरअंदाज किया गया है, आंशिक अपवाद केवल केरल में दिखाई दिए। यह संविधान का उल्लंघन है और साथ ही नीति निदेशक तत्वों की भी अनदेखी है। याचिका में ये भी कहा गया है कि यूनेस्को और डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रकाशित इंटरनेशनल टेक्निकल गाइडेंस ऑन सेक्सुएलिटी एजुकेशन जो सीएसई के लिए एक फ्रेम प्रदान करता है को सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के अपने एक फैसले में समर्थन दिया था। याचिका ने यह भी बताया कि 2019 से एनसीईआरटी ने कई नीतिगत दस्तावेज, प्रशिक्षक गाइड और संसाधन सामग्री विकसित की है, लेकिन इन्हें मुख्य पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं किया गया है।

बता दें एनसीईआरटी के 7 मई 2025 के आरटीआई उत्तर का हवाला देते हुए कहा गया कि उसने अब तक ट्रांसजेंडर-समावेशी यौन शिक्षा पर कोई शिक्षक ट्रेनिंग आयोजन नहीं किया है।

जो लोगों को अच्छे से मूर्ख बना दे, वह ही सबसे अच्छा नेता

-गडकरी ने कहा- धार्मिक, सामाजिक कार्य और राजनीति अलग-अलग चीजें

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। उन्होंने इस बार नेताओं को लेकर कहा कि जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वह ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। नितिन गडकरी ने नागपुर में अखिल भारतीय महानुभाव परिषद में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बातें करना आसान है। मैं कोई अधिकारी नहीं हूं, लेकिन मुझे इसका एहसास है, क्योंकि जिस क्षेत्र में मैं काम करता हूं, वहां पूरे मन से सच बोलना मना है। जो लोगों को सबसे अच्छा मूर्ख बना सकता है, वह ही सबसे अच्छा नेता हो सकता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में लिखा है कि अंत में सत्य की ही जीत होगी।

गडकरी ने कहा कि किसी भी चीज को हासिल करने का एक शॉर्टकट होता है। शॉर्टकट के जरिए इंसान तेजी से आगे बढ़ता है।

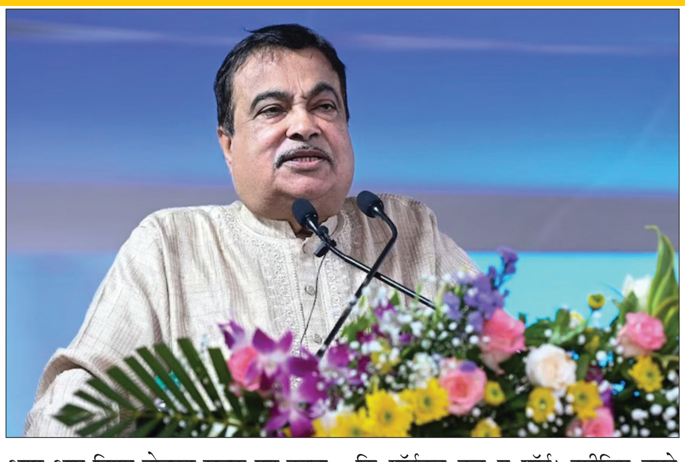

अगर आप नियम तोड़कर सड़क पार करना चाहें, तो हो सकता है कि लाल बत्ती हो या आप उसे पार कर जाएं, लेकिन एक दार्शनिक ने कहा कि शॉर्टकट कट यू शॉर्ट। इसीलिए हमने ईमानदारी, विश्वसनीयता, समर्पण, सच्चाई जैसे मूल्य दिए हैं। उन्होंने कहा कि समाज में इन सबका अपना महत्व है।

उन्होंने कहा कि पंथ और संप्रदायों को मंत्रियों से दूर रखना चाहिए। धार्मिक कार्य, सामाजिक कार्य और राजनीति अलग-अलग चीजें हैं। अगर धर्म को सत्ता सौंप दी जाए, तो उसे नुकसान होगा। मंत्री जहां भी जाते हैं, वहां आग लगाने से खुद को नहीं रोक पाते। वह दो महंतों के बीच झगड़ा कराते हैं, फिर गद्दी के लिए संघर्ष होता है। फिर सरकार निलंबित करती है, एक समिति नियुक्त करती है और फिर दोनों सरकार में आ जाते हैं, गडकरी ने धर्म और राजनीति को दूर रखने की सलाह दी।

गडकरी बीजेपी में अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। वह जनता को अपनी बात साफ और सीधे शब्दों में कहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं काम करूँगा। अगर आप मुझे पसंद करते हैं, तो मुझे वोट दें, अगर नहीं, तो मत दें।

नेपाली मूल की बहुओं समेत बिहार में 3 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजा

किशनगंज (एजेंसी) नेपाल से शादी कर भारत आईं कई महिलाएं यहां समाज का हिस्सा बन चुकी हैं। लेकिन, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत इनकी नागरिकता पर सवाल उठ रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने बिहार में करीब 3 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजा है जिसमें किशनगंज की नेपाली मूल की बहुएं भी शामिल हैं। इन महिलाओं को अपने मतदाता पहचान पत्र के लिए दस्तावेज साबित करने को कहा गया है। किशनगंज में नेपाल से शादी कर आई महिलाओं को मतदाता सूची से हटाने की कार्रवाई ने हड़कंप मचा दिया है। निर्वाचन आयोग की सख्ती ने ऐसे नागरिकों की चिंता और परेशानी बढ़ा दी है।

दरअसल, बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने मतदाता सूची में विसंगतियों को पकड़ा है। किशनगंज जैसे सीमावर्ती जिलों में नेपाल से शादी कर आई महिलाएं रहती हैं, लेकिन अब यह मुद्दा गंभीर हो गया है। इन महिलाओं के पास सभी वैध दस्तावेज होने के बावजूद पुराने रिकॉर्ड, जैसे- माता-पिता के 2003 के मतदाता सूची प्रमाण की कमी के कारण उन्हें सूची से हटाने की कार्रवाई हो रही है। निर्वाचन आयोग ने सात दिनों के भीतर दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया है। नेपाल के पाठामारी की रहने वाली मुनिया की शादी 2011 में भातगांव के वार्ड नंबर 08 के बेचना मांझी से हुई थी। उनके पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता और निवास प्रमाण पत्र जैसे सभी भारतीय दस्तावेज हैं। लेकिन निर्वाचन आयोग उनकी मां के दस्तावेज मांग रहा है। ठाकुरगंज प्रखंड के भातगांव पंचायत की मुनिया देवी को बीएलओ अमरनाथ नायक ने नोटिस थमाया है। मुनिया बताती हैं कि उनकी मां पिछले 8 साल से भारत में रह रही हैं और उनके पास आधार कार्ड भी है, लेकिन 2003 की मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। किशनगंज के सीमांचल क्षेत्र में मुस्लिम आबादी और भारत-नेपाल के वैवाहिक रिश्ते प्रचलित हैं। इनके बीच इस कार्रवाई से बेचैनी बढ़ गई है। पूर्व मुखिया अब्दुल मन्नान का कहना है कि गरीबी और बाढ़ के कारण कई लोगों के पास पुराने दस्तावेज नहीं हैं। एआईएमआईएम जैसे दल इसे अल्पसंख्यक समुदायों पर निशाना मानते हैं, जबकि बीजेपी अवैध घुसपैठ का आरोप लगाती है। बता दें कि दस्तावेज जमा करने की अंतिम तारीख 1 सितंबर 2025 थी और अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होगी।

राहुल के हाइड्रोजन बम पर रविशंकर प्रसाद का पलटवार, बताया 'फुस्स पटाखा', पूछा- हलफनामे से क्यों भागते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के अपने आरोपों को दोहराए जाने और भाजपा को एक और हाइड्रोजन बम की चेतावनी दिए जाने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी ने सोमवार को उन्हें गैरजिम्मेदार और समझने में कठिन कहा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने प्रसन्नतापूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी मैं राहुल गांधी को बोलते हुए सुनता हूं, चाहे संसद के अंदर हो या बाहर, मुझे कई प्रकार के एंटीना लगाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी ने कहा कि मैंने एटम बम फोड़ा है, अब हाइड्रोजन बम फोड़ूंगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतगणना को लेकर कर्नाटक में जो उनका एटम बम था वो तो फुस्स हो गया, वो दिवाली का एक छोटा पटाखा भी नहीं निकला, और वो हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कर रहे हैं। अभी तक तो दुनिया में भी हाइड्रोजन बम नहीं फूटा है।

कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि एक बार उन्होंने (राहुल गांधी) कहा था कि 5-6 साल में व्यक्ति युवा हो जाता है। दूसरी बात उन्होंने कही, तपस्या करने से गर्मी होती है।

इसलिए एटम बम और हाइड्रोजन बम का चुनाव से क्या संबंध है, इसके लिए मुझे जानकारी प्राप्त करनी पड़ेगी। राहुल गांधी जी... इतना अपने आप को हल्का क्यों बना रहे हैं, आप विपक्ष के नेता के पद पर हैं, इसकी गरिमा होती है। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर कई सवाल उठाए हैं, लेकिन हलफनामे के मुद्दे पर वह चुप क्यों हैं?

उन्होंने कहा कि मैं तीन सवाल उठाना चाहता हूँ जिनका जवाब राहुल गांधी को देना चाहिए- 1.21 लाख लोग मर चुके हैं। क्या उन्हें अब भी मतदाता सूची में रहना चाहिए? 2.35 लाख लोग अब अपने पंजीकृत पते पर नहीं रहते। क्या उनके नाम बने रहना चाहिए? 3.7 लाख नाम दो अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में हैं। क्या उन्हें दो बार मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आपत्तियाँ हलफनामों के माध्यम से दर्ज की जानी चाहिए। राहुल गांधी इससे क्यों भाग रहे हैं? क्योंकि उन्हें पता है कि हलफनामे में झूठ बोलने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पहले बिहार में जब चुनाव होता था तो कितनी बूथ कैप्चरिंग होती थी, बूथ तक लूट लिया जाता था। लेकिन आज बूथ कैप्चरिंग खत्म हो गई है। मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करता हूं। आज ईवीएम में जाइए, बटन दबाइए और रिजल्ट सामने आता है। आज जो अखिलेश और तेजस्वी यादव कहते हैं कि बैलेट पेपर लाओ... क्योंकि इनके दिल में दर्द है कि ये लोग बूथ कैप्चरिंग नहीं कर पा रहे हैं। आज ये लोग जो चुनाव आयोग और वोटर लिस्ट पर घमासान कर रहे हैं इसके बीच में दो मूल बिंदु हैं। हमें बूथ कैप्चर करने का अधिकार दो और घुसपैठियों को नहीं निकालो।

महिषी विधानसभा सीट पर माकपा ने ठोंका दावा... तेजस्वी के माथे पर चिंता की लकीर

सहरसा (एजेंसी)। महिषी बस एक गांव का नहीं है। यह अपने सांस्कृतिक, धार्मिक और साहित्यिक विरासत के लिए जितनी जाती है उतनी ही महिषी विधानसभा सीट अपनी राजनीतिक सुचिता के लिए मशहूर है। इस सीट पर प्रखर समाजवादी नेता परमेश्वर कुमार और कांग्रेसी दिग्गज लहटन चौधरी चुनाव लड़ते रहे हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंदी होकर भी इनकी राजनीतिक सुचिता की कई कहानी आज भी इलाके के लोग सुनाते हैं। महिषी ऐसा है जिसके नाम से विधानसभा क्षेत्र है और खुद महिषी गांव इस विधानसभा क्षेत्र के बजाय सिमरीबख्तियारपुर विधानसभा का हिस्सा है।

बहरहाल विधानसभा चुनाव आते ही पार्टियों के बीच सीटों को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। महिषी विधानसभा सीट पर अब माकपा ने अपना दावा ठोक राजद को परेशानी में डल दिया है।

हाल ही में सहरसा पहुंचे माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य सह अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक ढ़ावले ने महिषी सीट पर अपना दावा ठोक दिया। इसके बाद राजद के संभावित उम्मीदवारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बीते 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से महागठबंधन से राजद की टिकट पर गौतम कृष्ण उम्मीदवार थे। जदयू के गुंजेश्वर साह ने उन्हें नजदीकी मुकाबले में पटखनी दी थी। दूसरी ओर सीट पर फिलहाल एनडीए गठबंधन में जदयू का कब्जा है। यहां ध्यान रहे कि 2015 के चुनाव में एनडीए की ओर से रालोसपा के खाते में यह सीट गई थी, जबकि महागठबंधन में जदयू ने सीट पर अपना दावा छोड़ा था और यहां से राजद के अब्दुल गफूर ने बाजी मारी थी। 2020 के चुनाव में अब्दुल गफूर के पुत्र अब्दुल रज्जाक लोजपा की टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे थे और 22 हजार से अधिक मत प्राप्त किया था। इसके बाद इस सीट पर माकपा की नई दावेदारी से एक नई संभावना ने जन्म ले लिया है।

आसमान में दुनिया को ताकत दिखाएगा देसी 'राफेल', ब्रह्मोस मिसाइल से होगा लैस

-एचएएल भारतीय वायुसेना को जल्द सौंपेगी दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश-दुनिया के बदलते हालात को देखते हुए आर्म्ड फोर्सेज को और सशक्त बनाने की कोशिशें जारी हैं। मिसाइल, ड्रोन, फाइटर जेट के साथ ही स्वदेशी तकनीक से एयर डिफेंस सिस्टम डेवलप किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की सैन्य ताकत देखी। ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल से लेकर आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने अपनी ताकत दिखाई। भारत डिफेंस सेक्टर में नए सिरे से मील का पत?थर रखने की दहलीज पर खड़ा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल तमाम तरह की लेट लतीफी के बाद सितंबर में दो तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट की डिलीवरी कर सकता है। यह देसी 'राफेल' ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होगा। बता दें सरकार ने एचएएल को तेजस फाइटर जेट के लिए कुल मिलाकर 1.15 लाख करोड़ रुपए का ठेका दिया है। देश में स्वदेशी रक्षा उत्पादन को नई गति मिलने जा रही है। रक्षा सचिव आरके सिंह ने कहा कि एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अगले महीने भारतीय वायुसेना को दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान सौंपेगी।

उन्होंने बताया कि सरकार दो विमानों की डिलीवरी के बाद 97 अतिरिक्त तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ एक और अनुबंध करने जा रही है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि सितंबर के अंत तक दो तेजस विमान वेपन इंटीग्रेशन के साथ एयरफोर्स को मिल जाएंगे। बता दें मौजूदा समय में इंडियन एयरफोर्स के पास 38 तेजस लड़ाकू विमान सेवा में हैं, जबकि 80 से ज्यादा का काम जारी है। फरवरी 2021 में रक्षा मंत्रालय ने 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48 हजार करोड़ का करार किया था। हालांकि इन विमानों की डिलीवरी में देरी हो रही है, क्योंकि अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस ने इंजन सप्लाई के कई डेडलाइन को चूक दिया है। पिछले सप्ताह केंद्र सरकार ने करीब 67 हजार करोड़ रुपए की लागत से 97 अतिरिक्त तेजस विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। इस पर रक्षा सचिव ने कहा कि एचएएल को साफ कर दिया है कि यह करार तभी साइन होगा जब एचएएल दो तेजस विमानों को संपूर्ण पैकेज के साथ सौंप देगा।

डिफेंस सेक्रेटी ने भरोसा जताया कि आने वाले सालों में तेजस भारतीय वायुसेना की रीढ़ बनेगा। उन्होंने कहा कि एचएएल के पास अब चार से पांच साल का ऑर्डर बुक रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि वे इस प्लेटफॉर्म को परफेक्ट करेंगे, इसमें रडार और भारतीय हथियारों का एकीकरण करेंगे ताकि यह सुखोई के

साथ मिलकर वायुसेना का मुख्य आधार बन सके। रक्षा सचिव ने कहा कि वर्तमान में स्क्वाड्रन की संख्या 31 है, जबकि अधिकृत ताकत 42 स्क्वाड्रन की है। इसको पाटने के लिए हमें अन्य विकल्प भी तलाशने होंगे। तेजस एक सिंगल-इंजन, मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसे वायु रक्षा, समुद्री टोही और स्ट्राइक मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है। इसे वायुसेना के पुराने हो चुके मिग-21 विमानों की जगह लेने के लिए विकसित किया गया है।

रिंग रोड पर सुलझेगी जाम की उलझन, लोक निर्माण विभाग करवाएगा विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन

नई दिल्ली। राजधानी की लाइफलाइन कहे जाने वाले रिंग रोड (महात्मा गांधी मार्ग) पर लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इस 55 किलोमीटर लंबे मार्ग पर जाम खत्म करने के लिए विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन शुरू करने का निर्णय लिया है। इससे यहां लगने वाले जाम की उलझन सुलझेगी। इसके लिए 17.69 करोड़ रुपये की लागत वाली कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए निविदा जारी की गई है। रिंग रोड का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि यह दिल्ली के लगभग हर बड़े इलाके को आपस में जोड़ता है। यह मार्ग एम्स, आश्रम, सराय काले खां, लाजपत नगर, पंजाबी बाग जैसे प्रमुख जंक्शनों से होकर गुजरता है। इस पर रोजाना लाखों वाहन चलते हैं और भारी भीड़ के कारण अक्सर लंबा जाम लगता है। यही वजह है कि सरकार ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए कंसल्टेंट नियुक्त करने का फैसला किया है। निविदा दस्तावेज के अनुसार, चयनित कंसल्टेंट को कई स्तरों पर विस्तृत कार्य करना होगा। इनमें यातायात सर्वेक्षण, सड़क डिजाइन, जियो-टेक्निकल जांच, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव आकलन शामिल हैं। साथ ही, तीन वैकल्पिक योजनाएं, 3डी वॉकथ्रू और लागत-लाभ विश्लेषण भी तैयार करना होगा। इसके अलावा सड़कों के चौड़ीकरण, अंडरपास, फ्लाईओवर और अन्य संरचनाओं के विकल्प भी देखे जाएंगे ताकि यातायात प्रवाह बेहतर हो सके। रिंग रोड पर सबसे बड़ी चुनौती जंक्शनों और इंटरसेक्शनों पर लगने वाला जाम है। विशेषकर आश्रम, धौलाकुआं, सराय काले खां, भैरो मार्ग और नारायणा जैसे पॉइंट्स पर रोजाना लंबा इंतजार करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि सही इंजीनियरिंग समाधान लागू किए जाएं तो न केवल यात्रा समय घटेगा बल्कि ईंधन की बचत और वायु प्रदूषण में भी कमी होगी। परियोजना को 210 दिनों यानी सात माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए ई-बिड जमा करने की अंतिम तारीख 19 सितंबर है। इससे पहले 3 सितंबर को प्री-बिड मीटिंग रखी गई है। विभाग का कहना है कि व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट आने के बाद ही आगे के निर्माण कार्य पर काम किया जाएगा। अगर यह योजना सफल रहती है तो रिंग रोड पर रोजाना घंटों फंसे रहने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

पड़ोसी नूर से बीवी को हुआ प्यार... दोनों ने किया निकाह, इस हरकत से खफा पूर्व पति ने मार डाला महिला का शौहर

कौमी पत्रिका

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के कासिम नगर मोहल्ले में फोन पर बात करते घर जा रहे एसी मिस्त्री को पड़ोसी ने गुरुवार की रात 11:30 बजे चाकू से हमला कर हत्या कर दी। एसी मिस्त्री ने आरोपी की पत्नी से तीन साल पहले निकाह कर लिया था। इसी वजह से रंजिश मानता था। सूचना पर पहुंचे कोतवाल और फॉरेंसिक टीम ने जांच की। एएसपी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। भाई की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सदर कोतवाली के मोहल्ला कासिमनगर निवासी नूरआलम (40) एसी मिस्त्री था। भाई इरफान ने बताया कि पत्नी के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने पर नूर आलम ने आठ साल पहले उसे तलाक दे दिया था। तीन साल पहले उसने मोहल्ले के ही नौशाद की पत्नी इरफाना से कोर्ट मैरिज कर ली। इसके विरोध में परिजनों ने नूरआलम को अलग कर दिया। इस पर नूर आलम घर के पास स्थित प्लॉट में मकान बनाकर इरफाना के साथ रहने लगा। नूरआलम ने शादी का सर्टिफिकेट सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। इससे नौशाद के परिचितों को भी पता चल गया। इससे नौशाद नूरआलम से रंजिश मानने लगा था। दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। इरफान के मुताबिक भाभी इरफाना कुछ समय से पहले पति नौशाद से भी बात करने लगी। पहले पति से हुए बच्चों से भी मिलती थीं। पहले पति से हुए तीन बच्चों में बड़ा बेटा करीब 22 साल का है। बताया कि नूरआलम की पहली पत्नी के बच्चे नहीं थे और ना ही इरफाना से कोई संतान हुई। गुरुवार की रात भाई किसी काम से गए थे। रात करीब 11:30 बजे किसी से फोन पर बात करते हुए आ रहे थे। रास्ते में नौशाद ने चाकू से हमला कर भाई को लहूलुहान कर दिया। वह जैसे-तैसे घर पहुंचे और बहन रूबी को आवाज दी। भाई की हालत देख बहन चीख पड़ी। उसे बाइक पर बैठाकर जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मां शायदा बानो, तीन बहनें और चौराहा के पास से पकड़ लिया।

छोटा भाई बेहाल है। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचकर रात में ही घटना की जांच की। एएसपी अखिलेश सिंह भी घटनास्थल पहुंचे। घटनास्थल के पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को जांच की गई तो नौशाद भागकर जाते हुए दिखा। उसके कपड़ों पर भी खून लगा था। पुलिस के मुताबिक रात में ही अलग-अलग पुलिस टीमों को लगाकर हत्यारोपी नौशाद को हुसैन नगर हालांकि चर्चा यह भी है कि हत्यारोपी खुद चाकू सहित कोतवाली पहुंचा गया था। कोतवाल अजय सिंह ने बताया कि भाई की तहरीर पर नौशाद के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है। एसी मिस्त्री के हत्यारोपी नौशाद को अपने किए पर पछतावा नहीं है। कहा कि सामाजिक अपमान का घूंट कई साल से पी रहा था। बहुत दिनों से नूर आलम को खत्म करने की फिराक में था, मौका मिलते ही उसे मार दिया। अब जेल जाने का भी गम नहीं। बच्चे बड़े हैं, खुद कमाकर खा लेंगे। गिरफ्तार कर कोतवाली लाए गए आरोपी नौशाद ने बताया कि अब दिल को सुकून मिला है। उसने बताया कि तीन साल पहले जब नूरआलम उसकी पत्नी इरफाना को बिना शादी किए साथ रखने लगा तो उससे दूर ले जाकर रहने के लिए कहा था। वह दूर जाने के बजाय मेरे घर से 25 मीटर दूर ही घर बनवाकर रहने लगा। बाद में कोर्ट मैरिज कर प्रमाणपत्र सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। इससे समाज में और बदनामी हुई। रोजाना पत्नी भी नजर आती थी। बच्चे भी बड़े हो गए हैं। उनसे भी लोग तरह-तरह की बातें करते थे, इसलिए हमेशा के लिए कहानी ही खत्म कर दी। एसी मिस्त्री के भाई ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि पांच दिन पहले हत्यारोपी नौशाद उसकी भाभी (पूर्व पत्नी) से मिलने आया था, उसके बाद घटना को अंजाम दिया। उसने फिलहाल भाभी पर सीधा आरोप नहीं लगाया है लेकिन इसकी जांच की मांग की है। एसी मिस्त्री के भाई इरफान ने बताया कि करीब छह महीने पहले भाभी इरफाना और हत्यारोपी नौशाद की बात शुरू हो गई थी। नूरआलम के न रहने पर नौशाद उसके घर भी जाने लगा था। पांच दिन पहले नौशाद भाई के घर गया था। दोनों की कुछ बातें भी हुई थीं। भाई जब काम पर चला जाता था तब ऐसा होता था। इरफान के मुताबिक यह नहीं पता था कि नौशाद मेरे भाई की हत्या कर देगा। जिस समय घटना हुई इरफाना अपने घर पर ही थी। सवाल यह उठता है कि घायल होने के बाद वह पत्नी के पास न जाकर मां के घर गया।

बड़े गिरोह का भंडाफोड़, दो वर्षों में 500 लोगों की तस्करी कर चुका है गैंग

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस ने मानव तस्करी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक किशोर और दो नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया है। गिरोह के सदस्य रेलवे स्टेशनों पर कमजोर नाबालिगों और मजदूरों को निशाना बनाकर जम्मू-कश्मीर भेजते थे। वहां उन्हें बिना पैसे दिए घरेलू कार्य और बंधुआ मजदूरी कराई जाती थी। पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बताया कि किशोरों के लिए 20 हजार से 25 हजार जबकि लड़कियों के एवज में 60 हजार रुपये तक वसूलते थे। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी के अनुसार यह गिरोह दलालों और प्लेसमेंट एजेंटों के नेटवर्क के जरिये काम करता था। ये पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर गरीब और बेसहारा बच्चों और मजदूरों को बेहतर खानपान और रुपयों का लालच देकर फंसाते थे। पुलिस उपायुक्त स्वामी ने बताया कि गिरोह के सदस्य गांदरबल (जम्मू-कश्मीर) निवासी सलीम-उल-रेहमान उर्फ वसीम (38), बेगमपुर (दिल्ली) निवासी सूरज (31), रामपुर (उत्तर प्रदेश) निवासी मोहम्मद तालीब और बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) निवासी सतनाम सिंह उर्फ सरदार को गिरफ्तार किया गया है। सलीम पिछले दो वर्षों के दौरान 500 लोगों की तस्करी कर चुका है और प्रत्येक पीड़ित के बदले भारी कमीशन वसूला है। तालीब के पास से यूपी पुलिस के उप-निरीक्षक का फर्जी पहचान पत्र भी बरामद हुआ है। आरोपी इसका इस्तेमाल गिरफ्तारी से बचने और पीड़ितों की यात्रा को आसान बनाने के लिए करता था। उपायुक्त स्वामी ने बताया कि इस गिरोह का खुलासा उस समय हुआ जब भलस्वा डेरी थाने में 15 और 13 साल की दो लड़कियों के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई।

15 साल बाद सबसे अधिक वर्षा वाला महीना बना अगस्त, अब तक 22 दिन हुई बरसात

दिल्ली। दिल्ली में मानसून एक्सप्रेस ने रफ्तार पकड़ी हुई है। इस कारण अगस्त 15 साल बाद सबसे अधिक वर्षा वाला महीना बन गया है। इस साल अगस्त में अब तक 400.5 मिमी बारिश दर्ज हो चुकी है। इससे पहले वर्ष 2010 में 455.8 मिमी बारिश हुई थी। दिल्ली में मानसून की सक्रियता के कारण अगस्त के महीने में अब तक 22 दिन बरसात हो चुकी है। 28 अगस्त तक बारिश का आंकड़ा 336.8 मिमी था, शुक्रवार को सफदरजंग मानक केंद्र पर शाम साढ़े पांच बजे तक 63.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस कारण बारिश का आंकड़ा 400.5 मिमी तक पहुंच गया था। चूंकि अगस्त का महीना खत्म होने में दो दिन बाकी है और अभी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। बारिश का ऑल टाइम रिकॉर्ड वर्ष 1961 का है जब अगस्त में 583.3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। शुक्रवार को कई इलाकों में सुबह बारिश ने गुड मार्निंग की। कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। थोड़ी देर बाद ऑफिस जाने का समय होने के कारण कई इलाकों में लोग जलभराव में फंस गए। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति रही। शुक्रवार को सबसे अधिक 63.7 मिमी बारिश सफदरजंग मानक केंद्र पर रिकॉर्ड की गई। सुबह 11.30 बजे तक यहां 56.2 मिमी व दोपहर 2:30 बजे तक 007.2 मिमी व शाम साढ़े पांच बजे तक 000.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अभी मानसून सक्रिय है इस कारण चार सितंबर तक बारिश का यह दौर जारी रहेगा। आप ने शुक्रवार को भाजपा सरकार को घेरा। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कुछ देर की बारिश ने भाजपा सरकार की तैयारियों की पोल खोलकर रखकर दी। जगह-जगह जलभराव से दिल्लीवासी परेशान हैं और भाजपा की चार इंजन सरकार बेबस नजर आ रही है। अगर दिल्ली का यही हाल रखना है तो भाजपा अपने चारों इंजन कबाड़ी को बेचकर चार नाव खरीद ले। कम से कम दिल्लीवाले तो बारिश में सफर कर पाएंगे। उन्होंने पटपड़गंज, संगम विहार, लक्ष्मी नगर, एम्स, गीता कॉलोनी, संजय झील, साउथ दिल्ली और एमबी रोड पर हुए जलभराव की तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए कहा कि भाजपा अब झूठे दावे भी करना बंद कर चुकी है और सिर्फ मौसम के गुजरने का इंतजार कर रही है। मनीष सिसोदिया पटपड़गंज में सिर्फ स्कूल और दो-तीन स्विमिंग पूल बनवा पाए लेकिन भाजपा ने तो पूरे हाईवे को ही स्विमिंग पूल बना दिया। जलभराव की वजह से पुराने मकानों और दीवारों की नींव कमजोर हो रही है। मानसून में दीवारें और मकान गिरने से कई मौतें हो चुकी हैं। उन्होंने बसंत कुंज, निजामुद्दीन, मीठापुर और कालकाजी की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि सिर्फ इस बरसात में अब तक 35 से 40 लोगों की मौत हो चुकी है। आप सरकार के समय में जब राजेंद्र नगर में तीन छात्रों की मौत हुई थी तब भाजपा ने आसमान सिर पर उठा लिया था लेकिन अब इतने हादसों के बावजूद न भाजपा कुछ बोल रही है और न ही एलजी पीड़ित परिवारों से मिलने जा रहे हैं। यमुना चेतावनी के निशान से ऊपर बह रही है। शुक्रवार शाम 7 बजे जलस्तर पुराने रेलवे ब्रिज पर 204.55 मीटर रहा, जो चेतावनी स्तर 204.50 मीटर से थोड़ा ऊपर है। खतरे के स्तर 205.33 मीटर से नीचे होने से बाढ़ का जोखिम कम है। हथनीकुंड बैराज से 74,012 क्यूसेक और वजीराबाद बैराज से 32,650 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि ओखला बैराज से 40,216 क्यूसेक का डिस्चार्ज है। आज सुबह भी यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शनिवार रात 8 बजे तक जलस्तर 205.52 मीटर तक पहुंच सकता है। चेतावनी स्तर पार होने के बावजूद यमुना का जलस्तर शुक्रवार को पूरे दिन करीब स्थिर रहा। हथनीकुंड से छोड़ा गया पानी दिल्ली पहुंचने में करीब 48-50 घंटे लेता है।

लावारिस कुत्तों की नसबंदी करने वाला अभियान होगा तेज, शेल्टर होम के लिए आज किया जाएगा जमीन का सर्वे

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मद्देनजर एमसीडी ने राजधानी में लावारिस कुत्तों से लोगों को राहत दिलाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कुत्तों के नसबंदी अभियान और शेल्टर होम निर्माण की कमान अपने हाथों में ले ली है। वे शनिवार को एमसीडी के पांच नसबंदी केंद्रों का निरीक्षण करेंगी और उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा करेंगी। साथ ही, खतरनाक कुत्तों के लिए शेल्टर होम की स्थापना के लिए विभिन्न इलाकों में जमीन का सर्वे करेंगी। एमसीडी के पास फिलहाल 20 नसबंदी केंद्र हैं लेकिन इनमें से केवल 13 ही वर्तमान में सक्रिय हैं। इन केंद्रों की कार्यक्षमता और उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्वयं दौरा करने का निर्णय लिया है। दरअसल, सीमित संसाधनों और क्षमता के कारण नसबंदी का काम गति से नहीं हो पा रहा है जिससे कुत्तों की आबादी लगातार बढ़ रही है। दिल्लीवासियों की शिकायतें भी बढ़ रही हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर हमले से लेकर कॉलोनियों में झुंड बनाकर घूमने वाले लावारिस कुत्तों की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। एमसीडी के पास लावारिस और खतरनाक कुत्तों को रखने के लिए कोई स्थायी शेल्टर होम नहीं है। ऐसे में कोर्ट के आदेश के बाद पहली बार एमसीडी शेल्टर होम बनाने जा रही है। फिलहाल, पकड़े गए कुत्तों को अस्थायी व्यवस्थाओं में रखा जाता है लेकिन वहां देखभाल और नियंत्रण दोनों ही स्तर पर दिक्कतें आती रही हैं। कोर्ट के आदेश के तहत बनने वाले शेल्टर होम न केवल खतरनाक कुत्तों को सुरक्षित रखने का स्थान होंगे बल्कि वहां उनके लिए बेहतर देखभाल, इलाज और पुनर्वास की भी व्यवस्था की जाएगी। इससे एक ओर नागरिकों को राहत मिलेगी। स्थायी समिति ने कुत्तों की बढ़ती समस्या पर काबू पाने के लिए पहले ही उप समिति गठित कर रखी है। यह समिति स्थिति का अध्ययन कर सिफारिशें दे रही है ताकि लावारिस कुत्तों के प्रबंधन की नीति को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ध्यान में रखते हुए अब एमसीडी ने इस दिशा में ठोस और व्यापक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। सत्या शर्मा ने स्पष्ट किया है कि नसबंदी केंद्रों के दौरे के दौरान डॉक्टरों और स्टाफ की उपलब्धता, दवाओं और उपकरणों की स्थिति और प्रतिदिन हो रहे ऑपरेशनों की संख्या की बारीकी से जांच की जाएगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य सिर्फ आदेशों का पालन करना नहीं है बल्कि दिल्ली की जनता को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना भी है।

सिरसा ने जलवायु परिवर्तन पर राज्य के एक्शन प्लान की समीक्षा की

प्रथम पृष्ठ का शेष

मंत्री ने तकनीकी रूप से ठोस दिखने वाली योजनाओं में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाने पर ज़ोर दिया। परिवहन सत्र में निजी वाहन निर्भरता कम करने, स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन-बेड़े व चार्जिंग नेटवर्क बढ़ाने की रणनीति पर विचार हुआ। स्वास्थ्य प्रस्तुति में हीट अलर्ट प्रणाली और रोग निगरानी मज़बूत करने के कदम शामिल थे। साथ-साथ, वन व जैव-विविधता, कृषि-बागवानी और जल क्षेत्र पर भी चर्चा हुई—जिसमें वृक्षारोपण अभियानों, जल-निकाय पुनर्जीवन, भू-जल प्रबंधन और पानी की बचत वाले खेती के तरीकों को रेखांकित किया गया। यमुना कार्य-योजना, हीट एक्शन प्लान और वायु-प्रदूषण शमन योजना को पारस्परिक रूप से महत्त्वपूर्ण बताते हुए मंत्री ने प्रगति-निगरानी को पारदर्शी रखने के निर्देश दिए। अंत में सिरसा ने अधिकारियों से कहा कि संशोधित SAPCC और उसका कार्यान्वयन कार्यक्रम शीघ्र ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को अंतिम अनुमोदन हेतु भेजा जाए। उन्होंने दोहराया, दिल्ली को जलवायु-सुरक्षित बनाने के लिए हमें कल का इंतज़ार नहीं, आज ही निर्णायक कदम उठाने होंगे, ताकि हर दिल्लीवासी स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य पा सके।

डीपीसीसी सख्त, अवैध बोरवेल के खिलाफ होगी कार्रवाई

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। राजधानी में अवैध बोरवेल के जरिए भूजल दोहन को रोकने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने कड़ा रुख अपनाया है। विभाग ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को अवैध बोरवेलों पर कार्रवाई के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की जानकारी सौंपी है। कार्रवाई रिपोर्ट में डीपीसीसी ने अदालत को बताया कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को अवैध बोरवेल की पहचान करना, संबंधित एसडीएम को उसे सील करना और डीपीसीसी को पर्यावरणीय क्षति मुआवजा (ईडीसी) लगाना इसमें शामिल है। एनजीटी ने हाल ही में अवैध बोरवेलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके तहत डीपीसीसी ने अपनी एसओपी तैयार की है। इस एसओपी में अवैध बोरवेलों की पहचान, उनके खिलाफ कार्रवाई, और उन्हें सील करने की प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया है। डीपीसीसी ने यह भी सुनिश्चित किया है कि सभी जिला प्रशासनों और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई को प्रभावी बनाया जाए। एनजीटी ने एक मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लिया था। इसमें दावा किया गया है कि मयूर विहार में नोएडा लिंक रोड से सटे यमुना के किनारे बोरवेल के जरिए भूजल का कथित अवैध दोहन हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, डीपीसीसी ने 26 जून, 2025 को जिला मजिस्ट्रेट (पूर्व) को एक पत्र जारी किया, जिसमें उनसे मामले की जांच करने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, राजस्व कार्यालय को बोरवेल की जानकारी जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के लिए कहा, ताकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार उपयुक्त पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाई जा सके। वहीं, केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) ने 27 मई, 2025 के निर्देशों के तहत एक मीडिया रिपोर्ट में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए डीजेबी, केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी), डीपीसीसी, सीपीसीबी, डीएम (पूर्व) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के प्रतिनिधियों वाली एक समिति गठित की है। इसके अलावा, सीजीडब्ल्यूए ने संबंधित विभागों को इस संयुक्त समिति के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने का निर्देश दिया है। इसमें डीजेबी संयुक्त समिति की नोडल एजेंसी होगी। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के मुख्य सचिव ने 12 जून 2020 को नगर निगम अधिकारियों, दिल्ली जल बोर्ड, डीपीसीसी और दिल्ली के जिलाधिकारियों के साथ एक बैठक की थी।

NAME CHANGE
I, Shailendra S/o Bhagwati Prasad, resident of B-57, Ram Dutt Enclave, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to Shailendra Kumar for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I ASHISH TANWER S/O SURENDRA TANWER R/O 55, MANAV SEWA SAMITI, TAHIRPUR, NEW SEEMAPURI, EAST DELHI, JHILMIL, DELHI-110095 declare that name of mine, my minor dauhger and my wife have been wrongly written as ASHISH, ANJLINA and NISHA in my minor daughter namely ANJINA TANWER aged 14 years in her school record. The actual name of mine, my minor daughter and my wife are ASHISH TANWER, ANJINA TANWER and NISHA TANWER respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NISHA W/O AKASH DEEP R/O FG-1/14B, FIRST FLOOR, VIKAS PURI, DELHI-110018, I have changed my name from NISHA MAHAVAR TO NISHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I,Himanshu S/o Rajeev H/O A-26 Gali No -2 Madhu Vihar, Hasan Pur Delhi-110092 , I have changed my name to Himanshu Girdhar permanently

NAME CHANGE
I,AJAY KUMAR YADAV S/O AJUN SINGH H/o 656 JAWAHAR COLONY FARIDABAD SECTOR 22 HARYANA 121005 ,I have changed my name to Ajay yadav permanently

NAME CHANGE
I, RITA DEVI W/O MUKESH KUMAR R/O HOUSE NO 15A , F Pocket Maroda Sector , Bhilai , Civic Centre Bhilai , Durg , Chhattisgarh- 490006. I have changed my name from RITA KUNWAR TO RITA DEVI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Sachin Kumar Shrivastava S/O Ashok Kumar Shrivastava, R/O D-27/B Rama Vihar, 3rd Floor, Gali No-11, Rama Vihar, Karala, North West Delhi, Delhi - 110081,have changed the name of my minor son Sameer Shrivastava aged 12 years and he shall hereafter be known as KARAN SHRIVASTAVA

NAME CHANGE
I, MAYA W/O LATE SH. CHANDAN SINGH R/O B-43-B, NEW DDA FLAT, ROAD NO.77, PASCHIM PURI, PASCHIM VIHAR, WEST DELHI, DELHI-110063, have changed my Name from MAYA (old Name) to MAYA KADAKOTTY (new name)for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री अवनीश गुप्ता एवं श्रीमती रेखा गुप्ता संपत्ति संख्या 1235ट/10, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, जो कि खसरा संख्या 93 गोविंदपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है, को श्री रमेश कुमार से खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री मान सिंह थे, जिन्होंने संपूर्ण संपत्ति को श्री पिर्थी से, श्री राम दास के सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से, दिनांक 14.03.1961 की एक उर्दू बिक्री विलेख (साथ में अंग्रेज़ी अनुवाद) द्वारा क्रय किया था। तत्पश्चात, उन्होंने उक्त संपत्ति को श्री बलबीर सिंह, श्रीमती धर्मो देवी, श्री मनोहर लाल एवं श्रीमती सुहाग रानी को विक्रय अनुबंध दिनांक 24.11.1961, के माध्यम से हस्तांतरित कर दी। इसके उपरांत, स्व. श्री बलबीर सिंह का 03.03.2013 को निधन हो गया, जिनके पीछे उनके वैधानिक वारिस निम्नलिखित हैं श्री रमेश कुमार (पुत्र), श्रीमती रेनुका धीमान (पुत्री), श्रीमती शीला (पुत्री), श्रीमती सुदेश (पुत्री) (जैसा कि दिनांक 22.04.2025 के जीवित सदस्य प्रमाण पत्र में दर्ज है)। एवं स्व. श्रीमती धर्मो देवी का 21.10.2016 को निधन हो गया तथा स्व. श्री मनोहर लाल एवं स्व. श्रीमती सुहाग रानी का भी निधन हो चुका है। तत्पश्चात, श्रीमती रेनुका धीमान, श्रीमती सुदेश एवं श्रीमती शीला ने अपनी-अपनी हिस्सेदारी श्री रमेश कुमार के पक्ष में 01.05.2025 की परित्याग विलेख के माध्यम से त्याग दी। अतः, श्री रमेश कुमार अब उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी हैं, जो कि किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, ऋण, देनदारियाँ अथवा दावों से पूर्णतः मुक्त है। उक्त संपत्ति वर्तमान में आरबीएल बैंक, पीतमपुरा शाखा, नई दिल्ली से वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shahajad S/O AHASAN ILAHI, R/O MOHALLA BADZIYAUL HAQ, Deoband, Saharanpur, Uttar Pradesh - 247554, have changed my name and shall hereafter be known as Arsh Rana.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHWETA KUMAR W/O NEERAJ KUMAR R/O T-3-2102, GODREJ WOODS, SECTOR-43, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201303 have changed my name and shall hereafter be known as SHWETTA BALI BABBAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, VIDHYA DEVI wife of No.-4200445P, Rank-HAV, Name-BHUPENDRA SINGH residing at VPO-DHUNGATOLI, TEHSIL-DHARCHULA, DIST-PITHORAGARH, UTTARAKHAND-262576, have changed my name from VIDHYA DEVI to VIDYA CHAISIR for all future purposes vide Affidavit dated 01/09/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, SUNITA PANDEY Wife of No-14655108L Rank-HAV, Name-SATISH KUMAR PANDEY presently residing VILL-RUDRANAGAR, PO-KAROUND, TEHSIL-HUZUR, DIST-BHOPAL, MADHYA PRADESH-462038, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 21/06/1986 instead of my correct date of birth as 06/12/1987 vide affidavit dated 01/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Shilpy Agarwal W/O Bharat Aggarwal R/O 61 Upper Ground Floor Jagriti Enclave Phase-3, Laxmi Nagar-110092 Have changed my name to Shilpy Aggarwal for all the future purposes.

PUBLIC NOTICE
This is to inform all stakeholders and the general public that Rishabh Tanwar intends to surrender its SEBI registration certificate as an Research Analyst, bearing Registration Number: INH100009293 and BSE RA Enlistment Number: 5535 If any person or entity has any grievances or objections regarding this surrender, they are requested to lodge their complaints or grievances on the SEBI Complaints Redress System (SCORES) portal at https://scores.gov.in/ within 30 days from the date of this notice. This notice is issued in compliance with SEBI regulations governing Research Analyst.

NAME CHANGE
I hitherto known as ACHAL D/o AMAR KUMAR R/o P-14, Pillanji Village, Sarojini Nagar, Delhi-110023 have changed my name and shall hereafter be known as ACHAL .

NAME CHANGE
I hitherto known as Kamlesh Chaudhary W/o Shri Mahesh Kumar R/o Bihari Kunj KD-13, Kavi Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Kamlesh Agarwal.

NAME CHANGE
I, Salman s/o Wasiuddin R/o T-3002nd Floor Ahata Kidara, Idgah Road, Delhi-110006, have changed my name to Salman Qureshi permanently

NAME CHANGE
I, Salman s/o Wasiuddin R/o T-3002nd Floor Ahata Kidara, Idgah Road, Delhi-110006, have changed my minor son's name from Mohamad Hassan to Mohd Hassan permanently

NAME CHANGE
I, Pramod Negi s/o Umed Singh Negi R/o Plot No.B-5, 3rd Floor, front Side, (LHS) Khasra No..57/16, Block-B, Shakti Vihar, Mohan Garden, Delhi-110059, have changed my name to Pramod Singh Negi permanently

NAME CHANGE
I, Nashim w/o Shakeel Ahmad R/o H.NO.C-59, 3rd Floor, Gali No.7, Brahampuri, Seelampur, Delhi-110053, have changed my name to Nasim Permanently.

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Smt. Seema Devi has agreed to create mortgage the described property in favour of My client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi Laxmi Nagar Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Nirankar have agreed to sell their property "Plot No. 04, Area measuring 50 Sq. Yds., Out of Khasra No. 431, Situated at Village Tilapta Karanvas, Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P." Hence any other co-sharer(s)/or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.
Dated : 01-09-2025
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD IRFAN S/o NOOR MOHAMMAD R/o H.No. C-38, Street No. 6, Jyoti Colony, Shahdara, East Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as MD IRFAN and FARIDA in my minor daughter namely TAMANNA KHAN aged 15 years in her Birth Certificate Registration No. MCDOLR10165410, and name of my wife has been wrongly written as FARIDA in her School Records. The actual name of mine and my wife are MOHD IRFAN and FARIDA BEGUM respectively.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD IRFAN S/o NOOR MOHAMMAD R/o H.No. C-38, Street No. 6, Jyoti Colony, Shahdara, East Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as MD IRFAN and FARIDA in my minor daughter namely TANZEELA KHAN aged 13 years in her Birth Certificate Registration No. MCDOLIR-0111-004975955, and name of my wife has been wrongly written as FARIDA in her School Records. The actual name of mine and my wife are MOHD IRFAN and FARIDA BEGUM respectively.

NAME CHANGE
I, DHEERAJ S/O RIKHAB CHAND MEHTA resident of FLAT NO A-534, MODERN APARTMENT, SECTOR-15,ROHINI DELHI-110085 . have changed my name to DHEERAJ MEHTA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SARBJEET SINGH S/o SHRI HARBHAJAN SINGH R/o H.NO.57/A, GALI NO.2, GARHWALI MOHALLA LAXMI NAGAR DELHI-110092 have changed my name from SARABJIT SINGH KHERA to SARBJEET SINGH and my corfect Date of birth is 15/06/1970. That SARBJEET SINGH & SARABJIT SINGH KHERA are one and the same person name.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, AMBALIKA W/O SHAKTI SINGH R/O A-36 BEHIND GURUDWARA SULTANPUR MEHRAULI SOUTH DELHI, DELHI-110030 declare that name of mine has been wrongly written as AMBALIKA alias SARITA in my minor daughter HEENA SINGH aged 14 years in her birth certificate 45534. The actual name of mine is AMBALIKA, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि हमारी मुवक्किल, श्रीमती गीता पत्नी श्री मुलायम सिंह उर्फ श्री मुलायम सिंह यादव, एक आवासीय निर्मित मकान की स्वामिनी हैं, जो कि प्लॉट संख्या 5, क्षेत्रफल 1800 वर्ग फीट (अर्थात् 167.286 वर्ग मीटर), जो कि खासरा संख्या 112 (नगर निगम भवन संख्या 05/ख.सं. 112) का भाग है, में स्थित है। यह संपत्ति ग्राम हासेमऊ, वार्ड-भरवारा मल्हौर, परगना, तहसील एवं जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश में स्थित है। श्री मुलायम सिंह यादव ने उक्त संपत्ति को श्री केशन से बिक्री विलेख (सेल डीड) दिनांक 18.01.2008 के माध्यम से खरीदा था। तत्पश्चात उन्होंने दिनांक 19.11.2024 को एक उपहार विलेख (गिफ्ट डीड) के माध्यम से उक्त संपत्ति अपनी पत्नी श्रीमती गीता के पक्ष में स्थानांतरित कर दी। यह संपत्ति शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक, लखनऊ शाखा से वित्तपोषित (फाइनेंस) है। हालांकि, निम्नलिखित मूल अभिलेख (चेन डाक्युमेंट) गुम हो गया है- मूल बिक्री विलेख दिनांक 18.01.2008, जो दस्तावेज़ संख्या 513, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 7193, पृष्ठ संख्या 321-340 में पंजीकृत था, एवं दिनांक 18.01.2008 को उप-पंजीयक कार्यालय-द्वितीय, लखनऊ में पंजीकृत किया गया था। इस संबंध में एक ऑनलाइन प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) संख्या 20240000936986 / 28.11.2024, दिनांक 28.11.2024 को पुलिस कंप्यूटर सेंटर, तकनीकी सेवा मुख्यालय, लखनऊ में दर्ज कराई गई है। यदि आपको इस संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो तो कृपया निकटतम पुलिस स्टेशन या संबंधित व्यक्ति से संपर्क करें। यदि किसी व्यक्ति(यों) को विषय संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से और ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। अन्यथा, उपरोक्त के अनुसार दावा को विषय संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, hitherto known as KM. SATISH KUMARI Alias SATESH SIROHI W/O SATISH SIROHI D/O VIR PAL SINGH R/O A-8/1, GARIMA GARDEN, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 have changed my name and shall hereafter be known as SATESH SIROHI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MANOJ KUMAR S/o OM PRAKASH SHARMA, R/o S.K.-53, Sindhora Kalan, Chowki No.-2, Near Lilawati School, Shakti Nagar, Ashok Vihar H.O, North West Delhi, Delhi-110052, declare that name of mine, my wife and my minor daughter have been wrongly written as MANOJ SHARMA, SANGEETA SHARMA and VAISHNAVI SHARMA in my minor daughter namely VAISHNAVI aged 14 years in her School Records, and name of mine has been wrongly written as MANOJ SHARMA in her Birth Certificate Registration No. MCDOLIR-0111-004701137. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are MANOJ KUMAR, SANGEETA and VAISHNAVI respectively.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Ramavtar S/O Kamta Prasad R/O M-14, D L F, Ankur Vihar, Loni Dehat Ghaziabad Uttar Pradesh -201102, declared that name of my wife has been wrongly written as Seema in my service record. The actual name of my wife is Madhu Kumari

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that I Riyajuddin S/o Hukum Din and Shah Jahan W/o Riyajuddin R/o 19/1, Shankar Vihar, Phase-3, VTC: New Palam Vihar, PO: Carterpuri, District: Gurgaon, Haryana-122017, have disowned and disinherited Our son Feroz Khan and his wife Ruby from all the properties moveable and immovable, whatsoever and wheresoever situated and also severed all their relations, social and economical, with them. Anybody dealing with my son or his wife shall be at his risks and We shall not be responsible for that.
(Riyajuddin and Shah Jahan)

Lost & Found
MY COMPLETE CHAIN DOCUMENTS OF PROPERTY BEARING NO. WZ-101A, AREA MEASURING 50 SQ. YARDS, SITUATED AT BACK OF PURANI HAVELI WALI GALI, BASAI DARAPUR, RAMESH NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110015 HAS BEEN LOST ON 01-07-2025 (03:15 P.M.) AT BASAI DARAPUR, RAMESH NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110015. IF ANY ONE FOUND IT, PLEASE CONTACT ME AT MOBILE NO. 8851852669. E-MAIL ID: chandrashekharwz100@gmail.com (MR. CHANDRA SHEKHAR R/O WZ-101A, SITUATED AT BACK OF PURANI HAVELI WALI GALI, BASAI DARAPUR, RAMESH NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110015).

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

माता का अपमान देश का अपमान, कांग्रेस नेता माफ़ी मांगे : डॉ. आशा खेड़ड़

एजेंसी

हिसार। भारतीय संस्कृति में मां शब्द केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि भावना, श्रद्धा और संस्कारों का प्रतीक है। राष्ट्रीय इतिहास में आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि देश के प्रधानमंत्री और उनकी स्वर्गीय माता के लिए किसी राजनीतिक मंच से इस प्रकार की अमर्यादित और अपशब्दयुक्त भाषा का प्रयोग किया गया हो। यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेड़ड़ ने जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। डॉ. आशा खेड़ड़ ने कहा कि 27 अगस्त को बिहार के दरभंगा जिले में कांग्रेस की जनसभा में, राहुल गांधी सहित वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी स्वर्गीय माता के लिए भद्दे अपशब्दोंका प्रयोग किया गया। यह केवल प्रधानमंत्री का नहीं बल्कि पूरे देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति का अपमान किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकता। कांग्रेस नेतृत्व को तुरंत देश से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यह ओछी राजनीति लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंचाती है। भाजपा स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में मातृभूमि, मातृभाषा और मां के प्रति सम्मान सर्वोच्च है और इस पर आघात करने वाली हर सोच का विरोध किया जाएगा।

स्वामी राजेन्द्रानंद जी के उच्च विचार हमेशा प्रेरित करते रहेंगे: भव्य बिश्नोई

हिसार। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी भव्य बिश्नोई ने हरिद्वार में पूज्य ब्रह्मलीन गौ ऋषि महंत स्वामी राजेन्द्रानंद जीमहाराज की श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर गुरू श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भव्य बिश्नोई ने रविवार को कहा कि गौ ऋषि स्वामी राजेन्द्रानंद जी का पूरा जीवन मानवता के कल्याण, गौ उत्थान व गुरू जंभेश्वर भगवान के आदर्शों के प्रचार-प्रसार में बीता। मात्र 8 वर्ष की अल्प आयु में ही अपना पारिवारिक जीवन त्यागकर उन्होंने समाजसेवा को चुना, जो दर्शाता है कि वे कितने आध्यात्मिक संत थे। हमारे परिवार के प्रति उनका हमेशा अपार शुभ आशीर्वाद रहा। जब भी उनके भेंट होती थी जो गहरी आत्मिक शांति व ऊर्जा का अपार संचार होता था सदैव ही उनका आशीर्वाद और उनकी शिक्षाएं हमें प्रेरित करती रहेंगी। राजेन्द्रानंद महाराज का हृदयघात से अचानक निधन की सूचना जैसे ही पता चला तो 36 बिरादरी में उनके अनुयायियों को गहरा धक्का लगा। हमारे लिए तो उनका यूं जाना निजी क्षति है। भव्य ने कहा कि उन्हें भी कई बार उनका शुभ आशीर्वाद प्राप्त हुआ। एक बार स्वामी जी ने मुझसे कहा था कि 'बेटे अच्छा काम कर रहे हो, लेकिन याद रखना जीवन में कभी मायूस मत होना।

नारनौल में 'खेल युक्त, नशा मुक्त हरियाणा' थीम पर साइक्लोथॉन आयोजित

नारनौल। नशे के ख़िलाफ़ एकजुटता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ की ओर से भव्य साइक्लोथॉन रैली का आयोजन किया गया। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के उपलक्ष में मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल दिवस के समापन समारोह के अवसर पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने लघु सचिवालय से इस साइक्लोथोन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर जोश और उत्साह से लबरेज युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। 'खेल युक्त, नशा मुक्त हरियाणा' थीम के साथ यह साइक्लोथॉन लघु सचिवालय से शुरू होकर महावीर चौक, बस स्टैंड, गौशाला रोड, पुलिस लाइन, जैन भवन से वापस महावीर चौक होते हुए लघु सचिवालय में समाप्त हुई। इस रैली में सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्था, पुलिस तथा विभिन्न सरकारी विभागों ने भाग लिया। इस रैली का शहर में जगह-जगह पर भव्य स्वागत किया गया। पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव ने कहा कि नशे की इस बुराई के खिलाफ हम सबको एकजुटता से लड़ाई लड़नी होगी।

युवा पीढ़ी में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और समर्पण को देख गर्व की अनुभूति होती है : बड़ौली

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए खेल अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है जो हमारे शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बड़ौली ने सोनीपत के सेक्टर-4 स्थित हॉकी स्टेडियम में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी अपने आप में समाज के लिए हीरो होता है। यहां उन्होंने हॉकी के जादूगर पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर नमन किया और खिलाड़ियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। बड़ौली ने मेजर ध्यानचंद को युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार भी मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि इस वर्ष का थीम है -'एक घंटा, खेल के मैदान में'। उन्होंने कहा कि यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया-हिट इंडिया' विजन को साकार करने का मार्ग है।

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफ़ेसर असीम घोष ने गुरुद्वारा नाडा साहिब में मत्था टेका

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रोफ़ेसर असीम कुमार घोष ने अपनी पत्नी मित्रा घोष के साथ पंचकूला स्थित प्रसिद्ध गुरुद्वारा नाडा साहिब में मत्था टेका। राज्यपाल प्रोफ़ेसर घोष ने कहा कि ऐतिहासिक और पवित्र गुरुद्वारा नाडा साहिब के दर्शन करके उन्हें अत्यंत सम्मान और सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने गरीबों के उत्थान के लिए गुरुद्वारा प्रबंधन के प्रयासों की भी सराहना की।

राज्यपाल ने इस दौरान गरीब व जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। उन्होंने प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए गुरुद्वारे को हर संभव सहायता देने का वादा भी किया। राज्यपाल प्रोफ़ेसर घोष ने देश की सुरक्षा के लिए सिख समुदाय के साहस और सर्वोच्च बलिदान की सराहना की। गुरुद्वारा नाडा साहिब की प्रबंधन समिति ने इस अवसर पर राज्यपाल प्रोफ़ेसर असीम कुमार घोष और उनकी पत्नी श्रीमती मित्रा

घोष को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता, हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष जगदीश सिंह झिंडा, धार्मिक नेता बलजीत सिंह दादूवाल, गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्य स्वर्ण सिंह बंगा टिब्बा, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, गुरुद्वारे के मुख्य ग्रंथी जगजीत सिंह और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

पीएम की मां पर अभद्र टिप्पणी करना नारी शक्ति का अपमान : डा. पुष्पा तायल

एजेंसी

जींद। भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने कहा कि बिहार के दरभंगा में चुनावी सभा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा उनके सहयोगी दल के तेजस्वी यादव ने मंच सांझा किया था। उसी मंच पर पीएम नरेंद्र मोदी की स्व. मां को लेकर अभद्र टिप्पणी की गई। जिससे न केवल मातृशक्ति बल्कि देश की 140 करोड़ जनता की भावना आहत हुई है। कांग्रेस के मंच से ऐसी भाषा का प्रयोग घटिया मानसिकता को दर्शाता है। यह पीएम की स्व. मां का नही बल्कि भारत माता तथा हर महिला का अपमान है। कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए ऐसे हथकंडे अपना रही है। भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल लोक निर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग सम्मान के लिए पूर्व उप प्रधान मंत्री स्व. ताऊ देवीलाल को जाना जाता है। विकास के लिए पूर्व सीएम स्व. बंसीलाल को जाना जाता है। महिला सम्मान के लिए सीएम नायब सैनी को जाना जाएगा। उन्होंने महिलाओं को सम्मान देने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी तथा सीएम नायब सैनी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा 25 सितंबर से महिलाओं के सम्मान के लिए 2100 रुपये की योजना ली रही है। वहीं भाजपा संकल्प पत्र को गीता तरह मानता है।युवाओं को पारदर्शिता से नौकरी देने के बाद अब महिलाओं 2100 रुपये प्रति महिना सम्मान देने जा रही है। 23 से 60 साल की पात्र महिला को यह लाभ मिलेगा। योजना को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 25 सितंबर को लागू किया जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने पहले पंचायत चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। विस में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया।

हरियाणा के राज्यपाल ने मदर टेरेसा साकेत ऑर्थोपेडिक अस्पताल का दौरा किया

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने पंचकूला स्थित मदर टेरेसा साकेत ऑर्थोपेडिक अस्पताल का निरीक्षण किया। उनके साथ उनकी पत्नी मित्रा घोष भी उपस्थिति रही। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने विशेष रूप से हड्डी रोग उपचार, पुनर्वास और आघात प्रबंधन के क्षेत्र में रोगियों की देखभाल के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए अस्पताल प्रबंधन की सराहना की। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने अस्पताल में चिकित्सा उपकरणों, बुनियादी ढाँचे और विशेषज्ञ सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने अस्पताल प्रशासन कोआउटरीच कार्यक्रमों को और मज़बूत करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि समाज के वंचित वर्गों तक भी विशिष्ट हड्डी रोग की देखभाल पहुँच सके। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने अस्पताल प्रबंधन को समाज सेवा के उनके प्रयासों में राजभवन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के समर्पण की गहरी सराहना की।

बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर

एजेंसी

जींद। पिछले एक पखवाड़े से बारिश तथा बूंदाबांदी का सिलसिला जारी है। हरियाणा के साथ लगते पंजाब तथा हिमाचल में तो बारिश ने तबाही मचाई हुई है। ऐसे में बारिश को देखते हुए जींद प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। लघु सचिवालय में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया गया है। साथ ही बारिश को देखते हुए अनावश्यक घरों से बाहर न निकलने के लिए कहा गया है। इसे लेकर एडवाइजरी भी जारी कर दी गई है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बारिश को देखते हुए एडवाइजरी जारी कर जिलावासियों का आह्वान किया है कि वे अनावश्यक घरों से बाहर न निकलें ताकि वाहनों आदि के कारण कहीं जाम की स्थिति न बनें और वाहन भारी बारिश में कहीं पानी में न फंसे। जिला प्रशासन स्थिति पर पूरी तरह से नजर बनाए हुए है।

जरूरी हो तो तभी घर से बाहर जाएं : जिलावासी बिना किसी जरूरी कार्य के घरों से बाहर न निकलें। बेहद ही जरूरी कार्य हो तो ही बाहर जाएं। रविवार सुबह भारी बारिश हुई है। सभी ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति के मद्देनजर अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे पानी की निकासी के लिए निरंतर आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि बारिश के तुरंत बाद पानी निकासी में कुछ समय लगता है। इसीलिए सभी सहयोग करें और अनावश्यक घर से बाहर न निकलें।

लघु सचिवालय के कमरा नंबर 215 में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया: लघु सचिवालय के कमरा नंबर 215 में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित है। जिसका दूरभाष नंबर 01681 245206 हैं। जिसके नोडल अधिकारी जिला राजस्व अधिकारी राजकुमार हैं। जिनका मोबाइल नंबर 9034041552 है तथा ईमेल आईडी डीआरओजींद एट द रेट जी मेल डाट कॉम है। कंट्रोल रूम में शिफ्ट वाइस 24 घंटे कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ-साथ पानी निकासी के लिए जन स्वास्थ्य, सिंचाई विभाग की टीमें गठित है जो निरंतर क्षेत्र में एक्टिव हैं।

बरसात के बाद प्रदेश में छह हजार किलोमीटर सड़कों की होगी विशेष मरम्मत: रणवीर सिंह गंगवा

● दक्ष प्रजापति जिला स्तरीय सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

एजेंसी

नारनौल। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणवीर सिंह गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार राज्य में ढांचागत विकास को लगातार गति दे रही है। प्रदेश में सरकार ने इस वर्ष छह हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों की विशेष मरम्मत करने की मंजूरी दी है। बारिश रुकते ही इस पर कार्य शुरू हो जाएगा। रणवीर सिंह गंगवा कुम्हार (प्रजापति) समाज जिला महेन्द्रगढ़ द्वारा महाराज दक्ष प्रजापति की स्मृति में नूनी अव्वल (नारनौल) में आयोजित छठे जिला स्तरीय सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव तथा महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव भी मौजूद रहे।इस कार्यक्रम में समाज के मेधावी विद्यार्थियों जिन्होंने 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, नीट, पीएचडी सहित आर्मी, पुलिस एवं सिविल सेवा जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, उन्हें स्मृति चिन्ह, बैग एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भगत सिंह सरपंच बसई ने की। रणवीर सिंह गंगवा ने कहा कि प्रजापति समाज का योगदान इतिहास से लेकर वर्तमान तक अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहा है। आज का यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि समाज शिक्षा, संगठन और प्रगति के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही है हरियाणा सरकार ने पिछड़े समाज के युवाओं को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और खेलों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। सरकार ने बिना खर्ची बिना-पर्ची नौकरी दी है इससे युवाओं में भरोसा जगा है। इस मौके पर पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा, बीजेपी के जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव, जिला प्रमुख राकेश कुमार, चेयरपर्सन कमलेश सैनी, रिटायर्ड आईएएस आरएस वर्मा, जिला प्रधान प्रजापति समाज जोगेन्द्र सिंह राजोरा, सांता कुमार आर्य सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति व समाज के वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।

बारिश से फसल को हुए नुकसान का किया कृषि विभाग की टीम ने आंकलन

एजेंसी

जींद। उचाना व नरवाना क्षेत्र में हो रही बारिश से फसल को हुए नुकसान का आंकलन करने के लिए एसडीओ कृषि विभाग नरवाना सुनील दलाल की अगुवाई में संयुक्त टीम बनाई गई। टीम द्वारा उचाना, नरवाना खंड के विभिन्न गांवों का दौरा किया। एसडीओ दलाल ने जानकारी देते हुए बताया कि उचाना खंड के दुर्जनपुर, उदयपुर, नचार खेड़ा काकड़ोद, सुरबरा, मंगलपुर, डोहाना खेड़ा, बडऩपुर, नरवाना ग्रामीण धरौदी, कर्मगढ़, ईस्माइलपुर, फरैन कलां, फैरन खुर्द, अमरगढ़, नेहरा, कलौदा खुर्द, कलौदा कलां, दनौदा कलां, दनौदा खुर्द गांव का दौरा किया। अधिक बारिश के कारण जलभराव खेत में होने से कपास की फसल में अधिक नुकसान हुआ है। किसानों से अपील है कि जिन किसानों ने फसल बीमा योजना के तहत अपनी कपास, बाजरा का बीमा करवाया है वे टोल फ्री नंबर 14447 पर अपने नुकसान के बारे में शिकायत दर्ज करवाएं ताकि जो फसल खराब हुई है, उसका कलेम मिल सकें। जिन किसानों ने बीमा नहीं करवाया है वो क्षतिपूर्ति पोर्टल खुलने पर अपना पंजीकरण करवाए। इस मौके पर खंड उचाना कृषि अधिकारी डा. सुरेंद्र मोर, तकनीकि सहायक नरवाना डा. वीरेंद्र बूरा मौजूद रहे।

जन-जन से जुड़ने का सशक्त और प्रभावी माध्यम बना 'मन की बात' कार्यक्रम : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता तथा कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने वृंदा अपार्टमेंट न्यू कॉलोनी पलवल में कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ भारत देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 125 वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया। 'मन की बात' कार्यक्रम श्रवण उपरांत खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम में अपनी मेहनत से देशहित में योगदान देने वाले नागरिकों के अनुभवों को साझा करते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है। 'मन की बात' कार्यक्रम को जनसंचार के क्षेत्र में एक अनूठी पहल माना जाता है। इस कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री सीधे नागरिकों से संवाद करते हैं और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों, सामाजिक विकास, नवाचार और प्रेरणादायक कहानियों को साझा करते हैं। इसका उद्देश्य न केवल सरकार और जनता के बीच दूरी कम करना है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम आज जन-जन से जुडने् का सशक्त और प्रभावी माध्यम बन गया है।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 'वोकल फॉर लोकल' को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री ने आज के 'मन की बात' कार्यक्रम में भी किया है। 'वोकल फॉर लोकल' अभियान के मूल में यही विचार है कि यदि देश के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा तो छोटे-छोटे उद्यमियों का विकास होगा और धीरे-धीरे उनके उत्पाद वैश्विक बनते जाएंगे, जिससे 'लोकल फॉर ग्लोबल' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों का विकास और प्रसार ही आत्मनिर्भरता के द्वार की मुख्य कुंजी है। उन्होंने लोगों से स्वदेशी बनाने और स्वदेशी उपयोग करने का आह्वान करते हुए 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में भारत की कला और परंपराएं वैश्विक मंच पर नई पहचान बना रही हैं और देश की सनातन संस्कृति भी आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और सभ्यता की गूंज अब पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विपिन बैंसला, एलडी वर्मा, प्रवीण ग्रोवर, सचिन ग्रोवर सहित अन्य कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बरसात बनने लगी आफत, पावर हाउस में घुसा पानी, बिजली सप्लाई बाधित

हिसार। जिले में पिछले दो तीन दिनों से रूक-रूककर हो रही बरसात ने अब कहर बरपाना शुरू कर दिया है। शनिवार को जहां दो स्थानों पर ड्रेन टूटने के मामले सामने आए वहीं दो स्थानों पर बिजली निगम के पावर हाउसों में पानी भर गया, एक दो स्थानों पर घरों की छतें गिर गई वहीं फसलें जलमग्न है। लगातार हो रही बरसात से स्थिति अब भयावह होती जा रही है वहीं मौसम विभाग ने अभी बरसात का सिलसिला जारी रहने का अनुमान जताया है। पिछले दो तीन दिनों से रूक-रूककर हो रही बरसात अब परेशानी का सबब बनने लगी है। लगातार बरसात के चलते प्रशासनिक व निगम अधिकारियों के जल निकासी के प्रबंध बेअसर नजर आ रहे हैं जिसके चलते ग्रामीण व शहरी क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। लगातार हो रहीबरसात से तापमान में गिरावट तो हुई है लेकिन इस बरसात ने किसान वर्ग की चिंता बढ़ा दी है। शहरी क्षेत्र पानी से लबालब है लोगों को फिर से वही जद्दोजहद करनी पड़ रही है।

कांग्रेस कानून-व्यवस्था पर सरकार का जवाब सुने बगैर सदन से भागी: अरविंद शर्मा

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को लेकर हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस ऐसे ऐसे तथ्य सामने लेकर आई जिसका कोई भी सिर पैर नहीं है । उन्होंने विधानसभा सत्र के दौरान कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर जमकर आरोप प्रत्यारोप लगाए लेकिन जब सुनाने की बारी आई तो विधानसभा को छोड़कर भाग गए । मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था को मुद्दा नहीं बनने दिया और कांग्रेस पार्टी के हर सवाल का जवाब विधानसभा में दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबान में झांक ले। अरविंद शर्मा मेजर ध्यानचंद की स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह में पहुंचे थे ।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग पर कांग्रेस पार्टी आरोप प्रत्यारोप लगा रही है । इस चुनाव आयोग के अधीन हुए चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने दो बार सरकार बनाई है । अब उनके लिए चुनाव आयोग गलत हो गया कांग्रेस पार्टी सिर्फ वही आवाज उठाती है जो उनके लिए सही हो बाकी बातों में मीन मेक निकालने का काम किया जाता है । उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि मुझे विधानसभा में इतने दिन हो गए लेकिन आज तक भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपने विधानसभा गढ़ी सांपला किलोई के लिए कोई भी बात नहीं उठाई है । उन्होंने कहा कि जिस तरह से बरसात के हालात हैं उसे पर हरियाणा सरकार हर स्थिति से निपटने के लिए नजर बनाए हुए हैं और मुख्यमंत्री हर दिन अधिकारियों से इस संबंध में फीडबैक ले रहे हैं। डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि 2036 के ओलंपिक की मेजबानी भारत को मिलेगी और जिस तरीके से हर ओलंपिक में हरियाणा के खिलाड़ियों का प्रदर्शन रहा है इस तरीके से आने वाले ओलंपिक खेलों में हरियाणा के खिलाड़ी देश का झंडा लहराएंगे । वही इस दौरान एक साइक्लोथॉन यात्रा का भी आयोजन किया गया जिसमें कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा व जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता ने खुद साइकिल चलाकर इस साइक्लोन यात्रा में भाग लिया ।

युवा अपनी ऊर्जा का सही दिशा में करें संचार: रामचंद्र जांगड़ा

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी के राव तुलाराम स्टेडियम परिसर से साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, कोसली के विधायक अनिल यादव व उपायुक्त अभिषेक मीणा ने मेजर ध्यान चंद के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की और युवा शक्ति को अपनी ऊर्जा का संचार सही दिशा में करने के लिए प्रेरित किया। साइक्लोथॉन की अगुवाई रेवाड़ी विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने की। राजयसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि साइक्लोथॉन यात्रा के माध्यम से शुरू किया गया खेल उत्सव सडक़ों पर गुजरते हुए हर युवा व आमजन को प्रेरणा देगा और खेलों के प्रति प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा कि महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यान चंद की जयंती के उपलक्ष्य में खेल दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद ऐसे खिलाड़ी थे जब वे खेलते थे तो पूरी दुनिया पूछती थी यह खिलाड़ी किस देश से है। उन्होंने कहा कि कोई भी युवा खेल की तरफ ध्यान देकर

अगर संकल्प ले तो वह युवा अपनी मेहनत से प्रतिभा दिखाकर मेजर ध्यानचंद जैसा दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बन सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस पर देश भर में एक घंटा खेल के मैदान में थीम के तहत तीन दिवसीय फिट इंडिया मिशन कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य लोगों को शारीरिक गतिविधि के प्रति जागरूक करना और खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि स्वच्छता युक्त वातावरण में नशा मुक्त रेवाड़ी बनाने में सभी मिलकर आगे बढ़ें। उन्होंने विभिन्न खेल स्पर्धाओं के प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया।

एयरटेल ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने कर रही एआई का इस्तेमाल

-खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर के लिए एआई एजेंट किए तैयार

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल अपने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रही है। कंपनी ने अपने 3.8 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के लिए खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर जैसी सेवाओं में काम आने वाले छह अलग-अलग एआई एजेंट तैयार किए हैं। पिछले 18 महीनों से एयरटेल एआई का परीक्षण कर रही थी और पिछले कुछ तिमाहियों में इसे अपने संचालन में शामिल किया है। ये छह एआई एजेंट कंपनी के एक्सटेल्फी नामक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के तहत काम करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि एयरटेल का उद्देश्य एआई को अपनी सभी संचालन प्रक्रियाओं का मुख्य हिस्सा बनाना है। इसके साथ ही एयरटेल थैंक्स ऐप को सभी ग्राहक सवालों और सेवाओं का मुख्य माध्यम बनाया जाएगा। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने कहा कि करीब छह महीने पहले एआई को संचालन का केंद्र बनाया गया है। इससे पहले कंपनी ने तीन हजार इंजीनियर और टेक्नोलॉजी स्टाफ का पुनर्गठन किया है।

कंपनी ने इसके ऊपर एक डेटा प्लेटफॉर्म तैयार किया है और इस पर छह एआई एजेंट- डेटा, खरीद, निर्माण, भुगतान, सेवा और चैनल प्लेटफॉर्म्स बनाए हैं। दूसरे अधिकारी ने बताया कि ये एआई एजेंट एक 'अमरीकृत एआई एजेंट' के तहत काम करेंगे, जो सभी ग्राहक सवालों का एक ही बिंदु होगा, बिल्कुल वैसे जैसे चैटजीपीटी या गिम्नी आज काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में एयरटेल थैंकस ऐप गूगल सर्च बार की तरह काम करेगा। ग्राहक किसी भी समस्या या खरीद के लिए सीधे पूछ सकेंगे, जैसे अंतरराष्ट्रीय रोमिंग प्लान। एआई एजेंट आपस में बात करेंगे और समाधान प्रस्तुत करेंगे। एयरटेल ने कुछ साल पहले अपने आईटी संचालन, जिसमें ऑपरेशंस और बिलिंग सपोर्ट शामिल थे, आईबीएम से इनसोर्स कर लिए थे।

एआई के आने के बाद कंपनी ने आईटी खर्च को अपने कुल राजस्व का सिर्फ 1.5 फीसदी कर दिया है, जबकि वैश्विक टेलिकॉम कंपनियों का औसत 5.5-6 फीसदी है।

सितंबर में अलग-अलग राज्यों में बंद रहेंगे बैंक, आरबीआई ने जारी की छुट्टियों की सूची

नई दिल्ली।

भारत में बैंक राष्ट्रीय अवकाश, सार्वजनिक छुट्टियों और त्योहारों पर बंद रहते हैं। अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर 2025 के लिए बैंक की छुट्टियों की सूची जारी की है। इस सूची में अलग-अलग राज्यों और शहरों में सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर के बैंक की छुट्टियों की डीटेल्स दी गई हैं।

आरबीआई के मुताबिक सितंबर 2025 में देश के कई हिस्सों में बैंक कुल 10 दिन बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में कर्म पूजा, पहला ओणम, ईद-ए-मिलाद, थिरुवोनम, इंद्रजात्रा, नवरात्र, महाराजा हरि सिंह का जन्मदिन, महासप्तमी और दुर्गा पूजा शामिल हैं।

सितंबर माह में राज्य के मुताबिक बैंक छुट्टियां इस प्रकार हैं। 3 सितंबर झारखंड में कर्म पूजा के अवसर पर बैंक बंद। 4 सितंबर को केरल में पहला ओणम उत्सव। 5 सितंबर गुजरात, मिज़ोरम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखंड, हैदराबाद, विजयवाड़ा, मणिपुर, जम्मू, यूपी, केरल, नई दिल्ली, झारखंड, जम्मू और श्रीनगर में ईद-ए-मिलाद और थिरुवोनम के कारण बैंक बंद रहेंगे।

वहीं 6 सितंबर को सिक्किम और छत्तीसगढ़ में ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उल-नबी)/इंद्रजात्रा।

12 सितंबर को जम्मू और श्रीनगर में ईद-ए-मिलाद-उल-नबी के अगले शुक्रवार के अवसर पर बैंक बंद। 22 सितंबर को राजस्थान में नवरात्र स्थापना। 23 सितंबर जम्मू और श्रीनगर में महाराजा हरि सिंह के जन्मदिन के अवसर पर बैंक बंद। 29 सितंबर को त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में महासप्तमी/दुर्गा पूजा। 30 सितंबर त्रिपुरा, ओडिशा, असम, मणिपुर, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में महाअष्टमी/दुर्गा अष्टमी/दुर्गा पूजा पर बैंक बंद रहेंगे।

स्थानीय शाखाओं या बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर राज्यवार छुट्टियों की पुष्टि करना बेहतर है, क्योंकि कुछ छुट्टियां क्षेत्रीय रूप से अलग हो सकती हैं।

बैंक बंद रहने पर भी नेट बैंकिंग की सुविधा से अपने खातों की जांच, पैसे ट्रांसफर और बिल भुगतान आसानी से घर से किया जा सकता है। कैश निकालने के लिए पास के एटीएम का इस्तेमाल किया जा सकता है और एटीएम में पैसे जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर लॉन्च

नई दिल्ली ।

टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर को लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 99,900 रुपये (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु और दिल्ली, पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत) रखी गई है। यह स्कूटर स्मार्ट, स्टाइलिश और सस्टेनेबल अर्बन कम्यूट के लिए खासतौर पर डिजाइन की गई है। नई टीवीएस ऑर्बिटर में 3.1 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 158 किमी की आईडीसी रेंज देने में सक्षम है। यानी रोजाना शहर में आने-जाने के लिए पेट्रोल स्कूटर को अलविदा कहने का वक्त आ गया है। लंबी बैटरी लाइफ और बेहतर परफॉर्मेंस इसे अपने सेगमेंट में खास बनाते हैं। इस ई-स्कूटर को कई ऐसे फीचर्स से लैस किया गया है, जो इसे प्रतियोगियों से अलग करते हैं। पहली बार किसी स्कूटर में 14-इंच का बड़ा फ्रंट व्हील दिया गया है, जिससे राइडिंग स्टेबिलिटी और कम्फर्ट बढ़ जाता है। इसके अलावा इसमें क्रूज कंट्रोल, हिल होल्ड असिस्ट और 34 लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज स्पेस जैसे एडवांस फीचर्स मौजूद हैं। टीवीएस ऑर्बिटर को स्मार्ट कनेक्टिविटी से भी लैस किया गया है। यह स्कूटर मोबाइल ऐप से कनेक्ट हो सकती है और इसमें जियो-फेंसिंग, टाइम-फेंसिंग, कॉलिजन अलर्ट, टॉइंग अलर्ट जैसी सुरक्षा सुविधाएं दी गई हैं। कॉल डिस्प्ले वाला कलर्ड एलसीडी क्लस्टर और यूएसबी 2.0 चार्जिंग पोर्ट इसे और भी प्रैक्टिकल बनाते हैं।

डिजाइन की बात करें तो इसमें लंबी 845एमएम फ्लैटफॉर्म सीट दी गई है, जिससे राइडर और पिलियन दोनों को बेहतर आराम मिलता है। 290एमएम का स्ट्रेट फुटबोर्ड और सीधी पोजिशनिंग इसे अर्बन राइड के लिए सुविधाजनक बनाते हैं। लुक्स की बात करें तो इसमें एलईडी हेडलैंप, एज-टू-एज फ्रंट लाइट्स और स्पोर्टी वाइजर दिया गया है। एयरोडायनामिक डिजाइन न केवल देखने में आकर्षक है बल्कि बैटरी की खपत को भी कम करता है और स्मूद परफॉर्मेंस देता है। कंपनी ने इसे 99,900 रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च करके ईवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर दी है।

महिंद्रा एक्सयूवी 700 का 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में महिंद्रा की फ्लैगशिप एसयूवी एक्सयूवी 700 पहले ही बड़ी लोकप्रियता हासिल कर चुकी है। महिंद्रा कंपनी इसका 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी में है। बीते दिनों इसका टेस्टिंग मॉडल कैमरे में नजर आया है, जिससे इसके डिजाइन और फीचर्स से जुड़ी कई अहम जानकारी सामने आई है। नई एक्सयूवी 700 फेसलिफ्ट में डिजाइन को और ज्यादा स्पोर्टी और मॉडर्न बनाने पर फोकस किया गया है। इसमें नया बंपर, अपडेटेड हेडलैंप्स और रिवाइज्ड टेल-लाइट्स देखने को मिलेंगी। साथ ही नए अलॉय व्हील्स और ताजगी भरे कलर ऑप्शन्स इसे और प्रीमियम बनाएंगे। एसयूवी का साइड प्रोफाइल लगभग वैसा ही रहेगा, लेकिन सूक्ष्म बदलाव इसे ज्यादा आकर्षक लुक देंगे। इंटीरियर को भी लग्जरी और टेक-फ्रेंडली बनाया जाएगा। इसमें महिंद्रा की ईवी लाइनअप से प्रेरित ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट मिलेगा, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इंफोटेनमेंट और कंट्रोल स्क्रीन शामिल होंगे। इसके अलावा वेंटीलेटेड सीट्स, एंबिएंट लाइटिंग, वायरलेस चार्जर, टाइप-सी यूएसबी पोर्ट्स, 360-डिग्री कैमरा और एडवांस्ड लेवल-2 अडास जैसी हाई-टेक सुविधाएं भी दी जाएंगी। पावरट्रेन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। एसयूवी पहले की तरह 2.0 लीटर एमस्टेलियन टर्बो पेट्रोल और 2.2 लीटर एमहॉक डीजल इंजन ऑप्शन्स में ही उपलब्ध रहेगी। दोनों इंजनों के साथ 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा। यानी परफॉर्मेंस और पावर के मामले में यह एसयूवी उतनी ही दमदार रहेगी जितनी अभी है। कंपनी 2026 की शुरुआत में इस फेसलिफ्ट मॉडल को लॉन्च कर सकती है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। आज सुबह वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव आज बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में आज सोने की कीमतें 1,04,800 रुपये, जबकि चांदी की कीमतें 1,24,00 रुपये के करीब बनी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव ऊपर आये हैं।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज सुबह बढ़त के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध आज 220 रुपये बढ़कर 1,04,044 रुपये पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,03,824 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 1,010 रुपये बढ़कर 1,04,834 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,05,937 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,04,044 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव आज 1,05,937 के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गये।

आज चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई और इसके भाव शीर्ष स्तर पर पहुंच गए। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 620 रुपये बढ़कर 1,22,493 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,21,873 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 2,169 रुपये बढ़कर 1,24,042 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। इस समय इसने 1,24,214 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,22,493 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। वहीं चांदी के वायदा भाव 1,24,214 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,517.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

इसका पिछला बंद भाव 3,516.10 डॉलर प्रति औंस था। एक समय यह 15 डॉलर की बढ़त के साथ ही 3,531.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कामकाज कर रहा था। दूसरी ओर कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 40.18 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 40.20 डॉलर था।

रुपया गिरावट पर बंद हुआ

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.20 पर बंद हुआ। आज विदेशी पूंजी की लगातार निकासी की वजह से निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर पड़ा है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया करीब 17 पैसे टूटकर 88.26 के स्तर पर आ गया। अब तक का सबसे निचला स्तर पिछले सप्ताह शक्रवार को रहा जब रुपया 88 का स्तर पार करते हुए 88.09 पर बंद हुआ था। वहीं, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 97.70 पर रहा।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 51.50 रुपए हुआ सस्ता, मार्च छोड़कर इस साल कई बार घटे दाम

नई दिल्ली। सितंबर का महीना ग्राहकों के लिए अच्छा रहेगा। खासकर उन लोगों के लिए जो होटलों, रेस्टोरेंट्स या अन्य व्यावसायिक कामों में एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं। तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में एक बार फिर कटौती की है। इस बार 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 51.50 रुपए की कमी की गई है। अब दिल्ली में इस सिलेंडर की कीमत 1580 रुपए हो गई है, जो कि पहले 1631.50 रुपए थी। यह नई दर 1 सितंबर से लागू हो चुकी है। हालांकि, आम घरेलू उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं दी गई है। 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इस साल कमर्शियल सिलेंडरों के दामों में जनवरी से लगातार राहत मिल रही है सिर्फ मार्च महीने को छोड़कर। जनवरी में 14.50 रुपए की कटौती हुई थी। फरवरी में 7 रुपए कम हुए। मार्च में 6 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी। इसके बाद अप्रैल में 41 रुपए की बड़ी कटौती की गई थी। मई में 14 रुपए और जून में 24 रुपए की कटौती की गई। जुलाई में ग्राहकों को सबसे बड़ी राहत मिली, जब 58.50 रुपए घटा दिए गए। अगस्त में भी 33.50 रुपए की कमी की गई थी और अब सितंबर की शुरुआत में ही राहत दी गई है। कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतें वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों, मुद्रा विनिमय दर और टैक्स स्ट्रक्चर जैसे कई कारकों पर निर्भर करती हैं। तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को इन दरों की समीक्षा करती हैं और फिर बदलाव करती हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली । देश में सोमवार को कुछ जगहों पर तेल की कीमतें बढ़ीं हैं जबकि कुछ जगहों पर कम हुई हैं। दुनिया भर के बाजारों में कच्चे चे तेल के दाम बढ़कर 68 डॉलर पहुंच गये। इससे देश भर में तेल की कीमतें भी प्रभावित हुई हैं। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर रहा। वहीं उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 27 पैसे कम हुईं। इससे ये 94.87 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल की कीमतें भी 25 पैसे कम हुई हैं और 87.82 रुपये लीटर पहुंच गयी हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 21 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.76 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 23 पैसे चढ़कर 87.52 रुपये लीटर बिक रहा है। इसके अलावा गुरुग्राम में पेट्रोल 17 पैसे बढ़त के साथ 94.57 रुपये लीटर जबकि डीजल 19 पैसे चढ़कर 87.76 रुपये लीटर पर पहुंच गया। दूसरी ओर कच्चे चे तेल में हल्की बढ़त रही। ब्रेंट क्रूड 67.40 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

शेसर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 554 , निफ्टी 198 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ ही बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में तेजी से बाजार उछला। अमेरिका की एक अपीलीय अदालत के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को गलत बताये जाने से भी निवेशकों में उत्साह है। अमेरिकी टैरिफ लगने के बावजूद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी रहने से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 554.84 अंक बढ़कर 80,364.49 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.20 अंक बढ़कर 24,625.05 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,098.10 अंक बढ़कर 56,825.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 271.10 अंक उछलकर 17,498.10 पर था।

वहीं सेक्टोरल आधार पर देखा जाये तो निफ्टी ऑटो , निफ्टी आईटी , निफ्टी मेटल , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसई में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया में ही गिरावट रही। सेंसेक्स पैक की बात करें तो एमएंडएम, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और एक्सिस बैंक टॉप के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं सन फार्मा, आईटीसी, एचयूएल, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी के शेयर गिरे।

बाजार जानकारों के अनुसार जीडीपी के आंकड़ों से अधिक बेहतर होने से भी बाजार को बल मिला। अमेरिकी टैरिफ के बढ़ने के बाद भी जीडीपी पर प्रभाव नहीं पड़ने से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। आज सुबह सेंसेक्स 79,828 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें बढ़त आई। सुबह यह 338.48 अंक करी 0.42 फीसदी बढ़कर 80,148.13 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी बढ़कर 24,432.70 पर खुला। इसके बाद ये खरीदारी के कारण 25,500 के ऊपर पहुंच गया। सुबह यह 77.85 अंक या 0.32 फीसदी उछलकर 24,519 पर कारोबार करता दिखा।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में गिरावट रही। जापान का निक्केई 225 0.92 फीसदी, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.85 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.17 फीसदी गिरा। दूसरी ओर चीन का शंघाई कंपोजिट 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ ऊपर आया। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में गिरावट रही। एसएंडपी 500 में 0.64 फीसदी की गिरावट रही जबकि नैस्डैक कंपोजिट में 1.15 फीसदी की कमी आई। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज भी 0.20 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 8,092.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 10,925.34 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेला

नईदिल्ली । अगस्त के महीने में भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में पहली बार एथर एनर्जी ने ओला इलेक्ट्रिक को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेल दिया। जानकारों के मुताबिक, बजाज की चेतक इलेक्ट्रिक और गोगो 3डब्ल्यू की प्रोडक्शन चीन से आई सप्लाई चेन की रुकावट से बुरी तरह प्रभावित हुई। रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी को लेकर कंपनी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगस्त उनके लिए जीरो मंथ साबित हो सकता है। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि सप्लाई जल्द सुधरेगी और बजाज अपनी पुरानी पोजिशन पर लौट आएगा। ओला इलेक्ट्रिक को अगस्त में एक तरफ पीएलआई स्कीम की मंजूरी मिली, जिससे कंपनी को 2028 तक 13-18प्रतिशत तक का इंसेंटिव मिलेगा, लेकिन दूसरी ओर मार्केट शेयर में गिरावट और ग्राहकों का घटता भरोसा अभी भी कंपनी के लिए चुनौती बना हुआ है। इसका असर इसके शेयर प्राइस पर भी दिखा, जो 76 रुपये से गिरकर 50.8 रुपये तक पहुंच गया। दूसरी ओर, एथर एनर्जी ने अप्रत्याशित छलांग लगाई। मई में लिस्टेड हुई कंपनी का जून तिमाही में रेवेन्यू 79 प्रतिशत बढ़कर 644.6 करोड़ रुपये पहुंच गया। घाटा भी घटकर 178.2 करोड़ रह गया, जो पिछले साल से कुछ बेहतर स्थिति है। इस ग्रोथ ने एथर को ओला के ऊपर पहुंचा दिया है। उद्योग में चिंता का बड़ा कारण रेयर अर्थ एलिमेंट्स की कमी बनी हुई है। ये मिनरल्स ईवी, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस सेक्टर के लिए बेहद अहम हैं। चीन की सप्लाई कर्ब्स ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यही वजह है कि ओला समेत कई कंपनियां अब रेयर अर्थ-फ्री मोटर्स पर काम कर रही हैं, ताकि चीन पर निर्भरता कम की जा सके। अगस्त का यह उतार-चढ़ाव बताता है कि ईवी मार्केट सिर्फ प्रतिस्पर्धा का नहीं बल्कि सप्लाई चेन प्रबंधन का भी खेल है।

अगस्त में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 59.3 पर, प्रोडक्शन में तेजी

जॉब जेनरेशन लगातार 18वें महीने मजबूत

नई दिल्ली।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने अगस्त में मजबूत ग्रोथ दर्ज की गई। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जुलाई के 59.1 से बढ़कर 59.3 हो गया। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। पीएमआई का यह स्तर बीते 17 साल और छह महीने में ऑपरेटिंग स्थिति में सबसे तेज सुधार को दिखाता है। सर्वे में शामिल कारोबार ने इनपुट स्टॉक्स में बढ़ोतरी की रिपोर्ट दी, जबकि फिनिश्ड प्रोडक्ट्स का इन्वेंटरी भी नौ महीनों में पहली बार बढ़ा। एचएसबीसी इंडिया प्रमुख प्रांजल भंडारी ने कहा, ÷अगस्त में भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई एक नई ऊंचाई पर पहुंचा, इसका कारण उत्पादन में तेज विस्तार है। अमेरिकी की ओर से भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी टैरिफ बढ़ाने से नई एक्सपोर्ट ऑर्डर्स की ग्रोथ में थोड़ी नरमी आई हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी खरीदार टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ऑर्डर देने से बच रहे हैं। नए ऑर्डर मजबूती से आते रहे, जुलाई की रफ्तार के बराबर- जो पिछले 57 महीनों में सबसे तेज थी। सबसे मजबूत बिक्री और प्रोडक्शन परफॉर्मेंस इंटरमीडियेट गुड्स कैटेगरी में देखा गया। इसके बाद कैपिटल गुड्स और फिर कंज्यूमर गुड्स का स्थान रहा। इंटरनेशनल ऑर्डर में ग्रोथ थोड़ी धीमी रही, जो पिछले पांच महीनों में सबसे कमजोर रही। कंपनियों ने एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका से नए काम हासिल करने की जानकारी दी।

जॉब जेनरेशन लगातार 18वें महीने मजबूत

कंपनियों ने अतिरिक्त सामग्री की खरीद तेज की और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई। वे आंशिक रूप से बिजनेस आउटलुक को लेकर सकारात्मक हैं। ग्रोथ रेट 16 महीने के हाई पर पहुंच गई, जो लॉन्ग टर्म औसत से काफी ऊपर है। इभारतीय मैन्युफैक्चरर अपनी वर्कफोर्स एक्सपेंशन जारी रखे हुए हैं। अगस्त में रोजगार 18वें लगातार महीने बढ़ा। हालांकि जॉब जेनरेशन नवंबर 2024 के बाद सबसे धीमी गति से हुआ, फिर भी यह ऐतिहासिक रूप से मजबूत बना रहा।

पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लांच

नईदिल्ली । भारतीय बाजार में रेनॉल्ट इंडिया ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च कर दिया है। नई रेनॉल्ट किगर का बेस वैरिएंट अथेंटिक अब पुराने आरएक्सई से सिर्फ 15,000 रुपये महंगा है, जबकि टॉप-स्पेक इमोशन वैरिएंट की कीमत पिछले मॉडल से केवल 6,000 रुपये ज्यादा है। कंपनी ने कीमतों में मामूली बढ़ोतरी की है, लेकिन फीचर्स और लुक्स के मामले में नई किगर को और ज्यादा आकर्षक व प्रीमियम बना दिया गया है। डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से नई किगर पहले से कहीं ज्यादा मॉडर्न और फ्रेश नजर आती है। एक्सटीरियर में नई ग्रिल, अपडेटेड बंपर, स्टाइलिश एलईडी डीआरएल और हेडलैंप दिए गए हैं, जो इसे और ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं। वहीं इंटीरियर में नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, प्रीमियम अपहोल्स्ट्री और बेहतर स्पेस मैनेजमेंट जोड़ा गया है। सेफ्टी के लिहाज से मल्टीपल एयरबैग्स, ईएसपी, हिल-स्टार्ट असिस्ट और रियर कैमरा जैसे फीचर्स मौजूद हैं। कंपनी ने इंजन ऑप्शन में कोई बदलाव नहीं किया है। इसमें 1.0-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड और 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल, एएमटी और सीवीटी गियरबॉक्स का विकल्प मिलता है। स्मूद ड्राइविंग और दमदार परफॉर्मेंस दोनों का ध्यान रखा गया है। बाजार में यह एसयूवी टाटा पंच, मारुति फ्रोंक्स और हुंडई एक्सटर जैसी गाड़ियों से टक्कर लेगी।

ट्रंप टैरिफ चुनौती के बीच अर्थव्यवस्था की ताकत बनता कृषि क्षेत्र

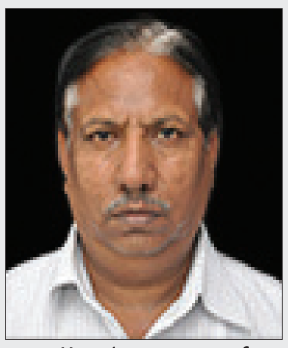

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

निर्यात के क्षेत्र में भी कृषि सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल अमेरिका और ट्रंप का निशाना हमारा कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र प्रमुखता से हैं। अमेरिका के आगे सरेण्डर होने के स्थान पर हमारी सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से निपटने का संकल्प लिया है यह अपने आप में बड़ी बात है।

ट्रंप के टैरिफ वार के दौरान ही 2025 वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के परिणाम इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाते है कि ट्रंप द्वारा हमारी अर्थव्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था करार देने के बावजूद चीन से भी हमारी जीडीपी विकास दर अधिक रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन एनएसओ द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार जीडीपी 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले एक साल यानी कि अप्रैल-जून 2024, जुलाई-सितंबर 2024, अक्टूबर-दिसंबर 2024 और जनवरी-मार्च 2025 की तुलना में भी अधिक है। सबसे खासबात यह है कि जीडीपी में बढ़ोतरी का श्रेय कृषि और सर्विस सेक्टर को जा रहा है। कृषि सेक्टर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अर्थ व्यवस्था का प्रमुख स्तंभ है और तेजी से विकसित होती भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निश्चित रुप से इसका श्रेय अन्नदाता को तो जाता ही है इसके साथ ही सरकार की किसानोन्मुखी और कृषिनोन्मुखी नीति को भी जाता है। कृषि और संबंध क्षेत्र जिसमें कृषि के साथ ही पशुपालन, वानिकी और मत्स्य पालन शामिल है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का 14 प्रतिशत योगदान है तो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से 50 प्रतिशत से अधिक लोगों की आजीविका एग्रीकल्चर सेक्टर पर आज भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने में कृषि क्षेत्र में भी पीछे नहीं रहने वाला है। देश में करीब 51 प्रतिशत यानी कि 159 मिलियन हैक्टेयर भूमि में खेती हो रही है। इसमें से 50 प्रतिशत से कुछ अधिक भूमि ही सिंचित है जबकि बहुत बड़ा क्षेत्र मानसून की मेहरबानी पर निर्भर है। यह एक सकारात्मकता है कि इस साल अभी तक मानसूनी बरसात औसत से अधिक और अच्छी बरसात हुई है। पिछले सालों में भी मानसून अनुकूल रहने से कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है।

कृषि और अन्नदाता की महत्ता को कोरोना काल ने बेहतर तरीके से समझा दिया है। कोरोना काल में कृषि सेक्टर ने दो तरह से सहभागिता निभाई। एक तो जहां सब कुछ लॉक डाउन की भेंट चढ़ रहा था यहां तक कि घर में कैद होकर रह गए थे तब भी कृषि सेक्टर अपनी प्रभावी भूमिका निभाता रहा वहीं दूसरी और अन्नदाता की मेहनत से देश

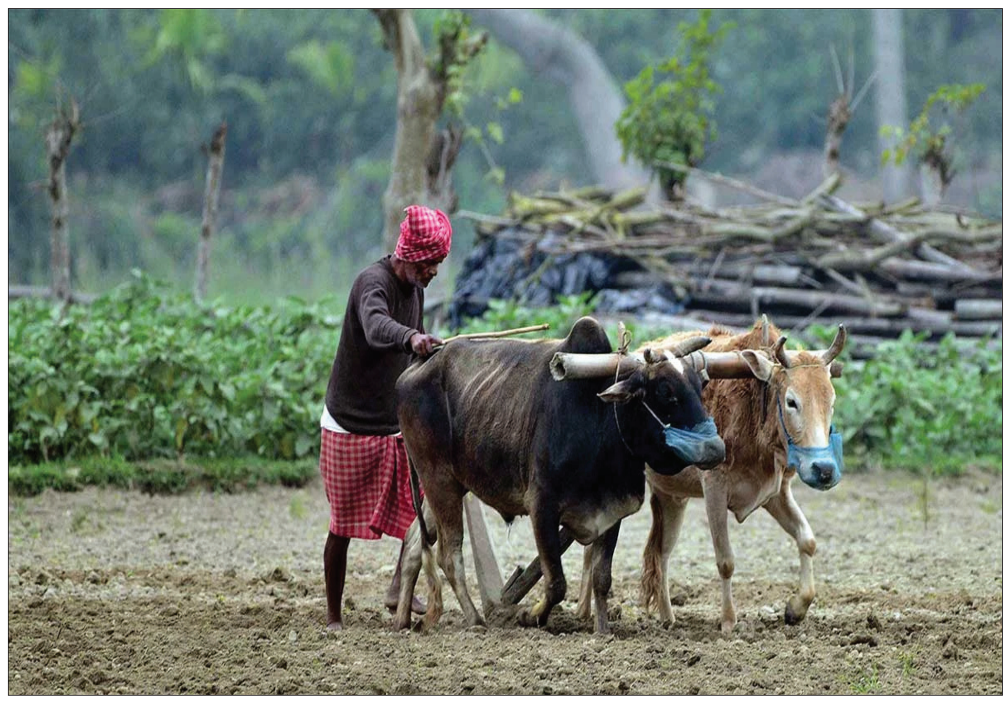

के गोदामों में भरे खाद्यान्नों के भण्डारों ने देश में खाद्यान्न की उपलब्धता बनाये रखी। आज भी करीब 80 करोड़ देशवासियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह अपने आप में बड़ी बात है। योजनाबद्ध तरीके से एक और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं वहीं खासतौर से दलहन-तिलहन में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी है। किसान सम्मान निधि किसानों के लिए बड़ा सहारा बनती जा रही हैं वहीं ब्याजमुक्त कृषि ऋण, केसीसी का बढ़ता दायरा और ई नाम मण्डी, प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा, स्टोरेज सुविधा बढ़ाने के साथ ही समय पर खाद-बीज आदि की उपलब्धता का प्रभाव सामने हैं। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार कृषि क्षेत्र की जीडीपी में भागीदारी 3.7 प्रतिशत रही है जबकि साल भर पहले यह 1.5 थी। ऐसे में यह अपने आप में आशा का संचार है। निर्यात के क्षेत्र में भी कृषि सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल अमेरिका और ट्रंप का निशाना हमारा कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र प्रमुखता से हैं। अमेरिका के आगे सरेण्डर होने के स्थान पर हमारी सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से निपटने का संकल्प लिया है यह अपने आप में बड़ी बात है। हो सकता है कि आने वाली तिमाही में ट्रंप टैरिफ का असर दिखाई दे पर जिस तरह से सरकार द्वारा वैकल्पिक प्रयास आरंभ किये जा रहे हैं उससे लगता है कि अर्थ व्यवस्था पर नकारात्मक असर नहीं होगा या होगा भी तो देश इससे निपटने को तैयार है। 50 प्रतिशत टैरिफ की चुनौती को आज समूचा देश निपटने को तैयार है। हालांकि ट्रंप ने सोचा था कि हम सरेण्डर कर देंगे, ड़र जाएंगे पर अब गीदड़ भभकी बेअसर होती देखकर ट्रंप की खीज अवश्य बढ़ने लगी है। पर यह नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप को अपने देश में ही अपनी तुगलकी नीति के कारण देर सवेर मुंह की खानी पड़ेगी। हालांकि अमेरिकी कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ निर्णय को अनुचित करार दे दिया है। आने वाले दिनों में इसके प्रभाव अमेरिका में और अधिक दिखाई देंगे क्योंकि हम और हमारी सरकार ट्रंप की चुनौती से निपटने के लिए मानसिक रुप से तैयार हो चुकी है।

खैर यह विषयांतर होगा। कहने का अर्थ है कि यह और आने वाले साल भी खेती-किसानी के लिए सकारात्मक ही होंगी। रबी के अच्छे परिणाम आये हैं। चालू खरीफ में अच्छे मानसून के चलते अच्छी बुवाई हुई है। बुवाई क्षेत्र बढ़ा है। सरकार भी बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। हालांकि यह कटु सत्य है कि ग्रामीण रहवासियों की आजीविका का प्रमुख माध्यम खेती ही है तो समूचे देश की खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी भी इसी क्षेत्र के पास है। अमेरिकी नीति के कारण निर्यात पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को भी अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर पूर्ति करने की बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही खेती किसानी की अपनी चुनौतियां बरकरार है। आज भी कुल कृषि उत्पादन का 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन फसलोत्तर सुविधाओं की कमी के कारण बर्बाद हो जाता है। कृषि जोत कम होती जा रही है। बढ़ते शहरीकरण का प्रभाव भी पड़ रहा है। कृषि क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज, परिवहन की कोल्ड चेन और भण्डारण की बेहतर व्यवस्थाओं की दरकार है। कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र और फूड पार्क जिस तरह से आकार लेने चाहिए थे वे ले नहीं पाये है। बीमा क्षेत्र में भी बहुत किया जाना अपेक्षित है तो कृषि उपज की खरीद व्यवस्था और एमएसपी खरीद को लेकर भी तेजी से काम किया जाना है। सरकार को एक बात समझनी चाहिए कि खेती क्षेत्र में जो भी सब्सिडी देय है उसे उत्पादकता से जोड़ा जाये यथा कृषि इनपुट या यों कहे कि खाद-बीज, कीटनाशक आदि के किट के रुप में उपलब्ध कराया जाये तो उसका लाभ अनुदानित राशि के स्थान पर इनपुट मिलने से उसका उपयोग खेती किसानी में ही होने से उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में ही होगा। इसी तरह से खरीद व्यवस्था में बहुत सुधार के बावजूद अभी भी बहुत करते हुए बिचौलियों को व्यवस्था से दूर करना होगा। खैर यह सब दीर्घकालीन सुधार कार्य है पर बेहतर जीडीपी प्रदर्शन और कृषि क्षेत्र की उल्लेखनीय हिस्सेदारी को प्रोत्साहित करते हुए सराहना की जानी चाहिए।

संपादकीय

जापान के साथ अहम संधि

जापान ने भारत में एक दशक में 10 हजार अरब येन (करीब 60 हजार करोड़ रुपये) के निवेश का लक्ष्य रखा है, और दोनों देशों ने महत्त्वपूर्ण खनिजों, रक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दस वर्षीय बड़ी रूपरेखा भी तैयार की है। दोनों पक्षों ने 13 प्रमुख समझौतों और दस्तावेज को अंतिम रूप दिया। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि जापान ने यह फैसला व्यापार और शुल्क पर अमेरिकी ट्रंप प्रशासन की नीतियों के चलते वैंकि पटल पर मची उथल-पुथल के बीच किया। भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैंकि साझेदारी के विस्तार की घोषणाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के बीच शिखर वार्ता के बाद की गई। प्रधानमंत्री मोदी दो देशों- जापान और चीन-की अपनी यात्रा के पहले चरण में जापान पहुंचे थे जहां जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ शिखर वार्ता हुई। शिखर वार्ता के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की 'निर्बाध और खुले हिन्द-प्रशांत' की अवधारणा और इस बाबत भारत की सोच में गहरा सामंजस्य है। 'विजन महासागर' और हिन्द-प्रशांत महासागरों की पहल से भारत की सोच मुखर होती है। दोनों देश शांतिपूर्ण, समृद्ध और स्थिर हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ मजबूत और व्यापक संबंध भी हैं। इसके चलते दोनों देशों को अपने साझा उद्देश्यों को अभिव्यक्ति देने के लिए हिन्द-प्रशांत देशों में से कुछ के साथ बहुपक्षीय प्रारूपों में संवाद करने में मदद मिलती है। बेशक, भारत और जापान ने अपनी विशेष रणनीतिक और वैंकि साझेदारी में एक नये और सुनहरे अध्याय की मजबूत नींव रखी है। दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं और जीवंत लोकतंत्र के रूप में भारत-जापान की साझेदारी न केवल इन दोनों के लिए, बल्कि वैंकि शांति और स्थिरता के लिए भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। मौजूदा वैंकि अस्थिरता के बरक्स जापान और भारत का परस्पर सहयोग बढ़ना इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि दोनों के बीच हुए समझौतों से इस तथ्य की तस्दीक होती है कि मजबूत लोकतंत्र बेहतर दुनिया को आकार देने में स्वाभाविक साझेदार होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इन दो प्रमुख एशियाई देशों की यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर भारत और अमेरिका के संबंधों में अचानक गिरावट आई है। ऐसे में जापान-भारत के बीच साझेदारी का फैसला बेशक, आस्त करने वाला है।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए।

भारत-चीन के संबंधों में सुधार का अमेरिका पर असर

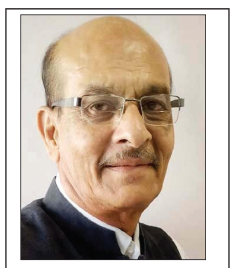

सनत जैन

भारत और चीन के बीच संघाई सहयोग संगठन की बैठक के बद रिश्तों में नरमी और संवाद बढ़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के ऊपर, टैरिफ और भारत के संबंधों पर जो दबाव बनाया जा रहा था। उसकी परिणति इसी रूप में होनी थी। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के सामने कोई विकल्प नहीं छोड़ा था। जिसके कारण चीन के साथ तमाम विरोधों के बावजूद भी भारत को अपने रिश्ते चीन के साथ सुधारने पड़ रहे हैं। भारत कावास्तविक नियंत्रण रेखा पर लंबे समय से चीन के साथ तनाव बना हुआ है। तनाव के बीच संबंधों का सुधारना एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। सीमा विवाद और गलवान घाटी जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच के अविश्वास को बढ़ा दिया था। भारत का चीन के साथ आयात निर्यात का असंतुलन भी दोनों देशों को असंतुलित बनाता है। अब बदली हुई परिस्थितियों में भारत और चीन के बीच की वार्ता से दोनों देश शांति, स्थिरता आर्थिक एवं सामरिक दिशा में आगे बढ़ने की पहल भारत ने अपनी तरफ से पहल कर दी है। चीन इस मामले में ईमानदारी के साथ भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा, तो वैश्विक स्तर पर चीन और भारत मिलकर एक नई महाशक्ति के रूप में उभर सकते हैं।

भारत के लिए चीन से संबंध सुधारना, केवल सीमावर्ती तनाव को घटाने के लिए नहीं है। बल्कि यह दोनों देश के विदेश नीति की बहु-आयामी रणनीति का हिस्सा भी बन सकता है। भारत जानता है, चीन वर्तमान में एक बड़ी आर्थिक शक्ति है। चीन की वैश्विक सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में सीमित स्तर पर ही सही, आपसी सहयोग, भारत और चीन को आर्थिक और कूटनीतिक लाभ वैश्विक स्तर पर मिल सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है, क्या भारत-चीन के संबंधों में सुधार का असर भारत-अमेरिका के संबंधों पर किस तरह से पड़ेगा? पिछले एक दशक में भारत और अमेरिका के रिश्ते अभूतपूर्व स्तर के थे। रक्षा, कारोबार, आपसी सहयोग, क्वाड समूह, प्रौद्योगिकी मे साझेदारी और निवेश को लेकर दोनों देशों के बीच गहरे संबंध बने थे। अमेरिका,भारत को एशिया में चीन के प्रभाव को संतुलित करने वाला अहम भागीदार मानता था। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से बने हैं। उसके बाद से ही अमेरिका और भारत के संबंधों में तनाव बनना शुरू हो गया। भारत और चीन के संबंध सामान्य होने पर अमेरिका के लिए एक बड़ी नई चुनौती होगी। अमेरिका, वर्तमान स्थिति में भारत ओर चीन के दबाव को कम करने के लिए नई चुनौतियां भारत और चीन के लिए पैदा करेगा। वर्तमान स्थिति में भारत की नीति स्पष्ट है। वह किसी एक ध्रुव पर झुकने के बजाय बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अपनी स्वतंत्र भूमिका को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। भारत अमेरिका से अपने संबंध को बनाए रखते हुए, रूस और चीन के साथ अपने संबंध और संवाद को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। अमेरिका को समझना होगा, भारत का चीन से संबंध सुधारना, अमेरिका के साथ संबंध बिगाड़ना नहीं है। बल्कि यह भारत की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। अमेरिका और भारत दोनों के हित संबंध सुधारनेमें हैं, भारत की भूमिका एशिया में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के साथ बनी रहेगी, तभी वैश्विक स्तर पर शांति बनी रह सकती है। चीन को नियंत्रित रखने के लिए भारत का मजबूत होना, विश्व शांति के लिए भी बहुत जरूरी है। भारत-चीन संबंधों में सुधार, भारत की विदेश नीति का संतुलन है। चीन और भारत के बीच सुधारते रिश्ते, अमेरिका- भारत के बीच संबंधों को कमजोर नहीं करेगा। अमेरिका को भारत के संबंध और भी बेहतर बनाने होंगे। भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपनी सामरिक एवं आर्थिक क्षमता के कारण अपनी शर्तों पर वैश्विक राजनीति मे अपना प्रभाव बनाने में सक्षम है। भारत हमेशा शांतिप्रिय तरीके से सभी देशों के साथ आर्थिक सामरिक एवं कूटनीति के संबंधों को बनाकर रखता है। भारत की विदेश नीति में विश्व कल्याण की भावना ही सर्वोपरि रहती है ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर रखते हुए भारत हमेशा अपने को निर्विवाद बनाकर रखता है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर जो चुनौतियां उभर कर सामने आ रही हैं। उसमें वैश्विक स्तर में भारत की भूमिका हर दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। अमेरिका को भारत के साथ बेहतर व्यवहार करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में जो खटास आई है। अमेरिका को समय रहते भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। अमेरिका भारत के साथ गुलामों की तरह व्यवहार नहीं कर सकता है। इस बात को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जितनी जल्दी समझ जाएं, उतना अच्छा होगा। दोनों देशों के साथ-साथ वैश्विक संतुलन बनाए रखने के लिए चीन-भारत और अमेरिका के बीच संबंध सामान्य हों। समय-समय पर जो बदलाव आते हैं, उसके अनुसार रिश्तो में भी बदलाव आता है। इस बात को अमेरिका, चीन और भारत को समझना होगा।

वित्तीय समावेशन : अतीत, वर्तमान, और भविष्य

अनिल गुप्ता

बहुत समय नहीं बीता जब केवल 35प्र. भारतीयों के पास ही औपचारिक रूप से बैंक खाता हुआ करता था और उनमें से भी महज 8प्र. ही औपचारिक ऋण की सुविधा लेते थे। ग्रामीण भारत की बुजुर्ग राजेश्वरी देवी जैसी अनगिनत महिलाओं को बैंक खाता खुलवाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। कम से कम एक बैंक खाते के साथ वित्तीय समावेशन प्राप्त करना भारत में बड़ी चुनौती रही है।

भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) 28 अगस्त, 2014 को शुरू किए जाने के बाद स्थिति नाटकीय रूप से बदल गई जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों को उचित दूरी के भीतर किफायती वित्तीय सेवाएं प्रदान करना था। 2025 तक भारत में बैंक खाता रखने वालों की तादाद बढ़ कर 90प्र. हो गई, जो 2011 के आंकड़े से दोगुने से भी अधिक है और 79प्र. के विश्वव्यापी औसत से बेहतर प्रदर्शन है।

विश्व बैंक ने बताया कि भारत ने छह वर्षों में अपने वित्तीय समावेशन लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया जिसमें अन्यथा 47 साल लगते। पीएमजेडीवाई के तहत 'मेरा

खाता, भाग्य विधाता' बैंकिंग सुविधाओं से वंचित आबादी के लिए वित्तीय स्वतंत्रता को सक्षम करने के लक्ष्य को दशार्ता है। जुलाई, 2025 तक 55.98 करोड़ खातों का आधार और 2.62 लाख करोड़ रुपये का लगातार बढ़ता जमा आधार, निम्न और मध्यम आय वर्ग (एलएमआई) को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाने में इस जन आंदोलन की सफलता को दशार्ता है। खास बात यह है कि 66.7प्र. लाभार्थी ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों से हैं, जो दूरदराज क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचने में पीएमजेडीवाई के व्यापक प्रभाव को रेखांकित करता है। लगभग 55.8प्र. पीएमजेडीवाई खाताधारक महिलाएं हैं, जो बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच में मौजूद लैंगिक अंतर को देखते हुए एक और उपलब्धि है।

जुलाई, 2025 तक प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत लगभग 23.60 करोड़ लोगों ने कुल मिला कर नामांकन किया था। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) में कुल 51 करोड़ मिलियन नामांकन हुए। 7.6 करोड़ लोगों ने सेवानिवृत्ति कोष बनाने के लिए अटल पेंशन योजना (एपीवाई) योजना में नामांकन किया। मार्च, 2025 तक वित्तविहीन लोगों को वित्त प्रदान करने की पहल के तहत बैंकों ने सूक्ष्म एवं छोटे व्यवसायों को कुल 32.6 लाख करोड़ रु पये के 52 करोड़ ऋण स्वीकृत किए। एमएससी के शोध से पता चलता है कि 67प्र. महिलाओं और 64प्र. पुरुषों ने मुख्य रूप से भविष्य के लिए बचत करने के लिए बैंक खाते खोले। बचत व्यवहार में बदलाव लोगों के लिए उन वित्तीय झटकों का प्रबंधन करने के लिए महत्त्वपूर्ण है जो एलएमआई परिवारों को गरीबी में धकेल देते हैं। पीएमजेडीवाई ने बचत को सक्षम किया, जबकि औपचारिक वित्तीय इतिहास के बिना लोगों को ऋण तक पहुंच प्रदान की। खाताधारक अब बचत पैटर्न दिखा सकते हैं, जो उन्हें वित्तीय संस्थानों से ऋण के लिए पात्र बनाता है। जन धन ने जन समृद्धि के लिए मंच तैयार किया है, जहां उपयोगकर्ता उपयुक्त और किफायती सेवाओं के साथ अपने वित्तीय स्वास्थ्य को बढ़ा सकते हैं। एमएससी का शोध दशार्ता है कि लोग अपने खातों का उपयोग एक या दो सेवाओं के लिए करते हैं। इस प्रकार, हमें प्रासंगिक समाधानों को संशोधित और/या विकसित करके जुड़ाव में सुधार करने के तरीके खोजने होंगे जो अनुरूप समाधान, स्पष्ट संचार, विश्वसनीय शिकायत प्रक्रियाओं और लचीले अंतिम ढांचे के साथ एलएमआई समूह की आकांक्षाओं संबोधित करते हैं।

भारत के फास्ट पेमेंट्स में एक वैश्विक लीडर के रूप में उभरने के कारण हमें डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपार अवसरों को अनलॉक करने के लिए अधिक पीएमजेडीवाई खाताधारकों को डिजिटल वित्तीय सेवाओं को अपनाने के लिए प्रयास करना चाहिए। अन्य संबंधित कार्यक्रमों के साथ तालमेल और स्थानीय एजेंसियों के साथ समन्वय, वंचित और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए डिजिटल अंतर को पाटने में मदद कर सकता है। सच्चा वित्तीय समावेशन सिर्फ पहुंच से परे है; यह सही उत्पादों और सेवाओं, उच्च सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करने और औपचारिक वित्तीय प्रणाली के साथ सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देने के बारे में है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए वित्तीय समावेशन की यात्रा कठिन है। पीएमजेडीवाई ने लाखों लोगों विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों को बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने और राजेश्वरी देवी जैसे लोगों के लिए अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करने के लिए सशक्त बनाया है, जो कतार में सबसे आखिर में हैं।

(अनिल गुप्ता माइक्रोसेव कंसल्टिंग में पार्टनर हैं, और सहलेखक अभिषेक कटारिया माइक्रोसेव कंसल्टिंग में प्रबंधक हैं। लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान की अदालत ने इमरान खान के भांजे शाहरेज को भेजा जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भांजे शाहरेज खान को नौ मई दंगों से जुड़े मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है। शाहरेज पर सेना अधिकारी के घर पर हमले का आरोप है। उनका कहना है कि वे उस दिन चितरल में थे और यह राजनीतिक साजिश है। अदालत ने पुलिस की 30 दिन की रिमांड की मांग ठुकरा दी। मानवाधिकार संगठनों ने गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है।

डिमेंशिया से पीड़ित राल्फ लेरॉय मेंज़ीज़ की फायरिंग स्क्वाड से होने वाली फांसी पर लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के यूटा में सुप्रीम कोर्ट ने डिमेंशिया से पीड़ित राल्फ लेरॉय मेंज़ीज़ की फायरिंग स्क्वाड से होने वाली फांसी पर रोक लगा दी है। 67 वर्षीय मेंज़ीज़ को 1986 में मौरीन हंसाकर की हत्या के लिए 5 सितंबर को फांसी दी जानी थी। उनके वकीलों ने तर्क दिया कि मेंज़ीज़ डिमेंशिया के कारण अपनी सजा को समझने में असमर्थ हैं और शारीरिक रूप से भी बेहद कमजोर हैं। 2019 में, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी मानसिक बीमारी से पीड़ित दोषियों की फांसी को अमानवीय बताते हुए रोका था। हंसाकर का शव अगवा होने के दो दिन बाद एक जंगल में मिला था।

90 फीसदी से अधिक अफगान लड़कियों की शिक्षा के समर्थक

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि 90 फीसदी से अधिक अफगान लोग लड़कियों की शिक्षा का समर्थन करते हैं, जबकि तालिबान अब भी माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध लगाए हुए है। रिपोर्ट 2,000 लोगों की राय पर आधारित है। यूएन महिला विभाग की सोफिया कॉलटॉर्प ने कहा कि अफगान परिवार अपनी बेटियों की पढ़ाई को लेकर दृढ़ हैं, पर प्रतिबंध मानसिक और स्वास्थ्य संकट बढ़ा रहे हैं। 97 फीसदी महिलाओं ने रोजगार प्रतिबंधों को विनाशकारी बताया। डब्ल्यूएचओ ने चेताया कि 22 मिलियन लोग मदद के मोहताज हैं, लेकिन ज़रूरी फंडिंग का केवल 24फीसदी ही मिला है।

कॉमिक–कॉन अफ्रीका : अंतरराष्ट्रीय सितारों के बीच कॉमिक बुक प्रेमी और कॉस्प्लेयर

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में छठे कॉमिक–कॉन अफ्रीका का आयोजन हुआ। यहां हजारों कॉमिक बुक प्रेमी और कॉस्प्लेयर पहुंचे। चार दिवसीय उत्सव के दौरान एनीमे, गेमिंग, कॉमिक्स और कॉस्प्ले से जुड़ी चीजों को प्रदर्शित किया गया। इसमें आर्केड गेम्स, ई–स्पोर्ट्स और कॉस्ट्यूम जैसी प्रतियोगिताएं भी शामिल रहीं। आयोजन निदेशक कार्ला मासमैन के अनुसार, रविवार तक 70,000 दर्शक पहुंचे। विविधता और एकता के प्रतीक इस आयोजन में जेसी टी. अशर, डैन फोगलर और मिशा कॉलिन्स जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी शरीक हुए। प्रशंसकों को पसंदीदा पात्रों की पोशाक पहनकर तस्वीरें खिंचवाते देखा गया। लोग एक–दूसरे के रचनात्मक कौशल की सराहना करते भी दिखे। दरअसल, यह आयोजन इसलिए चर्चा में रहा क्योंकि आमतौर पर कॉमिक–कॉन अफ्रीका सितंबर के अंत में आयोजित किया जाता है। हालांकि, इस साल जी–20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के कारण इसे अगस्त में ही कर दिया गया। बता दें कि इस वर्ष के अंत में जोहान्सबर्ग में ही जी20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित किया जाना है।

इस्राइल उत्तरी गाजा में मदद भेजना बंद कर सकता है

सैन्य आक्रमण बढ़ने के बीच इन विकल्पों पर मंथन

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल जल्द ही उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता को रोक देगा या उसे धीमा कर देगा। एक अधिकारी ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि इस्राइल ऐसा इसलिए कर सकता है, क्योंकि वह हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा है। यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है, जब एक दिन पहले ही गाजा सिटी को आधकारिक रूप से युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इस फैसले से इस्राइल सरकार की आलोचना और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि लगभग 23 महीने से जारी युद्ध में गाजा के लोगों और वहां बचे इस्राइली बंधकों की स्थिति को लेकर देश-विदेश में नाराजगी तेज हो रही है।

आने वाले दिनों में सहायता ट्रकों की संख्या घटाएगा इस्राइल

एक इस्राइली अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने बताया कि इस्राइल आने वाले दिनों में गाजा सिटी पर हवाई हमले बंद कर देगा और सहायता ट्रकों की संख्या घटा दी जाएगी। इसके साथ ही लाखों लोगों को दक्षिणी गाजा की ओर ले जाने की तैयारी हो रही है।

इस्राइल ने गाजा सिटी को बताया हमास का गढ़

इस्राइल ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को सहायता पहुंचाने के लिए दिन में लड़ाई रोक दी थी। इस्राइल ने गाजा सिटी को हमास का गढ़ बताते हुए दावा किया कि वहां अब भी भूमिगत सुरंगों का नेटवर्क सक्रिय है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगियों का कहना है कि इस्राइल की ये राहत व्यवस्था गाजा के लिए रोजाना जरूरी 600 ट्रकों की तुलना में बेहद कम है।

एक और बंधक के अवशेष मिले

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि शुक्रवार को गाजा में एक और बंधक के अवशेष मिले हैं। यह अवशेष इदान शितवी के हैं। कार्यालय के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद इदान का नोवा संगीत समारोह से अपहरण कर लिया गया था। 250 से ज्यादा बंधकों में से अब 48 ही गाजा में बचे हैं। इस्राइल का मानना है कि इनमें से 20 जिंदा हैं। बंधकों के परिजनों को डर है कि सैन्य कार्रवाई बढ़ने से उनकी जान और खतरे में पड़ सकती है। शनिवार को उन्होंने एक बार फिर तेल अवीव में युद्धविराम की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

बड़े पैमाने पर विस्थापन की आशंका

हाल के दिनों में, इस्राइली सेना ने गाजा सिटी के बाहरी इलाकों पर हमले तेज किए हैं, जहां हाल ही में वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने अकाल की स्थिति घोषित की थी। शनिवार तक कई दिनों से गाजा में कोई हवाई आपूर्ति नहीं हुई थी। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि इससे पहले लगभग रोजाना कुछ न कुछ राहत गिराई जाती थी। अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस की अध्यक्ष मिर्जाना स्पोल्जारिक ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर लोगों को गाजा सिटी से निकालना असंभव है, क्योंकि बुनियादी ढांचा तबाह हो चुका है और खाना, पानी, दवा, आश्रय हर चीज की भारी कमी है।

83 की उम्र में 23 साल के लड़के से प्यार, दादी की प्रेम कहानी जानकर रह जाएंगे हैरान

टोक्यो, एजेंसी। प्यार कब और किससे हो जाए, कोई नहीं जानता। कहा जाता है कि प्यार अक्सर तब होता है जब उसकी उम्मीद सबसे कम होती है, और कभी-कभी पूरी तरह असंभव तरीके से। जापान में 23 वर्षीय विश्वविद्यालय के छात्र कोफू और 83 वर्षीय आइको के बीच के रोमांस ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। 60 साल के उम्र के अंतर के बावजूद, उनकी प्रेम कहानी पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गई है। बताया जाता है कि मात्र पांच महीनों में ही उनका रिश्ता बहुत मजबूत हो गया है।

आइको और कोफू कौन हैं?

1942 में ओसाका में जन्मी आइको दो बार विवाह कर चुकी हैं। वह एक बेटे और एक बेटी की मां, पांच बच्चों की दादी और एक खूबसूरत वनस्पति उद्यान की मालकिन हैं, जो उनकी बागवानी के वर्षों के अनुभव का नतीजा है। उम्र के बावजूद वह सक्रिय, सुडौल और ऊर्जावान बनी हुई हैं। वह अपनी जवानी को बनाए रखने का श्रेय अपने रोजाना के व्यायाम को देती हैं। वहीं, कोफू अभी युवावस्था के शुरुआती दौर में है और ग्रेजुएशन कर रहा है। वह मानता हैं कि उसे हमेशा से बड़ी उम्र की महिलाओं की ओर आकर्षण रहा है, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे अपने से छह दशक बड़ी महिला के प्यार में पड़ जाएगा।

आइको और कोफू की मुलाकात कैसे हुई?: कोफू, आइको की पोती का सहपाठी है। वह उसके घर आया और तुरंत आइको से प्रभावित हो गया। शुरू में दोनों अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से हिचक रहे थे, क्योंकि उन्हें इस बात का अहसास था कि उनका रिश्ता कितना असामान्य लग सकता है। लेकिन हर मुलाकात के साथ वे एक-दूसरे के करीब आते गए, और धीरे-धीरे एक अनकही दोस्ती बन गई। इसके बाद आइको की पोती ने डिज्नीलैंड की यात्रा की योजना बनाई। इसी दौरान वह पल आया जिसने दोनों की दुनिया बदल दी। कोफू ने अपनी भावनाओं को साझा किया। आइको उसकी स्पष्टवादिता से प्रभावित हुईं और दोनों ने प्यार को फिर से तलाशने के लिए विश्वास की छलांग लगाने का फैसला किया।

गुप्त रोमांस से पारिवारिक स्वीकृति तक : शुरुआत में इस जोड़े ने अपने रिश्ते को गुप्त रखा, क्योंकि वे नहीं जानते थे कि लोग क्या कहेंगे। लेकिन जब सच्चाई सामने आई, तो उनके परिवारों ने उनका साथ देकर उन्हें हैरान कर दिया। तब से कोफू और आइको ने न केवल पांच महीने साथ बिताए हैं, बल्कि एक-दूसरे के साथ रहने भी लगे हैं। संयोगवश दोनों की शादी की सालगिरह वैलेंटाइन डे के दिन पड़ती है।

जनता की प्रतिक्रिया क्या रही?

सोशल मीडिया पर दोनों की लव स्टोरी ने बहस छेड़ दी है। कुछ लोग आश्चर्य और अविश्वास जता रहे हैं, और मजाक करते हुए कहते हैं कि वे अभी भी इस जोड़े को समझ नहीं पा रहे हैं। वहीं कई लोग इस जोड़े के साहस की तारीफ कर रहे हैं और कहते हैं कि भले ही यह रिश्ता अपरंपरागत हो, लेकिन उनकी खुशी निर्विवाद है।

तियानजिन में पीएम से मिलने के बाद रो पड़ी चीनी महिला

तियानजिन , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को चीन के तियानजिन शहर पहुंचे। वहां उनका भव्य स्वागत हुआ। पीएम मोदी की चीन यात्रा से चीनी लोग भी काफी उत्साहित दिखे। एक चीनी महिला, जिसके पति भारतीय हैं, ने पीएम मोदी से मिलने के बाद खुशी के कारण रो पड़ी। महिला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को देखकर वह खुशी से अभिभूत हो गई। उसने कहा कि मुझे भारत से प्यार है... मुझे प्रधानमंत्री मोदी से प्यार है।

बता दें कि तियानजिन के बिनहाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत के बाद प्रधानमंत्री मोदी होटल पहुंचे और वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम देखे। महिला ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए यहां आकर बहुत खुश हैं। इनमें पारंपरिक कथक और ओडिसी नृत्य शामिल थे। ओडिसी नृत्यांगना झांग जिंगहुई ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए प्रदर्शन करने के सम्मान के बारे में बताया। उसने कहा कि मुझे थोड़ी घबराहट हुई, लेकिन यह मेरे और मेरी टीम के लिए बहुत सम्मान की बात है। मैंने 13 साल से अधिक समय तक ओडिसी सीखी है। हमने दो महीने तक इसका अभ्यास किया और प्रस्तुति दी।

वहीं, चीनी कथक नृत्यांगना डू जुआन ने कहा कि पीएम मोदी के सम्मान में नृत्य करना अविस्मरणीय था। जुआन ने कहा कि मैं मोदी जी के लिए नृत्य करने को लेकर बहुत उत्साहित थी। यह जीवन भर का एक अविस्मरणीय अनुभव था। मुझे बहुत आनंद आया। एक अन्य भारतीय शास्त्रीय तबला वादक झुआंग जिंग ने कहा कि यह बहुत रोमांचक था। मुझे लगता है कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट के शौचालय में आई समस्या

बोतल में पेशाब करने के लिए मजबूर हुए यात्री

ब्रिसबेन, एजेंसी। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की एक फ्लाइट से अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां यात्रियों को यात्रा के दौरान शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा, जब टॉयलेट खराब हो जाने के कारण उन्हें बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। यह घटना पिछले हफ्ते बाली (इंडोनेशिया) से ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) आ रही फ्लाइट में हुई। यह फ्लाइट बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित हो रही थी और गुरुवार दोपहर डेनपसार से रवाना हुई थी। उड़ान के समय एक पिछला टॉयलेट पहले से ही मरम्मत के चलते बंद था। लेकिन यात्रा के दौरान बाकी टॉयलेट भी खराब हो गए, जिससे यात्रियों को 6 घंटे की उड़ान में टॉयलेट की सुविधा नहीं मिली।

यात्रियों ने बताया अपना अनुभव : विमान में हुए इस कृत्य के बारे में यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान एक यात्री ने कहा कि आखिरी तीन घंटे बेहद मुश्किल भरे थे। कुछ लोगों को बोतल में पेशाब करना पड़ा, तो कई यात्री बदबू और असहजता से परेशान दिखे।

बुदुर्ग महिला को करना पर दिक्कत का सामना : यात्री ने बताया स्थिति इतनी खराब हो गई कि एक बुजुर्ग महिला के खुद को नहीं रोक पाने की वजह से वह सार्वजनिक रूप से पेशाब कर बैठीं, जिससे उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। वहीं एक यात्री ने बताया कि फ्लाइट के बीच में ही सभी टॉयलेट काम करना बंद कर दिए। बाकी समय हमें बोतल में या फिर पहले से गंदे टॉयलेट में ही पेशाब करने को कहा गया। यह अपमानजनक और तनावपूर्ण था।

एयरलाइन ने मांगी माफी : हालांकि मामे में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने माफी मांगते हुए कहा कि वे यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद प्रकट करते हैं और प्रभावित लोगों को फ्लाइट क्रेडिट दिया जाएगा। एयरलाइन ने अपने स्टाफ की भी सराहना की जिन्होंने इस मुश्किल स्थिति को संभालने की कोशिश की। ऑस्ट्रेलियाई ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन ने इस घटना की आलोचना करते हुए इसे यात्रियों और क्रू के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरा बताया।

उड़ान के बीच बिगड़ी हालत : शुरुआत में यात्रियों को उम्मीद थी कि आगे किसी तरह काम चल जाएगा, लेकिन बीच सफर में स्थिति और बिगड़ गई। विमान के बाकी दो टॉयलेट भी खराब हो गए। नतीजा यह हुआ कि करीब छह घंटे तक यात्रियों के पास कोई वॉशरूम सुविधा नहीं रही। क्रू ने यात्रियों को बोतलें पकड़ाकर कहा कि मजबूरी में इन्हीं का इस्तेमाल करना होगा या फिर पहले से खराब पड़े टॉयलेट पर ही जाना पड़ेगा। कई यात्रियों ने मजबूरी में ऐसा किया भी।

लाहौर से मुल्तान तक तबाही, पंजाब प्रांत में 70 साल बाद आई भयानाक बाढ़, 30 की मौत और लाखों बेघर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आई भयानक बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। बीते 24 घंटे में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई है जबकि लाखों लोग बेघर हो गए हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन को कई जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक तक इस्तेमाल करना पड़ा ताकि बड़े शहरों को बाढ़ से बचाया जा सके।

शनिवार सुबह से हो रही मूसलधार बारिश ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने दो सितंबर तक और तेज बारिश की चेतावनी दी है। पंजाब प्रांत के करीब 1,700 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें सिखों का पवित्र स्थल करतारपुर भी शामिल है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मुताबिक, 26 जून से शुरू हुए मानसून में अब तक देशभर में 842 लोगों की जान जा चुकी है।एनडीएमए ने चिनाब, रावी और सतलुज नदियों में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। खासकर सतलुज नदी में 1955 जैसी स्थिति बन रही है। कसूर जिले में खतरा बढ़ता जा रहा है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने इसे सबसे भयानक बाढ़ बताया और कहा है कि मानसून का नौवां दौर दो सितंबर तक जारी रहेगा। राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है, लेकिन लगातार बारिश और नदियों के उफान से संकट और गहराता जा रहा है।

लाखों लोग बेघर, हजारों गांव डूबे

पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 30 लोगों की जान गई है। करीब 15 लाख लोग बेघर हो गए हैं। अब तक 5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लगभग 2,000 गांव डूब गए हैं और हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो गई है। प्रशासन ने मंडी बहाउद्दीन, चिनीओट और झंग समेत कई इलाकों में सात जगह बांध तोड़ने के लिए विस्फोटक का इस्तेमाल किया।

नदियों का उफान और खतरा बढ़ा

जानकारी के मुताबिक, केवल चिनाब नदी से 1,169 गांव प्रभावित हुए हैं। रावी नदी से 462 गांव और सतलुज से 391 गांव डूबे हैं। पूरे प्रांत में 351 राहत व मेडिकल कैंप चलाए जा रहे हैं। लाहौर में करीब 40 साल बाद दो दर्जन कॉलोनियां पानी में डूब गई। वहीं, मुल्तान शहर पर बाढ़ का बड़ा खतरा मंडरा रहा है क्योंकि चिनाब नदी में अगले 24 घंटे में 8 लाख क्यूसेक का पानी आने की आशंका जताई गई है।

मिस्र में यात्री ट्रेन पटरी से उतरी, तीन लोगों की मौत, 94 से ज्यादा घायल

काहिरा, एजेंसी। पश्चिमी मिस्र में शनिवार को एक यात्री ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में 94 यात्री घायल हो गए। हाल के वर्षों में मिस्र में हुई रेल दुर्घटनाओं की श्रृंखला में यह नवीनतम घटना है। रेलवे अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि देश के उत्तरी तट पर स्थित पश्चिमी भूमध्यसागरीय प्रांत मतरूह से काहिरा जाते समय ट्रेन के सात डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से दो पलट गए।स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि घायलों को अस्पतालों में पहुंचाने के लिए 30 एम्बुलेंस भेजी गईं। रेलवे अधिकारियों के बयान में कहा गया है कि पटरी से उतरने के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मिस्र में पुरानी रेलवे प्रणाली कुप्रबंधन से ग्रस्त है, इसलिए ट्रेनों का पटरी से उतरना आम है। पिछले साल अक्तूबर में, दक्षिणी मिस्र में काहिरा जाने वाली एक यात्री ट्रेन के पिछले हिस्से में एक इंजन टकरा गया था, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। हाल के वर्षों में, सरकार ने रेलवे में सुधार के लिए पहल की घोषणा की है। राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने 2018 में कहा था कि देश के उपेक्षित रेल नेटवर्क को ठीक करने के लिए लगभग 250 बिलियन मिस्री पाउंड या 8.13 बिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी।

यमन में इस्राइल ने किया हवाई हमला, हूती विद्रोही सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत

काहिरा, एजेंसी। इस्राइल ने एक बार फिर यमन की राजधानी सना पर हवाई हमले किया। बताया जा रहा है कि हमलों में हूती विद्रोही नियंत्रित सरकार के प्रधानमंत्री अहमद अल रहावी की मौत हो गई। साथ ही हमले में कई और मंत्रियों ने भी जान गंवा दी। हूती विद्रोहियों ने कहा कि अल-रहावी अगस्त 2024 से हूती नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री थे। उनको अन्य मंत्रियों के साथ सरकार की पिछले वर्ष की गतिविधियों और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए आयोजित नियमित कार्यशाला के दौरान निशाना बनाया गया। वहीं इस्राइली सेना ने कहा कि उसने यमन के सना क्षेत्र में हूती आतंकी शासन के सैन्य ठिकाने पर सटीक हमला किया।

हमला उस वक्त किया गया जब शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। यमन के एक चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे। हमले में हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी मारे जाने की संभावना है।

हमास के समर्थन में इस्राइल पर मिसाइल दागते रहें हैं हूती : गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध के दौरान हूतियों ने इस्राइल पर बार-बार मिसाइलें दागी हैं। हूती विद्रोहियों का कहना है कि ये हमले फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए किए जा रहे हैं। हालांकि यमन की ओर से दागी गईं ज्यादातर मिसाइलें इस्राइल ने रोक लीं और हवा में ही उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। हूती संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय और सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस सप्ताह के शुरू में इस्रालाी हमलों ने सना के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। इसमें कम से कम 10 लोग मारे गए और 102 अन्य घायल हो गए।

ट्रंप प्रशासन के साथ किया था समझौता

इससे पहले इस्राइल और अमेरिका ने यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर बमबारी की। इसमें सना और रणनीतिक तटीय शहर होदेदा भी शामिल था। इस्राइली हमलों के कारण मई में सना हवाई अड्डा सेवा से बाहर हो गया था।

ट्रम्प प्रशासन ने मई में हूतियों के साथ एक समझौते की घोषणा की थी। इसके तहत वे लाल सागर में जहाजों पर हमले बंद करने के बदले हवाई हमले बंद करेंगे। हालांकि, विद्रोहियों ने कहा कि इस समझौते में उन ठिकानों पर हमले रोकने की बात शामिल नहीं थी जो इस्राइल से संबद्ध हैं।

मंडे की सुबह काम की झंझट आप को कर देती है उदास

5 टिप्स करेंगी मदद

वीकंड के बाद मंडे की शुरुआत हम सभी के लिए मुश्किल होती है। अक्सर लोग एक उदास मन से मंडे की शुरुआत करते हैं। पर जरूरी यह है कि आप खुश होकर अपने मंडे की शुरुआत करें। इससे मंडे ही नहीं पूरा हफ्ता भी अच्छा गुजरेगा।

सोमवार की सुबह से, हर किसी को डर लगता है। कोई भी नहीं चाहता कि सुनहरे और आरामदेह वीकंड के बाद सोमवार आए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका पेशा क्या है या किस जॉब में है, सोमवार आने का डर हर किसी को रविवार शाम से ही परेशान करता है। कुछ लोग इससे कम परेशान होते हैं तो कुछ लोग ज्यादा। ये वैसा ही है, जैसे लंबी छुट्टी के बाद स्कूल जाना। इसमें हर किसा को ऐसा फील होता है, मानों जैसे अभी तो शुक्रवार को आप एक सप्ताह के अंत का जश्न मना रहे थे। अब पलक झपकाते ही सोमवार की कामकाजी सुबह आ गई। जैसे सुबह सात बजे का अलार्म बजा और सोमवार फिर से वापस आ गया। ऐसे में आपको सोमवार की उदासी से बचना है और एक नए वीक की फ्रेश शुरुआत करनी है, तो आप इन 5 तरीकों को अपना सकते हैं।

नाश्ते में कुछ खास बनाएं

मां जैसे अपने बच्चे को उसके मनपंसद नाश्ते का लालच देती है, वैसे ही हमें मंडे मॉर्निंग खुद को एक अच्छे से नाश्ते का लालच देना चाहिए। मंडे को खासतौर पर आप अपना मनपसंद नाश्ता बनवाएं, जिसे आप खुशी से खा सके। ध्यान रखें कि यह नाश्ता हेल्दी भी हो, जो आपको इर्निजेटिक और लाइट फील कराए।

अच्छे से तैयार होकर ऑफिस जाएं

मंडे सुबह अगर आपको दबी-कुचली, मुचड़ी हुई जींस और बिना प्रेस की हुई टी-शर्ट पहनने को मिले, तो आपका पूरा मूड ऑफ हो जाएगा। ऐसे में अपनी ड्रेसिंग स्टाइल को नया लुक देने का प्रयास करें। अपने पसंदीदा ड्रेस, अपने आरामदायक जूते और पसंदीदा लिपस्टिक को बाहर निकालें और पूरे मन से तैयार होकर ऑफिस निकलें। ऐसा हमें इसलिए भी करना चाहिए क्योंकि जब आप अच्छे कपड़े पहनते हैं, तो आप बेहतर महसूस करते हैं। इस तरह आप खुद को तो पसंद आने के साथ ही दूसरों को भी अच्छे लगते हैं।

सोच बदलें और सकारात्मक सोचें

ऑफिस के बारे में आपके बोरिंग थोट्स हैं, तो आपके लिए कोई भी मंडे दुखदायी ही होगा। ऐसे में अपने मन को बदलिए। सोचिए कि ऑफिस जाकर कितना मजा आएगा। वहां आपके दोस्त होंगे। ऐसा सोचने के लिए जरूरी यह भी है कि आपको आपके काम से प्यार हो। ऑफिस में आपके रिश्ते सबके साथ अच्छे हों क्योंकि अगर ऐसा नहीं है, तो आप मानसिक रूप से काफी परेशान रहेंगे। ऑफिस को लेकर सकारात्मक सोच इसलिए भी जरूरी है कि आप वहां दिन के लगभग 8 से 9 घंटे यहीं बिताते हैं। इस वजह से अगर ऑफिस में खुश रहते हैं, तो आपका काम भी अच्छा होगा। साथ ही आपको किसी मंडे मॉर्निंग का डर नहीं सताएगा और इस तरह आपका पूरा सप्ताह भी अच्छा बीतेगा।

अपने आप को हमेशा बताएं कि आपको आपके जॉब से प्यार है

किसी भी काम को करने से पहले उसके प्रति हमारे मन में प्यार होना बेहद जरूरी है। आप किसी काम को क्यों करते हैं और आप उसे कितना पसंद करते हैं, यह एक बेहद जरूरी चीज है। आपके काम के प्रति आप कितने मोटिवेटेड हैं, यह बात आपकी सफलता और खुशी का एक बड़ा कारण हो सकती है। आप उस काम में उतने ही कामियाब होंगे, जितने मन से आप उस काम को शुरू करेंगे। तो मंडे मॉर्निंग से घबराइए नहीं और अपने काम को अपना पैशन बनाइए। अगर ऐसा नहीं है तो कम से कम ये कोशिश करिए कि आप जो करेंगे, जब तक करेंगे, पूरे दिल से करेंगे।

ऑफिस में अपनी डेस्क को सजा कर रखें

सजावट, साफ- सफाई और खूबसूरती सिर्फ आंखों को ही सुकून नहीं देती बल्कि हमारा मन भी लगाए रखती है। यह आपके मन पर अच्छा प्रभाव डालती है। इसलिए हो सके तो ऑफिस में आप अपने डेस्क को सजा कर रखें। रंग-बिरंगी और काम की चीजों से डेस्क सजाएं। मनी प्लांट और ऐसे ही कुछ हरे भरे छोटे पौधों को भी आप अपने डेस्क पर लगा सकते हैं। इसके अलावा कुछ मोटिवेशनल थोट्स भी अपने डेस्क पर लिखकर लगाएं। यह सारी चीजें आपको खुश और मोटिवेटेड रखती हैं, जिससे आपको मंडे हो या फ्रायडे सब एक समान लगेगा।

रेसिपी

मसालेदार इडली

सामग्री

■ 4-5 इडली ■ 2 टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ आधी शिमला मिर्च ■ 1/2 कप मटर के दाने ■ 1 प्याज ■ 1/4 टीस्पून हल्दी ■ 3/4 टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट ■ 1 टीस्पून पाव भाजी मसाला ■ 1 टीस्पून टमैटो सॉस ■ 8-10 करी पत्ते ■ 2 टीस्पून हरा धनिया ■ नमक स्वादानुसार ■ तेल ■ 1 टीस्पून सौंफ

विधि

इडलियों के छोटे-छोटे पीसेज काट लें। अब इडली पीसेज को डीप फ्राई करें। कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें सौंफ डालें। करी पत्ता डालने के बाद लंबा कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर इसे तेल छोड़ने तक अच्छी तरह भूनें। इसमें बारीक कटे हुए टमाटर डालने के बाद नमक, मटर के दाने, शिमला मिर्च और बाकी मसाले डालकर फ्राइड इडली को डाल दें। प्लेट में निकालकर ऊपर से गार्निश करें।

वेजिटेबल राइस

सामग्री

■ बासमती चावल- 2 कप ■ सब्जियां ■ प्याज ■ लौकी ■ बीन्स ■ गाजर ■ गोभी ■ शिमला मिर्च)- 2 कप ■ टमाटर- 1 (बारीक कटा) ■ घी- 2 चम्मच ■ दालचीनी- 1/2 चम्मच ■ लौंग पाउडर- 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला- 1/2 चम्मच ■ हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच ■ धनिया पाउडर- 1/2 चम्मच ■ नमक-स्वादानुसार ■ नींबू का रस-स्वादानुसार ■ अदर-लहसुन पेस्ट- 1/2 चम्मच ■ दही- 2 चम्मच ■ जीरा और सरसों के दाने- 1 चम्मच

विधि

पैन में घी गर्म करें। अब इसमें जीरा, सरसों के दाने डालकर तड़काएं। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट के साथ दालचीनी और लौंग का पाउडर डालें। थोड़ी देर फ्राई करेंगे। अब बाकी मसाले डालें और इसके साथ ही टमाटर भी। अब सारी सब्जियां और दही को भी डाल दें और ढककर अच्छे से पकाएं। थोड़ा पक जाने के बाद इसपर पके हुए चावल की लेयर बिछाएं। अब इसे 15 मिनट तक और पकाएं। ऊपर से हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 2574

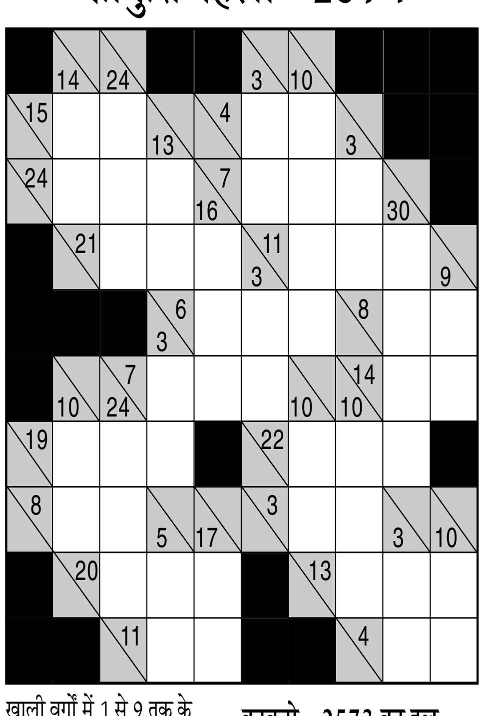

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2573 का हल

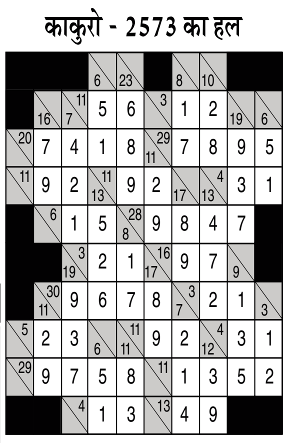

लॉफिंग ज़ोन

एक बार एक कंजूस सेठ किराये की टैक्सी मे बैठा जा रहा था कि अचानक ही ड्राइवर बोला- साहब मेरी गाडी के ब्रेक फेल हो गये हैं.

इस पर सेठ जल्दी से बोला- अरे ब्रेक फेल हो गये हैं तो क्या हुआ पहले जल्दी से टैक्सी का मीटर तो बंद कर.

☺ ☺ ☺

एक पाठक ने किसी पत्रिका में एक प्रश्न पूछा कि पापड़ और झापड़ में क्या अंतर है?

संपादक ने उत्तर दिया - 'बेकार में दिमाग खपाने से कुछ नहीं होता. दोनों खाकर देख लीजिए, फर्क अपने आप समझ में आ जाएगा.'

☺ ☺ ☺

मनोज (दुकानदार से)- 'कैसी कुर्सियां बनाते हो? पिछले हफ्ते कुर्सी खरीदी थी, दो दिन भी नहीं चली.'

दुकानदार (मनोज से)- माफ कीजिएगा साहब, कुर्सी चलने के लिए नहीं होती, बैठने के लिये होती है.

☺ ☺ ☺

राकेश (मुकेश से)- 'फांसी के फंदे और शादी के फंदे में क्या अन्तर है?'

मुकेश (राकेश से)- 'फांसी के फंदे के बाद तमाम मुसीबतें खत्म हो जाती है और शादी के फंदे के बाद मुसीबतों की शुरूआत होती है.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2574

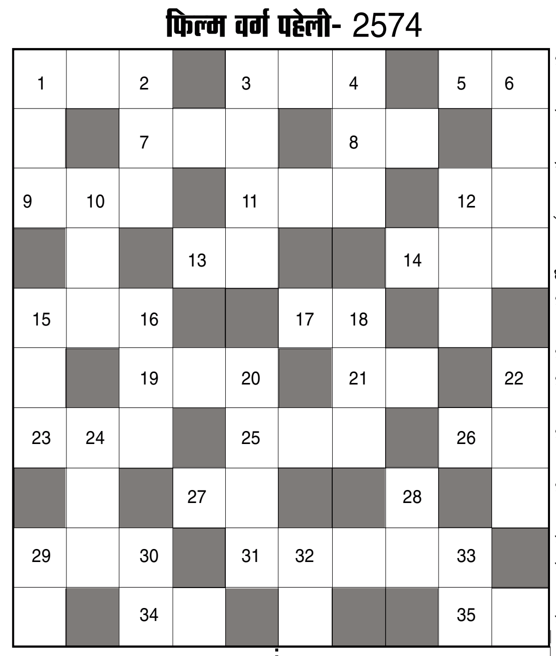

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2573

सूडोकु -2574

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2573 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली -2574

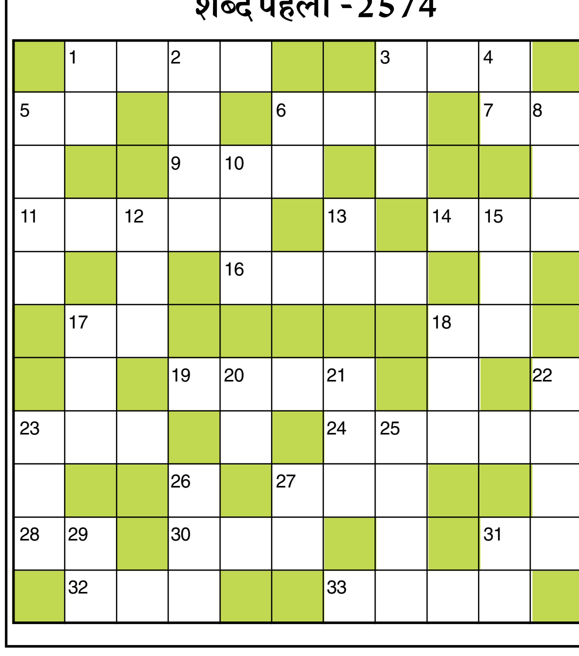

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -2573 का हल

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 2 आतंकी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

एजेंसी

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के सीमा जिले पुंछ में पुलिस ने दो आतंकवादियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों की पहचान आज़माबाद के तारिक शेख और चेंबर गांव के रियाज अहमद के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि शेख के घर पर छापेमारी कर उन्हें और उनके सहयोगी अहमद को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद पुलिस टीम ने शेख के जालियां गांव में किराए के मकान पर भी छापा मारा और वहां से दो असॉल्ट राइफल और कुछ कारतूस बरामद किए।

'पवित्र रिश्ता' की अभिनेत्री प्रिया मराठे का निधन

मुंबई। मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। छोटे पर्दे की जानी-मानी और प्रतिभाशाली अभिनेत्री प्रिया मराठे अब हमारे बीच नहीं रहीं। 31 अगस्त 2025 को महज 38 वर्ष की आयु में उन्होंने मुंबई के मीरा रोड स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। प्रिया मराठे लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं। बीते कुछ महीनों से उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई। हाल ही में उन्हें मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और आखिरकार उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन की खबर ने पूरे टीवी इंडस्ट्री और उनके चाहने वालों को गहरे सदमे में डाल दिया है। प्रिया मराठे ने अपने करियर की शुरुआत मराठी टीवी शो 'चार दिवस सासुचे' से की थी, जिसमें उनकी अभिनय प्रतिभा ने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद वह एकता कपूर की मशहूर धारावाहिक 'कसम से' का हिस्सा बनीं, जिसमें उनके काम की काफी प्रशंसा हुई। लेकिन दर्शकों के बीच असली पहचान उन्हें अंकिता लोखंडे के लोकप्रिय शो ठुपवित्र रिश्ता' से मिली। इस धारावाहिक में उनके निभाए किरदार ने उन्हें घर-घर तक पहुंचा दिया।

कालेश्वरम परियोजना के निर्माण में तेलंगाना जनता की हुई लाखों करोड़ों रुपए का लूट

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा सत्र के दूसरे दिन आज (रविवार को) सरकार ने सदन में कालेश्वरम आयोग की रिपोर्ट पेश की। न्यायमूर्ति पीसी घोष ने विधायकों को पेन ड्राइव में आयोग की रिपोर्ट सौंपी। इस संदर्भ में, आयोग ने रिपोर्ट में कई अहम बातें उजागर की है। कालेश्वरम आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, योजना, डिजाइन और निर्माण में खामियां पाई गईं। निर्माण कार्य वित्तीय अनुशासन के बिना किया गया। रखरखाव संरक्षण के अभाव में तीनों बैराजों को भारी नुकसान हुआ। निर्माण कंपनियों ने गुणवत्ता नियंत्रण के मामले में सरकार से धोखाधड़ी की। बैराज निर्माण के लिए नियमों के विरुद्ध बजट जारी किया गया। तीनों बैराजों की योजना, डिज़ाइन और निर्माण की पल-पल की जानकारी तत्कालीन मुख्यमंत्री के साथ साझा की गई हालांकि विशेषज्ञ समिति ने मेदिगड्डा परियोजना के निर्माण की सिफारिश नहीं की थी, फिर भी मुख्यमंत्री के आदेश पर मेदिगड्डा का निर्माण कार्य किया गया। साथ ही, कालेश्वरम आयोग की रिपोर्ट में अधिकारियों की गलतियों की ओर इशारा किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों ने गलतियां कीं और नियमों के विरुद्ध काम किया। इसमें कहा गया है कि कई मुख्य अभियंताओं ने आयोग के समक्ष उचित साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए। आयोग ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के बजाय मुख्यमंत्री के नाम से रिपोर्ट दी।

2003 के कुपवाड़ा फिदायीन हमले में पूर्व एसएचओ को आजीवन कारावास की सजा, हाईकोर्ट ने बरी करने का फैसला पलटा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने 2003 के कुपवाड़ा फिदायीन हमले में आपराधिक साजिश रचने के आरोप में पूर्व एसएचओ सोगाम गुलाम रसूल वानी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, जबकि उनके सह-आरोपी को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा है न्यायमूर्ति संजीव कुमार और न्यायमूर्ति संजय परिहार की खंडपीठ ने राज्य की अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए कहा, निचली अदालत का दृष्टिकोण विकृत और त्रुटिपूर्ण था। अभियोजन पक्ष के साक्ष्य स्पष्ट रूप से स्थापित करते हैं कि तत्कालीन एसएचओ वानी, आतंकवादी की पहचान और उद्देश्यों से पूरी तरह वाकिफ थे और उन्होंने उसे हमला करने की अनुमति दी, जिससे सुरक्षाकर्मियों की हत्या में मौन सहमति बनी।

अदालत ने कहा कि वानी ने जैश-ए-मोहम्मद के एक पाकिस्तानी आतंकवादी मोहम्मद इब्राहिम उर्फ ??खलील-उल्लाह के साथ मिलकर साजिश रची थी जिसे 12 मई 2003 को पुलिस की वर्दी पहनाकर एक सरकारी वाहन में सोगाम पुलिस स्टेशन से कुपवाड़ा चौक ले जाया गया था। वहां उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें सीआरपीएफ की 113 बटालियन के दो जवान कांस्टेबल बी. प्रसाद और बी. रमैया मारे गए और छह अन्य घायल हो गए। इसके बाद उसे मार गिराया गया। अपने 30 पृष्ठों के फैसले में पीठ ने टिप्पणी की, एक पूरी तरह से हथियारों से लैस आतंकवादी को भीड़ भरे बाजार में बिना रोक-टोक आगे बढ़ने देना, भीड़ पर भरी हुई तोप चलाने जैसा था। इसमें जान से मारने की मंशा साफ़ दिखाई देती है। यह फैसला घटना के दो दशक से भी ज्यादा समय बाद आया है और 2011 के सत्र न्यायालय के उस फैसले को पलट देता है जिसमें दोनों आरोपियों को असंगतियों का हवाला देते हुए बरी कर दिया गया था।

संघ में घोष केवल वादन या मनोरंजन नहीं है, बल्कि यह एक साधना है : आलोक कुमार

एजेंसी

चंडीगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तीन दिवसीय हरियाणा घोषवर्ग का रोहतक के वैश्य कॉलेज में समापन हुआ। शिविर में 400 स्वयंसेवकों ने घोष साधना के माध्यम से अनुशासन, एकता और राष्ट्रभक्ति का प्रशिक्षण लिया। सह सरकार्यवाह आलोक कुमार और सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर संदीप चौधरी मुख्य वक्ता और मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि ÷संघ में घोष केवल वादन या मनोरंजन नहीं है, बल्कि यह एक साधना है, जो मनुष्य को अनुशासन, समन्वय और राष्ट्रहित से जोड़ती है।÷उन्होंने वेद मंत्र सङ्गच्छध्वं संवदध्वं, सं वो मनांसि जानताम्। देवा भागं यथा पूर्वे, संज्ञानाना

उपासते।। का उल्लेख करते हुए कहा कि जब सभी मिलकर एक साथ चलते हैं तो केवल कदम ही नहीं, बल्कि मन भी एक हो जाते हैं। यही घोष साधना का उद्देश्य है- राष्ट्र को एक दिशा में, एक मन होकर आगे बढ़ाना। आलोक कुमार ने कहा कि घोष केवल संगीत का माध्यम नहीं, बल्कि यह वीरता, पराक्रम और राष्ट्रनिर्माण की भावना का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि शंख, ढोल और रणभेरी जैसे वाद्ययंत्र प्राचीन काल से ही ऊर्जा, उत्साह और विजय के संदेशवाहक रहे हैं। युद्धभूमि में भी ये रणवाद्य वीरता और उमंग का संचार करते थे। संघ का घोष दल उसी गौरवशाली परंपरा को आज के समाज तक पहुंचा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समय के साथ विदेशी ब्रास बैंड का प्रचलन बढ़ा, लेकिन संघ के घोष में जो धुनें बजाई जाती हैं, वे भारतीय रागों पर आधारित होती हैं। यहां तक कि विदेशी धुनों को भी भारतीय स्वरूप में ढालकर उन्हें हमारी सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप प्रस्तुत किया जाता है। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर संदीप चौधरी घोष प्रदर्शन देखकर अभिभूत हुए और उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि मैं स्वयंसेवकों के इस प्रदर्शन को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। 100 साल से मेरे परिवार की तीन पीढ़ियां फौज के माध्यम से देश सेवा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि संघ में रहकर स्वयंसेवकों में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन व चरित्र निर्माण होता है।

पंजाब में बब्बर खालसा इंटरनेशनल के दो आतंकी पकड़े गए, हैंड ग्रेनेड व पिस्तौल बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) पठानकोट, सीआई लुधियाना और स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने संयुक्त रूप से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) समर्थित आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने के साथ ही राज्य में होने वाली आतंकी गतिविधियों को नाकाम करने का दावा किया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने बताया कि गांव मल्लियां (गुरदासपुर) निवासी सरवण कुमार और जकड़िया (गुरदासपुर) निवासी बलविंदर सिंह गिरफ्तार किया गया है। तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने इनके कब्जे से आर्गेस हैंड ग्रेनेड और तीन जिंदा कारतूस सहित .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौल बरामद किये हैं। यह कार्रवाई उस समय की गई जब सीआई पठानकोट ने एक सप्ताह से भी कम समय पहले दो नाबालिगों सहित चार सदस्यों वाले इसी नेटवर्क के एक मॉड्यूल का पर्दाफाश कर टारगेट किलिंग को टाला था और उनके कब्जे से दो .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौलें बरामद की थी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपित अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर काम कर रहे थे, जिन्हें बब्बर खालसा इंटरनेशनल का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आरोपितों को एक बिचौलिए के जरिए इन हैंडलरों से मिलवाया गया था। डीजीपी ने कहा कि कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। एआईजी सीआई पठानकोट सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों को विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की रेकी करने और हमले को अंजाम देने के लिए विस्फोटक और फंड उपलब्ध कराए गए थे।

केंद्रीय गृह मंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर रायपुर में एफआईआर

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ 'आपत्तिजनक' टिप्पणी करने को लेकर पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एफआईआर दर्ज की गई है। सांसद ने यह बयान बीते दिनों पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में दिया था। मोहबा बाजार, कोटा निवासी गोपाल सामंतो ने माना रायपुर पुलिस में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया था। पुलिस अधीक्षक के नाम से दी गई शिकायत में कहा कि, सांसद महुआ मोइत्रा ने देश के गृह मंत्री अमित शाह का गला काटकर मेज पर रखने की बात को सुनने के बाद से न केवल आहत हूं, बल्कि भयभीत और आतंकित भी हूं, यह पहला मौका है जब एक सांसद ने देश के गृह मंत्री के खिलाफ ऐसा बयान दिया हो। यह एक चेतावनी है उन सभी शांतिप्रिय नागरिकों के लिए कि जो भी बांग्लादेशी घुसपैठ की बात करेगा उसको अपनी प्राण की कीमत चुकानी पड़ेगी। आवेदन में कहा कि, वह स्वयं बंग समाज से आता है और इस बात का गर्व है कि देश की

स्वाधीनता संग्राम, कला साहित्य एवं विज्ञान आदि में हमारे समाज का विशेष योगदान रहा है, जिसकी वजह से पूरे देश में हमारे समाज को विशेष स्नेह और सम्मान प्राप्त होता आ रहा है। महुआ मोइत्रा के बयान से इस बात का भय है कि बंग समाज के प्रति लोगो में घृणा पैदा होगी और आगे जाकर बंग समाज के लोगों के खिलाफ आपराधिक घटनाओं में भी वृद्धि हो सकती है। इसलिए ऐसे लोगों को देश के कानून के सामने तुरंत लाकर उन्हें स्वयं की राजनीति के लिए लाखों लोगों के जिंदगियों को दांव पर लगाने से भी रोकना चाहिए।

गोपाल सामंतो ने कहा कि, यह देश के संविधान को खुली चुनौती है, जहां लोकतांत्रिक ढंग से चुना हुआ एक सांसद देश के संघीय ढांचे को क्षति पहुंचाने की बात कह रहा है। इसके साथ सांसद महुआ मोइत्रा के बयान की जांच कर भयादोहन और देश के संघीय ढांचे को क्षति पहुंचाने के प्रयोजन-षड्यंत्र के लिए भारतीय न्याय संहिता के धाराएं 196, 197,109 व न्यायविधि के अन्य उपलब्ध धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध करें। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि, स्थानीय निवासी की शिकायत के आधार पर पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ शनिवार को माना थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और धारा 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप, दावे) के तहत मामला दर्ज किया गया।

शाह ने सरदार बाग का किया उद्घाटन

एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के अहमदाबाद में टोरेंट समूह की धर्मार्थ शाखा, यूएनएम फाउंडेशन द्वारा विकसित और प्रबंधित नवनिर्मित सरदार बाग का उद्घाटन कर नागरिकों को समर्पित किया। प्राकृतिक वैभव की विरासत को पुनर्जीवित करते इस उद्यान का उद्घाटन राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल, अहमदाबाद शहर की महापौर प्रतिभाबेन जैन, टोरेंट समूह के मानद अध्यक्ष सुधीर मेहता, टोरेंट पावर के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जिनल मेहता, संसद सदस्य हसमुखभाई पटेल, विधायकों, अहमदाबाद नगर निगम के नगर आयुक्त बंछानिधि पाणि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ। 15वीं शताब्दी के शाही किले की भव्यता का एक हिस्सा रहे सरदार बाग का यूएनएम फाउंडेशन की प्रतिति पहल के तहत नवीनीकरण किया गया है। इसके साथ ही, अहमदाबाद में प्रतिति पहल के तहत तैयार किए गए शहर की हरियाली में वृद्धि करने वाले उद्यानों की संख्या 11 तक पहुँच गई है। सरदार बाग का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि स्वतंत्रता के पूर्व काल में सरदार बाग में कई प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों की सभाएँ आयोजित की जाती थीं। कभी फलों और फूलों से लदे पेड़ों/पौधों से समृद्ध यह उद्यान पिछले कुछ दशकों में वीरान हो गया था। आज प्रतिति

पहल के तहत किए गए नवीनीकरण और संरक्षण प्रयासों से यह उद्यान फिर से हरियाली से खिल उठा है। उद्यान के ऐतिहासिक महत्व और पर्यावरण संरक्षण, दोनों को ध्यान में रखते हुए इस उद्यान का नवीनीकरण बहुत ही बारीकी से किया गया है। पुनर्निर्मित सरदार बाग का कुल क्षेत्रफल 26010 वर्ग मीटर है और यह अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के सेंट्रल जोन के अंतर्गत आने वाले जमालपुर वार्ड में लाल दरवाजा, पुराने रूपाली सिनेमा के सामने स्थित है। इस पुनर्निर्मित उद्यान को शहर की सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व को बहाल करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, साथ ही नागरिकों की विभिन्न आवश्यकताओं और सुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है। उद्यान की मुख्य विशेषताओं में व्हीलचेयर-सुलभ रैंप वाला एक बड़ा प्रवेश द्वार, जॉगिंग और रनिंग के लिए 1.5 किलोमीटर लंबा छरु पथ। यह ईंटों से बना छरु पथ घुटनों के लिए उपयुक्त है और पानी के बहाव को सुगम बनाता है, मौसम-रोधी उपकरणों से युक्त एक ओपन जिम, सुरक्षित और मनोरंजक खेल उपकरणों से सुसज्जित बच्चों का खेल क्षेत्र, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए 150 सीटों वाला एक खुला और अंडाकार एम्फीथिएटर, बैठने की व्यवस्था वाले आठ जलाशय, जो आराम करने के लिए एक सुखद और शांतिपूर्ण स्थान प्रदान करते हैं, वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण के लिए रिचार्ज कुएँ और व्हीलचेयर पहुँच के साथ पूरी तरह हवादार और स्वच्छ शौचालय, साथ ही विकलांगों के लिए एक अलग ब्लॉक और पेयजल सुविधाएँ शामिल हैं।

राधा रानी के चरणों में अनुगत्य से ही संभव है श्रीकृष्ण भक्तिः चंचलापति दास

एजेंसी

मथुरा। भक्ति वेदांत स्वामी मार्ग स्थित वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर में ब्रज की अधिष्ठात्री देवी एवं भगवान श्रीकृष्ण की आल्हादिनी शक्ति श्रीमती राधा रानी का प्राकट्योत्सव 'राधाष्टमी' भक्तिमय वातावरण में उल्लासपूर्वक मनाया गया। मंदिर परिसर को विविध प्रकार के पुष्पों का चयन कर बड़े ही मनोहारी रूप से सुसज्जित किया गया। इस अवसर पर श्रीश्री राधा वृन्दावन चंद्र का धूप आरती, नवीन परिधान धारण, पुष्प बंगला, झूलन उत्सव, छप्पन भोग, महाभिषेक, पालकी उत्सव एवं भजन संध्या का दिव्य आयोजन किया गया। भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाए जाने वाले इस पर्व पर राधा रानी एवं वृन्दावन चंद्र का

महाभिषेक वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, बूरा), विभिन्न फलों के रस, जड़ी-बूटियों एवं पुष्पों से महाभिषेक की प्रक्रिया को संपन्न कराया गया। इस अवसर पर ठाकुरजी को नीले एवं श्वेत वर्ण के रेशमी परिधानों के साथ रजत कढ़ाई युक्त वस्त्रों से अलंकृत किया गया। वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर के अध्यक्ष चंचलापति दास ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमती राधा रानी का एक नाम 'भव व्याधि विनाशिनी' है। जो भक्त उनके चरणों में पूर्ण समर्पण करता है, उन्हें राधा रानी भवसागर से पार लगाकर श्रीकृष्ण भक्ति प्रदान करती हैं एवं अपने निज धाम में आश्रय देती हैं। उन्होंने आगे कहा कि जीव प्रकृति के तीनों गुणों के वश होकर जन्म-मृत्यु के चक्र में फंसा रहता है, किन्तु राधा रानी अपने आश्रित भक्तों की माता की भांति रक्षा एवं पोषण करती हैं तथा उन्हें भक्ति मार्ग पर अग्रसर करती हैं। इस पावन अवसर पर हमें राधा रानी से निरंतर प्रार्थना करनी चाहिए कि वे हमें अपने चरणों की सेवा का अवसर प्रदान करें। राधाष्टमी महोत्सव के दौरान हरिनाम संकीर्तन में भक्तों ने भावविभोर होकर सहभागिता की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मनोज जरांगे से करनी चाहिए थी मुलाकात : संजय राउत

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने मराठा आरक्षण आंदोलन और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मुंबई दौरे को लेकर बयान दिया। उन्होंने मराठा आंदोलन के प्रति सरकार की उदासीनता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुंबई दौरे पर आए थे और हमें उम्मीद थी कि वह मराठा आरक्षण के आंदोलनकारियों से मुलाकात करेंगे, लेकिन उन्होंने किसी से मुलाकात नहीं की। राउत ने कहा, 'पिछले दो दिनों से मुंबई में मराठा समुदाय के हजारों लोग जमा हैं, जो अपने नेता मनोज जरांगे पाटिल के नेतृत्व में आजाद मैदान में भारी बारिश के बीच अनशन और आंदोलन कर रहे हैं। इस आंदोलन के कारण मुंबई का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित हुआ है। ऐसे में अमित शाह ने आंदोलनकारियों से मुलाकात करने या उनके मुद्दों को सुलझाने की कोई कोशिश नहीं की।' राउत ने कहा, 'केंद्रीय गृह मंत्री कश्मीर का मुद्दा सुलझा सकते हैं, अनुच्छेद 370 हटा सकते हैं और संविधान में बदलाव कर सकते हैं। हमें उम्मीद थी कि वह अपने इस दौरे पर मराठा समाज के नेता मनोज जरांगे पाटिल से बातचीत कर कोई हल निकालेंगे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। उन्होंने मुंबई आकर सिर्फ इतना कहा है कि मुंबई का मेयर भाजपा का होना चाहिए, जो गैर-मराठी हो।' बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अपने परिवार के साथ मुंबई के लालबाग के राजा के दर्शन किए थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट भी शेयर किया था। उन्होंने लिखा, 'मुंबई के लालबाग के राजा के दर्शन मात्र से सारे दुःखों का निवारण हो जाता है।

हिमाचल में दो सितंबर तक बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट, चार हाइवे सहित सैंकड़ों सड़कें बंद

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून लगातार सक्रिय बना हुआ है और अगले दो दिनों तक कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने राज्य के अधिकांश जिलों के लिए चेतावनी जारी की है। कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विभाग ने साफ कहा है कि रेड अलर्ट वाले जिलों में लोग बिना जरूरत घर से बाहर न निकलें, नदियों-नालों और भूस्खलन संभावित स्थानों से दूरी बनाए रखें तथा अनावश्यक यात्रा से बचें। राज्य भर में भूस्खलन से 4 नेशनल हाइवे व 662 सड़कों पर आवागमन ठप हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, एक सितंबर को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में बहुत भारी वर्षा का रेड अलर्ट रहेगा। इन जिलों में बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। शिमला, कुल्लु, चम्बा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में इस दिन भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। दो सितंबर को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में फिर से रेड अलर्ट जारी किया गया

है। मौसम विभाग ने साफ कहा है कि यहां अत्यधिक भारी वर्षा से भूस्खलन और नदियों में अचानक जलस्तर बढ़ने का खतरा है। इस दिन शेष अधिकांश जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी रहेगा। तीन सितंबर को शिमला और सिरमौर में येलो अलर्ट रहेगा जबकि बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। चार से छह सितंबर तक भी पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने का अनुमान है और किसी भी जिले के लिए कोई अलर्ट नहीं दिया गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि इन दो दिनों के दौरान पहाड़ी जिलों में भूस्खलन, सड़कें बंद होने और यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं आ सकती हैं। निचले जिलों में अचानक बाढ़ और जलभराव की स्थिति भी बन सकती है। इसलिए लोग सतर्क रहें, मौसम की जानकारी पर नजर बनाए रखें और सुरक्षित स्थानों पर ही ठहरें। इस बीच लगातार हो रही भारी बारिश ने पूरे प्रदेश में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। रविवार दिन भर राजधानी शिमला सहित कई जिलों में जोरदार वर्षा हुई, जिससे जगह-जगह भूस्खलन हुआ। सिरमौर जिला में सोमवार 1 सितंबर को सभी शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में अब तक चार नेशनल हाईवे और 662 सड़कें बंद हो चुकी हैं।

कुपवाड़ा के रेश्वरी में हुए तलाशी अभियान में हथियार और गोला-बारूद बरामद

कुपवाड़ा। सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के रेश्वरी गांव में हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने कुपवाड़ा क्षेत्र के रेश्वरी गांव में तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद किया गया।

सूत्रों ने बताया कि पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। बरामद हथियार और गोला-बारूद में 1 चीनी पिस्तौल, 4 यूबीजीएल, 4 चीनी ग्रेनेड, 1 एमएजी, 26 राउंद, 1 एके 47, 1 एमजी, एके 47 राउंड 144 व एक बैग शामिल है।

पंजाब के 1312 गांव बाढ़ की चपेट में, अब तक 14936 को सुरक्षित निकाला

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने शाम को कहा है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से अब तक कुल 14936 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार की पूरी मशीनरी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना और पंजाब पुलिस के जवान बाढ़ में लोगों की जान-माल की सुरक्षा के लिए दिन-रात डटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि ज़िला अमृतसर से 1700, बरनाला से 25, फाजिल्का से 1599, फिरोज़पुर से 3265, गुरदासपुर से 5456, होशियारपुर से 1052, कपूरथला से 362, मानसा से 163, मोगा से 115, पठानकोट से 1139 और ज़िला तरन तारन से अब तक 60 व्यक्तियों को बाढ़ के पानी से सुरक्षित निकाला गया है। मुंडियां ने कहा कि जैसे-जैसे निकाले गए लोगों की संख्या बढ़ रही है, उसी अनुसार राहत शिविरों की संख्या भी बढ़ाई गई है। इस समय राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों में 122 राहत शिविर चल रहे हैं, जिनमें 6582 व्यक्तियों को ठहराया गया है। कैबिनेट मंत्री ने

बताया कि अमृतसर में 16, बरनाला में 1, फाजिल्का में 7, फिरोज़पुर में 8, गुरदासपुर में 25, होशियारपुर में 20, कपूरथला में 4, मानसा में 1, मोगा में 5, पठानकोट में 14, संगरूर में 1 और पटियाला में 20 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी डिप्टी कमिश्नरों को निर्देश दिए गए हैं कि इन शिविरों में आवश्यक सुविधाओं की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि अमृतसर के शिविरों में 170, बरनाला में 25, फाजिल्का में 652, फिरोज़पुर में 3987, गुरदासपुर में 411, होशियारपुर में 478, कपूरथला में 110, मानसा में 163, मोगा में 115, पठानकोट में 411 और ज़िला संगरूर के राहत शिविरों में 60 व्यक्ति ठहरे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस समय गुरदासपुर में एनडीआरएफ की 6 टीमें और फाजिल्का, फिरोज़पुर, पठानकोट तथा अमृतसर में 1-1 टीम तैनात है। इसी तरह कपूरथला में एसडीआरएफ की 2 टीमें सक्रिय हैं। कपूरथला, गुरदासपुर, फिरोज़पुर और पठानकोट में सेना, नौसेना और वायु सेना भी मोर्चा संभाले हुए हैं, जबकि बीएसएफ की 1-1 टीम गुरदासपुर और फिरोज़पुर में राहत कार्यों में लगी हुई है। पंजाब पुलिस और फायर ब्रिगेड भी कपूरथला और फिरोज़पुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की मदद कर रही है। उन्होंने बताया कि इस समय कपूरथला में 15 नावें, फिरोज़पुर में 12 नावें और पठानकोट में 4 नावें लगाई गई हैं, जबकि जहां कहीं भी एयरलिफ्ट की आवश्यकता होती है, वहां तत्काल कार्रवाई की जा रही है। राजस्व मंत्री ने बताया कि बाढ़ के कारण अब तक पंजाब के कुल 1312 गांव प्रभावित हुए हैं। इनमें अमृतसर के 93, बरनाला के 26, बठिंडा के 21, फतेहगढ़ साहिब का 1, फाजिल्का के 92, फिरोज़पुर के 107, गुरदासपुर के 324, होशियारपुर के 86, जालंधर के 55, कपूरथला के 123, लुधियाना के 26, मालेरकोटला के 4, मानसा के 77, मोगा के 35, पठानकोट के 81, पटियाला के 14, रूपनगर के 2, संगरूर के 22, एसएएस नगर का 1, एसबीएस नगर के 3, श्री मुक्तसर साहिब के 74 और तरनतारन के 45 गांव शामिल हैं।

भगवंत सिंह मान ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मांगा बकाया 60 हजार करोड़ रुपये का फंड

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर बकाया पड़े 60 हजार करोड़ रुपये के फंड तुरंत जारी करने की मांग करते हुए से हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने पंजाब में बाढ़ की गंभीर स्थिति से अवगत करवाया और कहा कि इस प्राकृतिक आपदा से लगभग एक हजार गांव और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। मुख्य मंत्री ने कहा कि भारी वर्षा और बांधों से छोड़े गए पानी के चलते गुरदासपुर, कपूरथला, अमृतसर, पठानकोट, फिरोजपुर, फाजिल्का और होशियारपुर जिलों में हालात गंभीर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति बिगड़ती जा रही है और आने वाले दिनों में हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि अब तक लगभग तीन लाख एकड़ कृषि भूमि, धान की फ़सलें पानी में डूब चुकी हैं। फसल कटाई से पहले ही भारी नुक़सान हो गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पशुओं की हानि से डेयरी फ़ार्मिंग और पशुपालन पर निर्भर ग्रामीण परिवार भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। मुख्य मंत्री ने कहा कि जीएसटी लागू होने और वैट शासन से बदलाव के कारण पंजाब को 49,727 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ, पर भारत सरकार ने कोई मुआवजा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि गत कुछ वर्षों में ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) और मार्केट डेवलपमेंट फंड (एमडीएफ) में कमी 8,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 828 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट भी रद्द कर दिए गए, जिससे ग्रामीण संपर्क सड़क़ों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि पंजाब बाढ़ संकट के चलते नाज़ुक परिस्थितियों का सामना कर रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री को राज्य का बकाया 60 हजार करोड़ रुपये जारी करने में हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि स्टेट डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फ़ंड (एसडीआरएफ) में पर्याप्त फंड हैं, परंतु गृह मंत्रालय के वर्तमान मानदंड किसानों, पशुपालकों व अन्य प्रभावित वर्गों को पर्याप्त मुआवज़ा देने में नाकाफ़ी हैं।

महिला वर्ल्ड कप 2025 जीतने वाली टीम होगी मालामाल, लगभग 300 गुना बढ़ी इनामी राशी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने सोमवार को भारत और श्रीलंका में होने वाले महिला वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि की घोषणा की है। वहीं इस बार खास बात ये है कि, इस राशी में 297 प्रतिशत की वृद्ध हुई है। आईसीसी ने आधिकारिक बयान में आईसीसी ने पुष्टि करते हुए प्रमुख टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि .13.88 मिलियन होगी जो कि, भारतीय रुपये में 122 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम होती है। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ये फैसला लेकर महिला क्रिकेट को अलग मुकाम पर पहुंचा दिया है।

बता दें कि, महिला वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को 4.48 मिलियन डॉलर्स के इनाम का ऐलान किया गया है जो भारतीय रुपये में लगभग 40 करोड़ रुपये बैठती है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम को 2.24 मिलियन यानी लगभग 20 करोड़ रुपये मिलेंगे।

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम को लगभग 10 करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। ग्रुप स्टेज में एक मैच जीतने वाली टीम को 34 हजार डॉलर यानी 30.19 लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीम को 6.16 करोड़ रुपये के इनाम से नवाजा जाएगा।

वहीं सातवें और आठवें नंबर पर रहने वाली टीमों को भी 2.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। कोई टीम मैच जीते या नहीं हर टीम को कम से कम 2 करोड़ 50 लाख रुपये मिलेंगे। वही सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि, पुरुष 2023 वनडे वर्ल्ड कप की प्राइज मनी 10 मिलियन डॉलर्स यानी लगभग 88.29 करोड़ रुपये थी।

वहीं आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि, ये घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक मील का पत्थर साबित होगी। जय शाह ने आगे कहा कि, पुरस्कार राशी में चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल है और इसके दीर्घकालिक विकास के प्रति हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है।

फिटनेस टेस्ट में रोहित-शुभमन समेत इन खिलाड़ियों ने दिखाया दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट में भविष्य को लेकर अटकलें लगती रही हैं। खासकर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज के बाद उनके सफर के खत्म होने की बातें उठती रहीं। वहीं, इस दौरे के लिए चयन से पहले उनकी फिटनेस पर भी सवाल खड़े होते रहे। इन सवालों का जवाब देने के लिए भारतीय वनडे कप्तान रोहित शर्मा बेंगलुरु पहुंचे, जहां उन्होंने फिटनेस टेस्ट दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित ने बिना किसी परेशानी के यह टेस्ट पास कर लिया है।

कुछ दिनों के ब्रेक के बाद रोहित शर्मा के साथ ही टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अन्य खिलाड़ी भी बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में फिटनेस जांच के लिए मौजूद थे। शनिवार और रविवार को दो दिन तक सभी खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट आयोजित किया गया। बीसीसीआई ने इस बार खिलाड़ियों की फिटनेस जांच के लिए यो-यो टेस्ट के साथ-साथ ब्रॉन्को टेस्ट भी शामिल किया था। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सभी खिलाड़ियों का ब्रॉन्को टेस्ट हुआ या नहीं, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार सभी का यो-यो टेस्ट जरूर हुआ।

रोहित शर्मा ने साबित की अपनी फिटनेस

31 अगस्त रविवार को फिटनेस टेस्ट के दूसरे दिन सभी खिलाड़ियों ने यो-यो टेस्ट दिया, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा भी शामिल थे। करीब तीन महीने के क्रिकेट से दूर रहने के बाद भी 'हिटमैन' ने बिना किसी समस्या के फिटनेस टेस्ट पास कर अपनी फिटनेस साबित की। टेस्ट के बाद मुंबई लौटे रोहित के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें वह काफी फिट नजर आए।

प्रसिद्ध कृष्णा ने भी किया प्रभावित

इंग्लैंड दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन कर चुके तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भी इस फिटनेस टेस्ट में हिस्सा लिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, लंबे कद के इस पेसर ने टेस्ट के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया और टीम अधिकारियों को प्रभावित किया। हालांकि उनका स्कोर अभी सामने नहीं आया है। इसके अलावा शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह समेत अन्य खिलाड़ियों ने भी फिटनेस टेस्ट पास किया है। ये सभी खिलाड़ी आगामी एशिया कप टीम का हिस्सा भी हैं।

पूर्व दिग्गज बोले, स्मिथ और मैक्सवेल के विकल्पों की अभी से तलाश करें ऑस्ट्रेलिया

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि साल 2027 विश्व कप को देखते हुए टीम को अभी से बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों के विकल्प तलाशने होंगे। इसके साथ ही तय रणनीति के अनुसार तैयारियां करनी होंगी। स्मिथ और मैक्सवेल ने चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद ही एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था। इन दोनो का विकल्प तलाशना आसान नहीं है क्योंकि स्मिथ लंबी बारी खेलने वाले बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वहीं मैक्सवेल गेंद औरा बल्ले दोनो से ही अहम भूमिका निभाते हैं। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से ही खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी। मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल ओवेन और लांस मौरिस चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में किन खिलाड़ियों को स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल की जगह मौका दिया जाए। ये सवाल इस सीरीज के अलावा आने वाली सीरीजों में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता का कारण होगा। मार्नस लाबुशेन एकदिवसीय सीरीज खेलेंगे, क्योंकि अनुभवी बल्लेबाज भी टीम में होना चाहिए। हालांकि, वे टेस्ट टीम से बाहर हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब उनको कूपर कोनोली, आरोन हार्डी और मैट कुहनेमैन पर भरोसा करना होगा। इनमें से जिस भी खिलाड़ी को इस सीरीज में मौका मिलेगा और वह इन अवसरों का लाभ उठाना चाहेगा और स्मिथ और मैक्सवेल की जगह वह टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेगा। वहीं दूसरी ओर अफ्रीका की टीम के लिए बेहतर हालत में है। उसके पास हेनरिक क्लासेन की जगह मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज है, जो टी20 में धाक जमान के बाद वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करेगा।

'इस्तीफा नहीं उन्हें निकाला गया है', साउथ अफ्रीकी दिग्गज एबी डिविलियर्स ने राहुल द्रविड़ को लेकर किया सनसनीखेज खुलासा

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ के राजस्थान रॉयल्स के कोच पद से इस्तीफा देने के बाद क्रिकेट जगत में हलचल मची हुई है। राहुल द्रविड़ को पिछले साल ही राजस्थान रॉयल्स ने कोच के रूप में नियुक्त किया था, लेकिन एक सीजन खेलने के बाद ही उन्होंने टीम से अलग होने का फैसला कर लिया। इस मामले में अब साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। डिविलियर्स ने अनुमान जताया है कि राहुल द्रविड़ को टीम से निकाला गया था, इसलिए उन्होंने अचानक अपना कार्यकाल समाप्त किया।

एबी डिविलियर्स का बड़ा बयान

एबी डिविलियर्स ने अपने सोशल मीडिया शो '360 लाइव' पर कहा, 'मुझे लगता है कि यह फैसला टीम के ओनर या मैनेजमेंट का था। उन्होंने राहुल को टीम में एक बड़ी भूमिका की पेशकश की, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया।

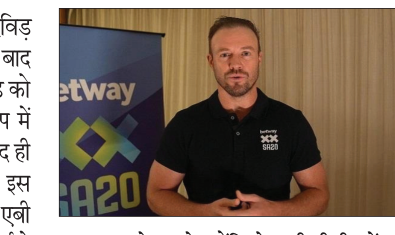

शायद वह परेशान थे क्योंकि वे अभी भी टीम में बने रहना चाहते थे और डगआउट में रहना चाहते थे। यह शायद उनका अपना फैसला हो, लेकिन भविष्य में जब हम उनसे बात करेंगे तो स्पष्टता मिलेगी। राहुल ने टीम में एक बड़ा खालीपन जरूर छोड़ा है।'

अच्छा नहीं रहा था पिछला सीजन

राजस्थान रॉयल्स के लिए पिछला सीजन खराब रहा है। 2008 की आईपीएल विजेता टीम ने पिछले साल सितंबर में राहुल द्रविड़ को कोच के रूप में लाकर टीम के प्रदर्शन को सुधारने की कोशिश की, लेकिन टीम ने 14 लीग मैचों में केवल चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही।

फ्रैंचाइजी ने क्या कहा?

राजस्थान रॉयल्स की फ्रैंचाइजी ने राहुल द्रविड़ के इस्तीफे पर बयान जारी करते हुए कहा, 'राहुल कई सालों तक राजस्थान रॉयल्स का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरणा मिली है। उन्होंने टीम में मजबूत मूल्यों का निर्माण किया और फ्रैंचाइजी की संस्कृति पर अमिट छाप छोड़ी है। टीम की संरचना की समीक्षा के दौरान राहुल को फ्रैंचाइजी में एक बड़ी भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी और दुनियाभर के लाखों प्रशंसक फ्रैंचाइजी के लिए उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल को हार्दिक धन्यवाद देते हैं।'

दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा : बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई का ये बयान प्रशंसकों की आलोचना को देखते हुए आया है। प्रशंसकों ने दलीप ट्रॉफी मैचों का प्रसारण नहीं किये जाने पर निराशा जतायी थी। बीसीसीआई ने कहा है कि 11 से 15 सितंबर के बीच होने वाले दलीप ट्रॉफी का फाइनल टीवी पर प्रसारित किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा। हमने अपने प्रसारक के साथ 100 दिनों के घरेलू क्रिकेट का सीधा प्रसारण पक्का करने के लिए करार किया है। जिसका मतलब है कि हमारे सभी घरेलू टूर्नामेंटों का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट को अत्यधिक महत्व देता है क्योंकि इन मैचों में लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में अब तक यश ढुल और अंकित कुमार के शतकों की बदौलत नॉर्थ जोन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं दूसरे मैच में, दानिश मालेवार के शानदार डेब्यू और रजत पाटीदार व यश राठौड़ के शानदार प्रदर्शन से सेंट्रल जोन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। दोनों सेमीफाइनल 4 सितंबर को खेले जाएंगे।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के लिए नये प्रायोजक की तलाश शुरु की, 450 करोड़ रुपये रखी प्रायोजन राशि

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेट टीम के लिए नये स्पॉन्सर (प्रायोजक) की तलाश शुरु कर दी है। नए करार के लिए 450 करोड़ रुपये की रकम तय की गयी है। ये ड्रीम11 के साथ हुए 358 करोड़ रुपये के करार से ज्यादा है। ड्रीम11 को ऑनलाइन गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद प्रायोजन करार से हटना पड़ा था जबकि उसका करार साल 2026 तक था। ऐसे में बीसीसीआई को अचानक ही नये प्रयोजक की तलाश करनी पड़ी है। बीसीसीआई के लिए हालांकि 9 सितंबर से शुरु हो रही एशिया कप से पहले प्रायोजक मिलना संभव नहीं है। एशिया कप 9 सितंबर से ही शुरु हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब बीसीसीआई की नजर 2025 से 2028 के लिए नए प्रायोजक की तलाश पर है और इस करार की कीमत करीब 450 करोड़ रुपये होगी जो ड्रीम11 की 358 करोड़ रुपये की रकम से कहीं अधिक होगी।

ऋषभ ने साझा की तस्वीर, चोट से उबरने का प्रयास कर रहे

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में ऋषभ के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। जिससे अब वह उबर रहे हैं। उनका पलास्टर उतर गया है पर उन्हें अभी ठीक होने में समय लगेगा। इसी कारण वह एशिया कप से भी बाहर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी वह शायद ही खेल पाये। अब ऋषभ ने अपनी एक तस्वीर साझा की है। इसमें वह चोट से उबरने का प्रयास कर रहे हैं। प्रशंसक भी उनकी वापसी कब होगी उसको लेकर बेताब हैं। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की और लिखा, 'इसमें और कितने दिन?' वह उनके पैर पर लगे प्रोटेक्टिव बूट की ओर संकेत कर रहे थे। इस चोट के कारण वह कम से कम छह हफ्तों के लिए खेल से बाहर हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने लीड्स टेस्ट में लगातार दो शतक लगाए जिससे वह टेस्ट में दो शतक लगाने वाले दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए। उन्होंने तीन अर्धशतक भी बनाए जिसमें मैनचेस्टर में फ्रैक्चर वाले पैर के साथ खेली 54 रन की पारी भी शामिल थी। इस दौरे पर सात पारियों में उनके नाम 479 रन थे।

हॉकी इंडिया लीग को लेकर बड़ी अपडेट, जनवरी में तीन शहरों में खेलें जाएंगे मुकाबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क- हॉकी इंडिया लीग (HIL) का अगला सीजन जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें इस बार लीग के मैच दो नहीं बल्कि तीन अलग-अलग स्थलों पर खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पुष्टि की है कि पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता आठ टीमों के साथ पहले की तरह ही जारी रहेगी, जबकि महिला वर्ग में टीमों की संख्या चार से बढ़ाकर छह तक की जा सकती है। हालांकि, इस बार पुरुषों की गोनासिका टीम और महिला वर्ग की मौजूदा चैंपियन ओडिशा वॉरियर्स निजी कारणों से प्रतियोगिता से बाहर हो गई हैं।

कौन-कौन से वेन्यू हो सकते हैं?

दिलीप टिर्की ने बताया कि इन टीमों की जगह नई टीमों की जल्द घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिला वर्ग में कम से कम चार और पुरुष वर्ग में आठ टीमें जरूर रहेंगी। महिला टीमों की संख्या बढ़ाकर छह करने पर विचार जारी है। इस बार लीग के मैच तीन शहरों में खेले जाएंगे, जिनमें दो पुराने शहरों के साथ एक नया शहर भी शामिल होगा। ओडिशा के राउरकेला और भुवनेश्वर में से किसी एक को चुना जाएगा। वहीं, चंडीगढ़ और मोहाली का नाम भी चर्चा में था, लेकिन जनवरी में कोहरे की समस्या को देखते हुए निर्णय फिलहाल टाल दिया गया है।

दिलीप टिर्की ने यह भी जानकारी दी कि पिछली लीग के सभी खिलाड़ियों का बकाया भुगतान कर दिया गया है। खासकर ओडिशा वॉरियर्स टीम की ओर से भुगतान में हुई देरी को हॉकी इंडिया ने सीधे खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि से समायोजित कर दिया है।

कब होगी खिलाड़ियों की नीलामी?

अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सितंबर के अंत या अक्टूबर के पहले सप्ताह में होगी। इस नीलामी में गोनासिका और ओडिशा वॉरियर्स के साथ-साथ अन्य टीमों द्वारा रिलीज किए गए खिलाड़ी भी शामिल होंगे। टिर्की ने कहा कि भारत अगले साल होने वाले हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों में अपनी सबसे मजबूत टीमों को उतारेगा। उन्होंने बताया कि एशियाई खेल विश्व कप के लगभग तीन सप्ताह बाद होंगे और टीमों की तैयारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

फिडे रैंकिंग : आर प्रज्ञानंनदा ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग, कार्लसन टॉप पर काबिज

बेंगलुरु । फिडे की सितंबर 2025 महीने की रैंकिंग जारी हो गई है। इस दौरान भारत के स्टार खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा ने अपने करियर के सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की है। प्रज्ञाननंदा 2785 श्द्यश् के साथ चौथे नंबर पर पहुंचकर भारत के सर्वोच्च रेटिंग वाले क्लासिकल खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया है। यह बढ़त सिंकफील्ड कप में उनके दूसरे स्थान पर रहने से और भी बढ़ गई है। इससे पहले अगस्त में उनकी रेटिंग 6 अंक की थी। वहीं इस रैंकिंग में एक बार फिर नॉर्वे के खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन टॉप पर हैं। हालांकि, वो अब चैंपियन नहीं है, लेकिन रेटिंग के हिसाब से अभी भी नंबर 1 क्लासिकल खिलाड़ी हैं। उनके बाद ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। भारत के अन्य शीर्ष शास्त्रीय खिलाड़ियों में पांचवें स्थान पर अर्जुन एरिगैसी (2771 Elo) और छठे नंबर पर मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश (2767 Elo) शामिल हैं। इसके लावा वैश्विक टॉप 10 में एक उल्लेखनीय नवागंतुक जर्मन के विन्सेंट कीमर हैं, जिन्होंने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2025 में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद तेजी से 21 रेटिंग अंक प्राप्त किए और एलीट क्लब में एंट्री की है। वहीं इस रैंकिंग में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिला है जो कि वेस्ली सो का है। जिन्होंने हाल ही में समाप्त हुई सिंकफील्ड कप जीता। वेस्ली अपने दूसरे खिताब की बदौलत दुनिया में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

बुमराह वर्तमान दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज : अकरम

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह वर्तमान समय के एक महान गेंदबाज हैं। अकरम ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम प्रबंधन उनके वर्कलोड का ध्यान रख रहा है वह भी सराहनीय बात है। अकरम ने कहा कि बुमराह विश्व-स्तर के गेंदबाज है और इसमें किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिये। इस पूर्व गेंदबाज ने कहा, बुमराह का ऐक्शन सबसे अलग है। उनके पास गति है और जिस तरह से प्रबंधन उनका ध्यान रख रहा है वह भी काफी अच्छी बात है। इसका पूरा श्रेय प्रबंधन और इस गेंदबाज की मानसिकता को जाता है। अकरम से जब यह पूछा गया कि क्या बुमराह ऑल-टाइम ग्रेट हैं तब उन्होंने कहा, किसी भी अलग-अलग दौर की तुलना नहीं की जा सकती। वह दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज हैं, मैं बाएं हाथ का गेंदबाज था। मैंने सोशल मीडिया पर कई बार बहस देखी हैं पर उससे न तो बुमराह और न ही मुझे फर्क पड़ता है। वह आधुनिक दौर के महान हैं। मैंने अपने समय में अपना योगदान दिया पर वह बहुत ही प्रभावशाली हैं। क्रिकेट में आए बदलाव को लेकर उन्होंने कहा कि अब गेंदबाजों को विकेट मिलने के अवसर ज्यादा हैं क्योंकि बल्लेबाज हर समय शॉट खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 90 के दशक में टी20 नहीं था। एकदिवसीय में बल्लेबाज खराब गेंदों को छोड़ दिया करते थे पर अब तो टेस्ट में भी अच्छी गेंदों तक पर शॉट लग रहे हैं। इससे गेंदबाजों पर दबाव ज्यादा हो गया है। बुमरहा के पास विकेट लेने के अवसर ज्यादा हैं क्यों बल्लेबाज की नजर हमेशा शॉट पर रहती है। गेंदबाज के तौर पर हम उस आक्रामकता का आनंद लेते हैं। टेस्ट क्रिकेट को कुछ टीमों के लिए 5 दिन के बजाय 4 दिन तक का करने वाले यानी टू-टियर सिस्टम के प्रस्ताव को भी अकरम ने बेकार बताया है।

हरभजन ने थप्पड़ कांड का वीडियो दोबारा जारी करने के लिए ललित मोदी की आलोचना की

नई दिल्ली । पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल 2008 के थप्पड़ कांड का वीडियो दोबारा जारी करने के लिए पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी की कड़ी आलोचना की है। हरभजन ने उस मैच में नाराज होकर विरोधी टीम के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को एक थप्पड़ लगा दिया है हालांकि उसके बाद से ही हरभजन ने कई बार श्रीसंत से माफी मांग ली थी। साथ ही कहा था कि उस घटना का पछतावा उन्हें हमेशा रहेगा। अब घटना के 17 साल बाद उसी वीडियो को जारी किये जाने से हरभजन नाराज हैं। हरभजन ने कहा है कि जिस बात को लोग भूल गए थे, उसे इतने सालों बाद सार्वजनिक करने की क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे पूर्व आईपीएल कमिश्नर को कोई निजी हित छिपा होगा। हरभजन से ब थप्पड़ कांड का वीडियो लीक होने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि लोग भूल गए थे, और अब उन्हें उसकी दोबारा याद दिलाई जा रही है। हरभजन ने कहा कि जिस तरह से वीडियो लीक किया गया है, वो गलत है। यह नहीं होना चाहिए। इसके पीछे ललित का कुछ स्वार्थ होगा। कई साल पहले कुछ हुआ था, लोग उसे भूल गए हैं और वे उसे याद दिला रहे हैं। हरभजन ने आगे कहा, 'जो कुछ भी हुआ उसके लिए मुझे भी बुरा लगता है। हम लोग खेल रहे थे, और सबके मन में कुछ न कुछ चलता रहता है। गलतियां होती हैं और हम उसके लिए शर्मिंदा महसूस करते हैं।' साथ ही कहा, 'वह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और मैं कई मौकों पर कह चुका हूं कि मुझसे गलती हुई थी। इंसान गलतियां करता है, मैंने भी की। मैंने भगवान गणेश से प्रार्थना की है कि अगर मैं भविष्य में गलतियां करता हूं तो मुझे क्षमा करें। गलतियां होती हैं।' हरभजन ने अभी हाल ही में आर अश्विन के साथ हुई बात में भी थप्पड़ कांड के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनके श्रीसंत के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं।

रणजी नहीं आईपीएल... भारतीय टेस्ट टीम के चयन को लेकर ये क्या कह गए चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा की। पुजारा ने नंबर-3 पर टीम इंडिया को लंबे समय तक सेवाएं दी। इस दौरान वह टीम इंडिया के लिए कई बार संकटमोचन बने। उन्होंने राहुल द्रविड़ के बाद टीम इंडिया के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया जिस कारण उन्हें टीम इंडिया की दीवार कहा जाने लगा। हालांकि, लंबे समय तक उन्हें टीम इंडिया में मौका नहीं मिला लेकिन नंबर-3 अभी भी अस्थिर है। कई खिलाड़ियों को आजमाया गया है। वह इस नंबर पर अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं।

वहीं चेतेश्वर पुजारा ने संन्यास के बाद अपनी दिल की बात कही। इस दौरान उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस के जरिए भारतीय टेस्ट टीम में चयन को लेकर कड़वी सच्चाई उजागर की। पुजारा ने इस दौरान कहा कि, टेस्ट टीम में चयन आईपीएल, टी20 और वनडे क्रिकेट में प्रदर्शन से होता है। रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने से काफी कम खिलाड़ियों का चयन होता है। जिस कारण नए दौर के खिलाड़ी अटैकिंग क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

साथ ही पुजारा ने कहा कि, मुझे लगता है कि ज्यादातर खिलाड़ियों को टेस्ट मैचों के लिए टी20, आईपीएल या वनडे में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना जाता है। बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जिन्हें रणजी मैचों में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना जाता है। यहां तक कि, गेंदबाज भी सफेद गेंद वाले सर्किट से टेस्ट मैचों में आ रहे हैं। यही कारण है कि मुझे लगता है कि आधुनिक युग के बल्लेबाजों की ताकत आक्रामक क्रिकेट खेलना है। वे जरूरत पड़ने पर गेंद को डिफेंडकरने या छोड़ने की कला सीख रहे हैं।

वहीं टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज ने कहा कि, फिलहाल अभी भी समझदारी भरा क्रिकेट खेला जा रहा है। खिलाड़ी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। फिर काउंटर अटैकिंग कर रहे हैं। लेकिन मुझे लगता है कि खेल बेहतर स्ट्राइक रेट के साथ आगे बढ़ेगा। हालांकि, ऐसा तभी हो सकता है जब आप सपाट पिच पर खेल रहे हों। अगर आप चुनौतीपूर्ण पिच पर खेलना शुरू करते हैं तो क्या कोई आक्रामक क्रिकेट खेलना जारी रख सकता है? इस पर पुजारा ने कहा कि, नहीं, इसलिए अगर कोई पारंपरिक टेस्ट खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी से उभरता है तो मुझे अभी भी लगता है कि उसके पास भारत की टेस्ट टीम में योगदान देने का मौका होगा।

महिला केंद्रित वेब सीरीज एक्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं सना मकबूल

लंबे ब्रेक के बाद अभिनेत्री सना मकबूल अब महिला केंद्रित वेब सीरीज के साथ वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि लंबे समय तक चुपचाप अपनी सेहत का ख्याल रखने और खुद को दोबारा तैयार करने के बाद अब फिर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं। सना ने अपनी जिंदगी के सफर को याद करते हुए कहा कि जब हालात ने उन्हें रुकने पर मजबूर किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि महिलाएं अक्सर खुद को सबसे आखिर में रखती हैं, अपने सपनों को, अपनी सेहत को, और अपनी खुशी को भी। उन्होंने कहा, मेरे लिए महिलाओं से जुड़ी एक कहानी के साथ वापसी करना बहुत खास है। ये मेरी तरफ से एक संदेश है कि हम सबको दूसरा मौका मिलना चाहिए, और हम सबकी बात सुनी जानी चाहिए। उनकी आने वाली वेब सीरीज महिलाओं की भावनाओं, ताकत और जज्बे पर आधारित होगी, जो सना की जिंदगी के अनुभवों से भी मेल खाती है। इस प्रोजेक्ट को उन्होंने इसलिए चुना क्योंकि वह ऐसे किरदारों को सामने लाना चाहती थीं, जो साहस, उम्मीद और आत्म-खोज की मिसाल पेश करें। सना को आखिरी बार सुर्खियों में तब देखा गया था, जब जून में उनकी करीबी दोस्त, डॉ. आशना कंचवाला ने अस्पताल से एक इमोशनल पोस्ट शेयर की थी।
इंस्टाग्राम स्टोरी पर सना की एक बीमार हालत में तस्वीर साझा करते हुए आशना ने लिखा था, मेरी सबसे स्ट्रॉन्ग दोस्त। तुमने जैसी हिम्मत दिखाई है, मैं तुम पर गर्व करती हूं। तुम जल्द ही इस मुश्किल से बाहर आओगी। इसके कुछ दिन बाद, सना ने भी सोशल मीडिया पर अपने फैन्स को धन्यवाद कहा और सभी से दुआओं की गुजारिश की। उन्होंने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने हाथ में एक डॉल पकड़ी थीं और लिखा था, मेरे इस तूफान के बीच, वह मेरे लिए पहला लैबुबू लाया। इसके साथ ही सना ने एक इंटरव्यू में अपने हेल्थ इश्यू के बारे में खुलकर बताया था। उन्होंने कहा था, इस बीमारी में शरीर अपने ही अंगों पर हमला करता है। मेरे केस में यह लिवर को प्रभावित कर रहा है। यह लुपस की तरह है, जिसमें किडनी या जोड़ों पर असर होता है।

लव इंश्योरेंस कंपनी में 2040 की मोहब्बत को फिर से परिभाषित करती दिखीं कृति शेट्टी

साउथ इंडियन सिनेमा की सबसे होनहार युवा अभिनेत्रियों में से एक, कृति शेट्टी ने अपनी पहली फिल्म उप्पेना में अपनी सफलता के बाद से भावनात्मक रूप से समृद्ध और युवा भूमिकाएँ चुनने के लिए तेज़ी से अपनी पहचान बनाई है।
मासूमियत और सशक्त स्क्रीन प्रेजेंस का सुंदर मेल उनकी पहचान बन चुका है। अब वे विनेश शिवन द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी में साइंस फिक्शन की दुनिया में बड़ा कदम रख रही हैं, जहाँ वह प्रतीक रंगनाथन के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। यह उनकी फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण बदलाव है, क्योंकि वे छोटे शहरों की कहानियों और रोमांटिक कॉमेडी से निकलकर एक हाई-कॉन्सेप्ट फ्यूचरिस्टिक लव स्टोरी में नजर आएंगी, जो तकनीक, टाइम ट्रैवल और भावनाओं के धुंधले दायरों की पड़ताल करती है। हाल ही में रिलीज़ हुए टीज़र लव इंश्योरेंस कंपनी- फर्स्ट पंच में कृति के किरदार को साल 2040 की एक अनोखी साइंस-फिक्शन दुनिया में पेश किया गया है। सफेद पोशाक में सजी हुई, हाथों में फूल लिए, बारिश में बाहर निकलती कृति एक ऐसा दृश्य पेश करती हैं जिसे भूल पाना मुश्किल है। और अगर ये नज़ारा लंबे समय तक आपकी याद में न रहे, तो फिर क्या रहे? इसके बाद जो कहानी शुरू होती है, वो है 2040 की एक बेहद दिलचस्प प्रेम गाथा — एक ऐसा दौर जब दुनिया प्यार की भाषा और रोमांस को उस रूप में पीछे छोड़ चुकी है जैसा हम आज जानते हैं। जहां प्रतीक रंगनाथन का किरदार समय की परतों को पार करता है सच्चे प्यार की तलाश में, वहीं कृति इस ट्रेलर की विज़ुअल टोन को एंकर करती हैं — सजीव, सौम्य, भावनात्मक रूप से दूर, फिर भी संभवतः एक परिवर्तनकारी मोड़ के कगार पर।
लव इंश्योरेंस कंपनी कृति शेट्टी के करियर की अब तक की सबसे रोमांचक भूमिकाओं में से एक साबित हो सकती है — न केवल एक रोमांटिक लीड के रूप में, बल्कि एक ऐसे भविष्य की भावनात्मक और दार्शनिक केंद्र के रूप में भी, जो कल्पना की सीमाओं को चुनौती देता है। इंटरनेट पर कई फैन थ्योरीज़ सामने आ रही हैं, जिनमें कहा गया है कि उनका किरदार एक एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) हो सकता है, जो अनजाने में प्रेम की अनुभूति करने लगता है। अगर ऐसा होता है, तो यह भूमिका कृति को एक बिल्कुल नए इमोशनल स्पेक्ट्रम को एक्सप्लोर करने का मौका देगी। हालांकि इन अटकलों पर मुहर तो सिर्फ कृति या फिल्म के निर्माता ही लगा सकते हैं, लेकिन इतना तय है कि LIK में उनका रोल सीमाओं को लांघने वाला होगा।

'जातस्य मरणं ध्रुवं' के लिए मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग ले रही हैं शीना चौहान

साउथ इंडियन एक्ट्रेस शीना चौहान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए काफी मेहनत कर रही हैं। उनकी आने वाली फिल्म है 'जातस्य मरणं ध्रुवं', जिसमें वे एक आईपीएस ऑफिसर के किरदार में दिखाई देंगी। इस फिल्म के लिए वे मार्शल आर्ट की कड़ी ट्रेनिंग ले रही हैं। 'जातस्य मरणं ध्रुवं' में शीना की जोड़ी जेडी चक्रवर्ती के साथ जमेगी। जेडी को हिंदी फिल्म 'सत्या' में देखा गया था। एक्ट्रेस शीना कराटे में ब्राउन बेल्ट और एमएमए- कराटे चैंपियनशिप में राज्य स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। अब वे फिल्म में अपने कैरेक्टर को और दमदार बनाने के लिए मार्शल आर्ट सीख रही हैं। वह हैदराबाद में एक निजी कोच के साथ प्रतिदिन 90 मिनट की ट्रेनिंग ले रही हैं। इसमें ताकत के साथ ही आधुनिक युद्ध की बारीकी पर ध्यान केंद्रित करना सिखाया जा रहा है। इस बारे में बात करते हुए शीना ने कहा, मेरे लिए परफॉर्मेंस के साथ ही प्रक्रिया भी काफी महत्वपूर्ण है। चाहे वह मेरी मार्शल आर्ट हो, जिम वर्कआउट हो, या असली अधिकारियों का अध्ययन करने में बिताया गया समय हो, यह सब मुझे किरदार को ईमानदारी से जीने में मदद करता है। शीना को आखिरी बार फिल्म संत तुकाराम में देखा गया था। इसमें उन्होंने अवली जीजाबाई का किरदार बड़े ही प्रभावशाली ढंग के साथ निभाया था। इसके लिए लोगों और समीक्षकों ने उनकी तारीफ भी की थी। तेलुगु फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवं' एक सस्पेंस-थ्रिलर मूवी है, जिसमें कई अप्रत्याशित मोड़ आते हैं। इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है।

साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहीं मोनालिसा

प्रयागराज महाकुंभ से अपनी खूबसूरत आंखों को लेकर माला विक्रेता मोनालिसा खूब लोकप्रिय हुईं। किस्मत उन पर इस कदर मेहरबान हुई कि वे अब फिल्मी दुनिया में कदम रख चुकी हैं। वे बॉलीवुड फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर में पहले से काम कर रही हैं, इस बीच उनके हाथ एक साउथ फिल्म लगी है। वायरल गर्ल मोनालिसा मलयालम फिल्म नागम्मा में नजर आएंगी।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक माला विक्रेता मोनालिसा भोसले आगामी मलयालम फिल्म नागम्मा में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में इस फिल्म की पूजा सेरेमनी हुई, इसमें भी मोनालिसा ने शिरकत की। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से तस्वीरें भी शेयर कीं। मोनालिसा ने आगामी मलयालम फिल्म की पूजा सेरेमनी की जो फोटोज शेयर की हैं, उनमें उनके साथ नीलाथमारा के एक्टर कैलाश भी नजर आ रहे हैं। फिल्म में मोनालिसा कैलाश के अपोजिट दिखाई देंगी। पी बीनू वर्गीस इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। वहीं, जीली जॉर्ज फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। नागम्मा में मोनालिसा महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी। फिल्म नागम्मा की शूटिंग सितंबर में शुरू होने की उम्मीद है। मोनालिसा की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके करीब सात लाख फॉलोअर्स हैं।

विवेक के नाम का कभी फायदा नहीं उठाया

बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय के चचेरे भाई अक्षय ओबेरॉय भी एक एक्टर हैं और उन्होंने भी कई फिल्मों में काम किया है। हाल ही में अक्षय सुर्खियों में आ गए हैं, क्योंकि उन्होंने विवेक ओबेरॉय के साथ अपने रिश्ते पर बात की और पारिवारिक संबंधों पर विचार प्रकट किए। उन्होंने बताया कि दोनों भाईयों के बारे में इंडस्ट्री में बहुत कम लोगों को पता है। अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फ्री प्रेस जर्नल के साथ एक बातचीत में शामिल हुए, जहां उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं यह बात पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं क्योंकि किसी को नहीं पता था कि हम रिश्तेदार हैं। यहां तक कि कास्टिंग करने वाले को भी नहीं, किसी को पता नहीं था। मैंने कभी इस बात का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं किया। मैंने कभी किसी से कहा नहीं क्योंकि मुझे क्या मिलता?'

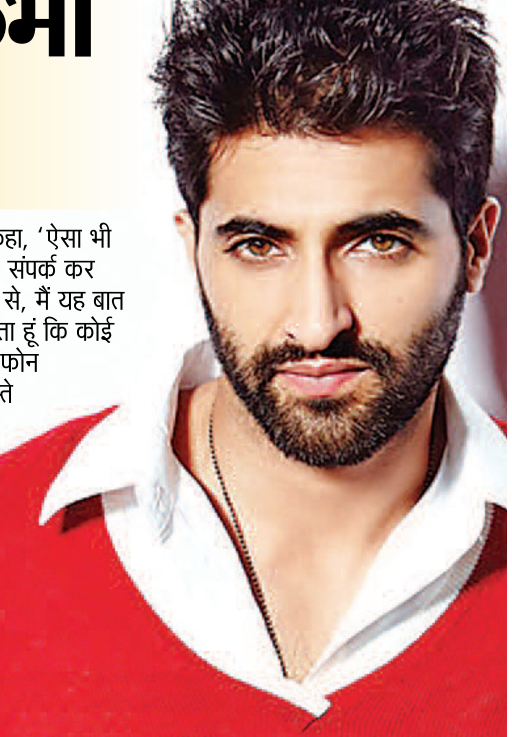

आगे बातचीत में अक्षय ओबेरॉय ने कहा, 'ऐसा भी नहीं था कि मैं उन्हें फोन करके उनसे संपर्क कर पाता, आप जानते ही हैं। बदकिस्मती से, मैं यह बात गर्व से नहीं, बल्कि दुख के साथ कहता हूं कि कोई सच्चा रिश्ता ही नहीं था। तो, मैं उन्हें फोन करके क्या पूछता? मैं बस अपने रास्ते पर चलता रहा।' करियर को लेकर जवाब देते हुए अक्षय ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन था कि कोई मेरी मदद नहीं करेगा। इस क्षेत्र में मेरा कोई गुरु, गॉडफादर या मार्गदर्शक नहीं था।

साथ मिलकर काम करते, तो मजा आता

अंत में उन्होंने कहा, हमारे परिवारों में कभी बनती नहीं थी, और मैं यहां था। शायद हम एक परिवार के तौर पर इस लिहाज से बदकिस्मत थे। वो (विवेक ओबेरॉय) और उनके पिता, दोनों ही बहुत अच्छे अभिनेता हैं, और मुझे उस वंश से होने पर गर्व है। लेकिन अगर हम साथ मिलकर काम कर पाते, तो मजा आता।'

अब तक किन टीवी अभिनेत्रियों ने निभाई नागिन की भूमिका, सातवें सीजन में तेजस्वी प्रकाश का बरसेगा कहर

एकता कपूर के टीवी सीरियल नागिन के हर सीजन में अलग-अलग अभिनेत्रियां मुख्य भूमिका में नागिन बनी हैं। इनकी अदाकारी ने दर्शकों को खूब लुभाया है। इस लिस्ट में मौनी रॉय, अदा खान, सुरभि ज्योति, अनीता हसनंदानी, निया शर्मा, सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश जैसी एक्ट्रेस ने रातोंरात प्रसिद्धि हासिल की है। जानिए अब सातवें सीजन में कौन सी अभिनेत्री नजर आ सकती है।

नागिन सीजन 1

नागिन सीरीज 2015 में शुरू हुई थी। हर सीजन में मुख्य नागिन का किरदार एक या ज्यादा अभिनेत्रियां निभाती हैं। नागिन के पहले सीजन में मौनी रॉय और अदा खान ने नागिन की भूमिका निभाई थी। मौनी रॉय को नागिन सीरियल से प्रसिद्धि मिली। सीजन 1 में मौनी ने शिवन्या नाम की मुख्य नागिन का रोल निभाया। यह एक इच्छाधारी नागिन थी, जो अपने माता-पिता की हत्या का बदला लेती है। अर्जुन बिजलानी और अदा खान उनके साथ थे। यह सीजन जबरदस्त हिट हुआ था।

नागिन सीजन 2

नागिन का दूसरा सीजन 8 अक्टूबर 2016 को शुरू हुआ था। इस सीजन में भी मौनी ने शिवांगी का रोल किया, जो शिवन्या की बेटी थी। यहां उन्होंने नागिन के रूप में जहर भरी अदाओं और इमोशनल सीन दिखाए। करणवीर बोहरा और अदा खान फिर साथ थे। मौनी की डांसिंग और ट्रांसफॉर्मेशन सीन आज भी फेमस हैं।

नागिन सीजन 3

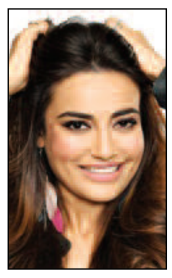

नागिन का सीजन 3, 2 जून 2018 से 26 मई 2019 तक चला। इसमें सुरभि ज्योति मुख्य नागिन बनीं। उन्होंने बेला सहगल और श्रावणी सिप्पी के डबल रोल किए, जो शेषनाग वंश की नागरानी थीं। यह सीजन सबसे लंबा चला और काफी हिट रहा। पर्ल वी पुरी और अनीता हसनंदानी उनके साथ थे।

निया शर्मा - नागिन सीजन 4

सीजन 4 नागिन - भाग्य का जहरीला खेल 14 दिसंबर 2019 से 8 अगस्त 2020 तक चला। इसमें निया ने बृंदा का मुख्य रोल किया, जो शेषनाग वंश की नागिन थी। कोविड के कारण शो रुका भी, लेकिन फिर चला। विजयेंद्र कुमेरिया और जस्मिन भसीन साथ थे।

सुरभि चंदना - नागिन सीजन 5

नागिन सीजन 5 में सुरभि चंदना ने बानी शर्मा का रोल निभाया, जो शेषनाग वंश से सर्वश्रेष्ठ आदि नागिन थी। शरद मल्होत्रा और मोहित सहगल उनके को-स्टार थे। सुरभि की दमदार ऐक्टिंग और नागिन के रूप में ट्रांसफॉर्मेशन सीन खूब पसंद आए। यह सीजन भी हिट रहा।

तेजस्वी प्रकाश - नागिन सीजन 6

नागिन सीजन 6 सबसे लंबा चला। तेजस्वी प्रकाश ने प्रथा गुजराल/ प्रार्थना /प्रगति के ट्रिपल रोल किए, जो वासुकी कबीले की महा शेष नागिन थीं। बिग बॉस 15 जीतने के बाद यह उनका पहला बड़ा शो था। सिम्बा नागपाल, महक चहल और वत्सल सेठ साथ थे।

नागिन सातवें सीजन में तेजस्वी प्रकाश

अब नागिन 7 की बात। एकता कपूर ने 2025 में इसकी अनाउंसमेंट की और दो साल के इंतजार के बाद टीजर रिलीज हो गया। यह सीजन भी कलर्स टीवी पर आएगा, लेकिन अभी रिलीज डेट कन्फर्म नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सातवें सीजन में तेजस्वी प्रकाश ही मुख्य नागिन का रोल निभाएंगी। वह सीजन 6 की तरह ही वापसी करेंगी, लेकिन नई कहानी के साथ।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।